हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची • सोमवार • 26.05.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 301 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

जापान को पछाड़कर भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना

नयी दिल्ली : भारत के लोगों के लिए एक बड़ी खुशखबरी निकलकर सामने आयी है। ऐसा इसलिए क्योंकि, जापान को पीछे छोड़कर भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि, भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। सुब्रह्मण्यम ने नीति आयोग शासी परिषद की 10वीं बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि कुल मिलाकर वैश्विक और आर्थिक माहौल भारत के अनुकूल है। बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा, मैं जब बोल रहा हूं, तब हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। आज हम 4,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के आंकड़ों का हवाला देते हुए सुब्रह्मण्यम ने कहा कि आज भारत की अर्थव्यवस्था जापान से बड़ा है। उन्होंने कहा, ह्यह्यकेवल अमेरिका, चीन और जर्मनी ही भारत से बड़े हैं और अगर हम अपनी योजना और सोच पर कायम रहते हैं, तो ढाई-तीन साल में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे।

कोविड के नए वेरिएंट पर झारखंड अलर्ट सरकार पूरी तरह तैयार : स्वास्थ्य मंत्री

रांची : देश में कोविड के मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि यह एक सामान्य स्थिति है। घबराने की कोई जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य विभाग पूरी स्थिति पर नजर रहे हुए है। डॉ. अंसारी ने कहा, ञभीड़-भाड़ वाले इलाकों में मास्क पहनना जरूरी है। इससे न केवल कोविड, बल्कि अन्य बैक्टीरियल और वायरल संक्रमणों से भी बचाव होता है। सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम खुद भी सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रखें। मंत्री ने बताया कि झारखंड सरकार, केंद्र सरकार द्वारा जारी होने वाली नई गाइडलाइन्स का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि निर्देश मिलते ही राज्य सरकार तुरंत आवश्यक कदम उठाएगी। डॉ. अंसारी ने कहा लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि सतर्कता बनाए रखने की जरूरत है। झारखंड सरकार और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क एवं तैयार हैं। नागरिकों से अपील है कि वे अफवाहों से दूर रहें, आधिकारिक सूचना पर ही विश्वास करें और आवश्यक एहतियात बरतें।

लोकसभा अध्यक्ष सिंहभूम चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्लेटिनम जुबली समारोह में हुए शामिल

भारत बनेगा औद्योगिक महाशक्ति : बिरला

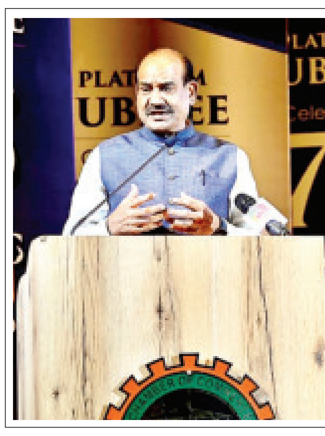

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : बिष्टुपुर स्थित लोयोला स्कूल के फेसी ऑडिटोरियम में रविवार को सिंहभूम चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्लेटिनम जुबली (75वीं वर्षगांठ) समारोह का भव्य आयोजन हुआ। इस मौके पर देश के विकास, उद्योग जगत की भूमिका और आतंकवाद पर भारत की नीति जैसे अहम विषयों पर चर्चा हुई। समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस मौके पर कहा कि भारत अब तकनीकी, अनुसंधान और उद्योगों के क्षेत्र में वैश्विक पहचान बना रहा है। हम सहयोगी नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता की भूमिका में आ रहे हैं। उन्होंने भारत को 'अवसरों की धरतीह्व बताते हुए कहा कि उद्योग-हितैषी नीतियों से देश की अर्थव्यवस्था और तेजी से आगे बढ़ेगी।ऑपरेशन सिंदूर का ज़िक्र करते हुए उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत के सख्त रुख को दोहराया और कहा कि देश अब किसी भी आतंकी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगा। जिस तरह सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई की, उससे स्पष्ट हो गया कि भारत केवल अपनी रक्षा नहीं करेगा, बल्कि दुनिया के अंदर जो आतंकवाद है, उस आतंकवाद को समाप्त करने के लिए नई नीति और नई कार्य योजना से काम करेगा। हमने यह भी साबित कर दिया कि इस देश के अंदर कोई भी देश आतंकवाद फैलाने का काम करेगा, तो उसका परिणाम ऑपरेशन सिंदूर से भी गंभीर होगा।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने दुनिया को यह बता दिया कि सिंदूर की भी कीमत होती है। आतंकवाद के खिलाफ भारत ने एक नई शैली में युद्ध लड़ा और पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाया जो हमारे जवानों की शौर्यगाथा को दशार्ता है। पूर्व मंत्री अर्जुन मुंडा और सांसद विद्युत वरण महतो ने भी व्यापारिक संगठनों के योगदान की सराहना की और उन्हें भारत की प्रगति का महत्वपूर्ण भागीदार बताया।

समारोह की शुरूआत चेंबर के अध्यक्ष विजय आनंद मूनका की ओर से पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों के स्वागत और पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुई। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो भी मौजूद रहे। शहर के कई प्रमुख उद्यमी, व्यापारी, अधिकारी और समाजसेवी भी समारोह में शामिल हुए। इससे पहले सोनारी एयरपोर्ट पहुंचने पर लोकसभा अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया गया और वहां से वे सीधे लोयोला स्कूल सभागार पहुंचे।

लोकसभा अध्यक्ष ने बिरसा मुंडा को किया नमन

रांची : लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने बिरसा चौक स्थित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया और बिरसा मुंडा संग्रहालय जाकर धरती आबा की स्मृतियों का अवलोकन भी किया। ओम बिरला ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा को मैं प्रणाम करता हूं। ये धरती जनजातीय समुदाय की संस्कृति है। बिरसा मुंडा ने जनजातीय समुदाय, जंगल-जमीन, आदिवासी की संस्कृति को बचाने के लिए उन्होंने एक लंबी लड़ाई लड़ी। उनके इस संघर्ष से ही आज जनजातीय समाज को सम्मान मिलता है। झारखंड जनजातीय समुदाय की प्रगति के साथ विकास की ओर भी आगे बढ़ रहा है। बिरसा मुंडा की यह धरती हम लोगों के लिए प्रेरणा है।

श्याम प्रभु के दर्शन कर भाव विभोर हुए लोकसभा अध्यक्ष

रांची : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में पूजन-दर्शन कर समस्त देशवासियों के लिए मंगल कामना की। एयरपोर्ट से राजभवन जाने के क्रम में उन्होंने श्री श्याम मंदिर में दर्शन किए। उनके साथ रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भी दरबार में दर्शन किये। सर्वप्रथम मंदिर के मुख्य गेट पर मंडल अध्यक्ष सुरेश सरावगी, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, वरिष्ठ सदस्य राजीव मित्तल, मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू, कोषाध्यक्ष पंकज गाड़ोदिया, अमित सरावगी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ने मंदिर की सीढ़ियों पर मत्था टेकर बाबा के दरबार को निहारते हुए अंदर की ओर प्रवेश किया ।

ओम बिरला पहुंचे बिरसा मुंडा संग्रहालय

देश के विकास में जनजातीय समुदाय का बड़ा योगदान : लोकसभा अध्यक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रांची के ओल्ड जेल परिसर भी पहुंचे और वहां बिरसा मुंडा संग्रहालय का भ्रमण किया। अध्यक्ष उस स्थान (बैरक) में भी गए, जहां अंग्रेजों ने बिरसा मुंडा को कैद कर रखा था और यहीं उनकी मृत्यु हो गयी थी। इस दौरान रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ और रांची विधायक सह पूर्व मंत्री सीपी सिंह भी लोकसभा अध्यक्ष के साथ थे।

इस मौके पर ओम बिरला ने कहा कि बिरसा मुंडा ने जनजातीय समुदाय के लोगों में आत्मविश्वास भरा, जिसकी वजह से उनमें संघर्ष के लिए सामर्थ्य पैदा हुआ। धरती आबा बिरसा मुंडा लंबे दिनों तक इसी जेल में रहे। आने वाली पीढ़ी जब भी यहां आएगी, उन्हें भगवान बिरसा मुंडा के जीवन समर्पण, संघर्ष और जनजातीय आत्मसम्मान को बनाए रखने की प्रेरणा उन्हें मिलेगी।

ओम बिरला ने कहा कि देश के विकास में जनजातीय समुदाय का बड़ा योगदान रहा है। आज भी भारतीय संस्कृति और उसकी विरासत को संरक्षित रखने का काम जनजातीय समाज के लोग कर रहे हैं। जिन वीर सपूतों ने भारत की आजादी, दलितों-शोषितों और आदिवासी समुदाय के हितों के लिए संघर्ष किया, उनकी जन्मभूमि और कर्मभूमि को विकसित और संवर्धित करने का प्रयास किया गया है, जो प्रशंसनीय है। बिरसा मुंडा संग्रहालय भ्रमण के बाद लोकसभा अध्यक्ष जमशेदपुर में सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स के 75 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हो गए।

लालू यादव ने अपने बड़े बेटे तेजप्रताप को पार्टी और परिवार से किया बाहर

एजेंसी

पटना : राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को पार्टी और परिवार से निष्कासित कर दिया है। श्री यादव ने एक महिला के साथ तेजप्रताप यादव का फोटो और वीडियो वायरल होने के बाद रविवार को सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक पर पोस्ट करके अपने बड़े पुत्र को पार्टी और परिवार से निष्कासित किये जाने की जानकारी दी। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, ञनिजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित किया जाता है।

राजद प्रमुख ने आगे लिखा,अपने निजी जीवन का भला-बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे वो स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूं। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सार्वजनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है। धन्यवाद।

गौरतलब है कि तेजप्रताप यादव के फेसबुक अकाउंट से एक लड़की के साथ तस्वीर शनिवार को पोस्ट करते हुए लिखा गया था, 'मैं तेजप्रताप यादव और मेरे साथ इस तस्वीर में जो दिख रही हैं उनका नाम अनुष्का यादव है। हम दोनों पिछले 12 सालों से एक दूसरे को जानते है और प्यार भी करते हैं। हमलोग पिछले 12 सालों से एक रिलेशनशिप में रह रहें हैं। मैं बहुत दिनों से आपलोगों से यह बात कहना चाहता था पर समझ नहीं आ रहा था कैसे कहूं.... इसलिए आज इस पोस्ट के माध्यम से अपने दिल की बात आप सब के बीच रख रहा हूं।

कांग्रेस आज सरना धर्म कोड लागू करने को लेकर करेगी प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रदेश कांग्रेस की ओर से 26 मई को सरना धर्म कोड लागू करने की मांग को लेकर राजभवन के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया जायेगा। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू के निदेर्शानुसार प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में यह धरना-प्रदर्शन होगा। इसमें कांग्रेस के सभी वरीय नेता, मंत्री, विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, सांसद, पूर्व सांसद, जिला अध्यक्ष सहित राज्य भर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भाग लेंगे।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने रविवार को बताया कि एक लंबे अरसे से आदिवासी समुदाय अपने धार्मिक पहचान को पाने के लिए सरना धर्मकोड की मांग कर रहा है, जिसका कांग्रेस पूरी तरह से समर्थन करती है और चाहती है कि आगामी जनगणना में सरना धर्म कोड का एक कॉलम भी अंकित किया जाए। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय का रहन-सहन, उनकी पूजा पद्धति और मान्य परंपराएं सभी धर्मो से अलग हैं। ये प्रकृतिपूजक हैं, इनके धार्मिक पहचान को बनाए रखना समय की मांग है। लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत प्राप्त संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार यह एक गंभीर समसामयिक मांग है, जिसे केंद्र सरकार को अविलंब मानना चाहिए।

नगर निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस ने की पर्यवेक्षकों की नियुक्त

रांची : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने राज्य में होने वाले आगामी नगर निकाय चुनाव को देखते हुए पर्यवेक्षकों की नियुक्त की है। प्रदेश अध्यक्ष ने रविवार को सांसद, मंत्री, विधायक और गत लोकसभा और विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार रहे नेताओं को नगर निगम,नगर पंचायत एवं नगर परिषद क्षेत्रों के पर्यवेक्षक के रूप में मनोनीत किया है। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि नगर निकाय चुनाव को गंभीरता से लेते हुए संगठन को मजबूत करने की दिशा में अग्रतर कार्रवाई करें, ताकि हम नगर निकाय चुनाव में अपेक्षित सफलता प्राप्त कर सकें। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने इस बारे में बताया कि विभिन्न नगर निगम, नगर परिषद एवं नगर पंचायत के लिए वरीय नेताओं को जिम्मेवारी दी गई है। इस क्रम में देवघर नगर निगम, मधुपुर नगर परिषद एवं गोड्डा नगर परिषद की जिम्मेदारी कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव को, महगामा नगर परिषद की दीपिका पांडे सिंह को, बासुकीनाथ नगर परिषद की बादल पत्रलेख को,चतरा नगर परिषद एवं लातेहार नगर पंचायत की के. एन. त्रिपाठी को, चास नगर निगम की श्वेता सिंह को तथा चिरकुंडा नगर परिषद की जिम्मेदारी अनुपमा सिंह को दी गई है। इन सबके अलावा धनबाद नगर निगम की अजय दुबे, रांची नगर निगम और कपाली नगर परिषद की यशस्विनी सहाय, बुंडू नगर पंचायत और खूंटी नगर पंचायत की कालीचरण मुंडा, सिमडेगा नगर परिषद की भूषण बाड़ा ,गुमला नगर परिषद की सुखदेव भगत, लोहरदगा नगर परिषद की डॉ. रामेश्वर उरांव, बचरा नगर पंचायत की अंबा प्रसाद, रामगढ़ नगर परिषद की ममता देवी, हजारीबाग नगर निगम की मुन्ना सिंह, पाकुड़ नगर परिषद की निशांत आलम और मिहिजाम नगर परिषद एवं जामताड़ा नगर पंचायत की जिम्मेदारी डॉ. इरफान अंसारी को दी गई है।

पीएम मोदी संग एनडीए मुख्यमंत्रियों की बैठक में ऑपरेशन सिंदूर की गूंज, जाति जनगणना सहित कई मुद्दों पर बना रोडमैप

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में रविवार को दिल्ली में एनडीए दलों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों के साथ हुई बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इस बैठक में भाग लेने के लिए देश के अलग-अलग राज्यों से नेता दिल्ली पहुंचे थे। बैठक में ऑपरेशन सिंदूर की गूंज सुनाई पड़ी। साथ ही जाति गणना, सुशासन सहित कई अन्य मुद्दों पर आगे का रोडमैप बना। इस बैठक में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा, राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, आंध्र के डिप्टी सीएम पवन कल्याण सहित एनडीए शासित कई राज्यों से सीएम और डिप्टी सीएम मौजूद थे। बैठक में अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा सहित कई केंद्रीय मंत्री भी मौजूद थे।

एक दिन पहले हुई थी नीति आयोग की बैठक

एनडीए मुख्यमंत्री परिषद की बैठक से एक दिन पहले पीएम मोदी ने नीति आयोग की बैठक में देश के लगभग सभी मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की थी। हालांकि नीति आयोग की बैठक में बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल नहीं हुए थे। रविवार को एनडीए घटक दलों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों की बैठक में ऑपरेशन सिंदूर और जातिगत जनगणना को लेकर प्रस्ताव पेश किया गया।

एनडीए मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में इन मुद्दों पर हुई चर्चा

ऑपरेशन सिंदूर : चर्चा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा "ऑपरेशन सिंदूर" था, जो पाकिस्तान में आतंकी शिविरों के खिलाफ हाल ही में किए गए सैन्य हमलों को संदर्भित करता है। सम्मेलन में सशस्त्र बलों और पीएम मोदी को इस ऑपरेशन की सफलता के लिए बधाई देने वाले प्रस्तावों को पेश कर पास किया गया, जिसमें राष्ट्रीय आत्मविश्वास को बढ़ाने और आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने में इसकी भूमिका पर जोर दिया गया।

जाति गणना : बैठक में अगली राष्ट्रीय जनगणना में जाति गणना को शामिल करने के निर्णय पर भी चर्चा की गई। समावेशी विकास और डेटा-संचालित नीति निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखी जाने वाली इस पहल के लिए केंद्र सरकार की प्रशंसा करने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया।

सुशासन : मुख्य ध्यान एनडीए शासित विभिन्न राज्यों से सुशासन को साझा करने और उन पर विचार-विमर्श करने पर था। मुख्यमंत्रियों ने अपने राज्य-स्तरीय पहल और शासन मॉडल प्रस्तुत किए, नवाचारों और सफल योजनाओं की जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि राज्यों को राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ जुड़े साहसिक, समावेशी और दूरदर्शी विजन दस्तावेज तैयार करने चाहिए, जो स्थानीय वास्तविकताओं पर आधारित होने चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया-भर में आतंक के खिलाफ लड़ाई को दिया नया विश्वास : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया-भर में आतंक के खिलाफ लड़ाई को नया विश्वास और उत्साह दिया है क्योंकि हमारे जवानों ने आतंक के अड्डों को तबाह किया, यह उनका अदम्य साहस था और उसमें आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ भारत में बने हथियारों, उपकरणों और प्रौद्योगिकी की की ताकत शामिल थी।

श्री मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' की 122वीं कड़ी में कहा कि आज पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है, आक्रोश से भरा हुआ है, संकल्पबद्ध है। आज हर भारतीय का आतंकवाद को खत्म करने का संकल्प है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमारी सेनाओं ने

जो पराक्रम दिखाया है उसने हर हिंदुस्तानी का सिर ऊँचा कर दिया है। जिस सटीकता के साथ हमारी सेनाओं ने सीमा पार के आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया वो अद्भुत है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया-भर में आतंक के खिलाफ लड़ाई को नया विश्वास और उत्साह दिया है। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' सिर्फ एक सैन्य मिशन नहीं है ये हमारे संकल्प, साहस और बदलते भारत की तस्वीर है और इस तस्वीर ने पूरे देश को देश-भक्ति के भावों से भर दिया है, तिरंगे में रंग दिया है। देश के कई शहरों में, गावों में, छोटे-छोटे कस्बों में, तिरंगा यात्राएं निकाली गई। हजारों लोग हाथों में तिरंगा लेकर देश की सेना, उसके प्रति वंदन-अभिनंदन करने निकल पड़े। कितने ही शहरों में बड़ी संख्या में युवा एकजुट हो गए और सोशल मीडिया पर कविताएँ लिखी जा रही थीं, संकल्प गीत गाये जा रहे थे। छोटे-छोटे बच्चे पेंटिंग बना रहे थे जिनमें बड़े सन्देश छुपे थे।

श्री मोदी ने कहा 'मैं अभी तीन दिन पहले बीकानेर गया था। वहाँ बच्चों ने मुझे ऐसी ही एक पेंटिंग भेंट की थी। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने देश के लोगों को इतना प्रभावित किया है कि कई परिवारों ने इसे अपने जीवन का हिस्सा बना लिया है। बिहार के कटिहार में उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में और भी कई शहरों में, उस दौरान जन्म लेने वाले बच्चों का नाम 'सिंदूर' रखा गया है।

एक नजर

कोडरमा माले जिला कमेटी की हुई बैठक संपन्न

कोडरमा : माले जिला कमिटी का झारखंड कुशवाहा मेहता भवन डोमचांच मे संपन्न हुआ। आतंकी हमले में मारे गए लोगों की याद में 2 मिनट मौन रखकर जिला सचिव कॉ राजेन्द्र मेहता के अध्यक्षता में संपन्न किया गया। बैठक के दौरान पुरे जिला मे अपराधी पुलिस भूमि माफिया गठजोड़ के खिलाफ जन आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया गया। धरगाँव पंचायत के आम रास्ते के जमीन पर अतिक्रमण को नही हटाने से स्पष्ट होता है कि डोमचांच अंचल अधिकारी और भूमाफिया मे मिलीभगत है, जिससे जनता त्रस्त है। जिसके खिलाफ 2 जून 2025 से जिला मुख्यालय पर अनिश्चित कालीन धरना दिया जाएगा। जिसकी तैयारी बतौर सभी प्रखण्ड मे बैठक करने का निर्णय लिया गया। पहलगाम आंतकी घटना पर केंद्र सरकार की सुरक्षा व्यवस्था के खिलाफ 29 जून को झुमरीतिलैया मे जनसभा किया जाएगा। बैठक मे कोडरमा प्रखण्ड सचिव कॉ तुलसी राणा, डोमचांच प्रखण्ड सचिव विनोद पाण्डेय, जयनगर प्रखंड सचिव अशोक यादव, जिला कमिटी सदस्य कॉ मुन्ना यादव,कॉ अशोक यादव, चांद अख्तर, कोलेशवर राणा, बबन मेहता, कृष्ण कांत मेहता, शेरू निशा , पार्वती देवी आदि उपस्थित हुए।

स्वास्थ्य के प्रति लोग लापरवाह ना रहे : मिंटू साव

सतगांवा : सतगांवा प्रखंड के अंबाबाद पंचायत के अंगार गांव में रविवार सुबह 10 :00 बजे महिला सुरक्षा समिति कोडरमा के तत्वाधान में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन मुखिया प्रतिनिधि नारायण राय द्वारा फीता काटकर किया गया। स्वास्थ्य शिविर में गांव के महिला पुरुष एवं बच्चे मुख्य रूप से उपस्थित थे। चिकित्सक डॉ. परिमल तारा द्वारा गांव के 80 बीमार लोगों का स्वास्थ्य जांच कर उनका इलाज कर उन्हें निशुल्क दवाइयां दिया गया। इस संबंध में पूछे जाने पर महिला सुरक्षा समिति के सचिव मिंटू साव ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोग जानकारी के अभाव में स्वास्थ्य के प्रति लापरवाह रहते हैं तथा उन्हें कई बड़ी बीमारी होने का खतरा बना हुआ रहता है। इसलिए स्वास्थ्य के प्रति लोग के प्रति लापरवाह ना रहे क्योंकि लापरवाही के कारण ही बड़ी बीमारी हो सकती है। मौके पर नर्स नीतू कुमारी, अरुण कुमार, संतोष कुशवाहा, जुलुधारी राय, महिला सुरक्षा समिति की कानूनी सलाहकार अधिवक्ता गोरखनाथ सिंह, दिव्या कुमारी, पूनम कुमारी, मिथलेश कुमार के अलावे वार्ड मौजूद रहे।

ब्राह्मण समाज की हुई बैठक

कोडरमा : रविवार को ब्राह्मण समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक भाजपा जिलाध्यक्ष अनुप जोशी के आवासीय कार्यालय पर आयोजित की गई। इस बैठक में समाज के विकास, सामाजिक एकता, और युवाओं की भागीदारी को लेकर विचार-विमर्श किया गया।
बैठक में कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने समाज में शिक्षा, रोजगार, और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि समाज को संगठित कर सकारात्मक दिशा में कार्य करना समय की आवश्यकता है।
जिलाध्यक्ष अनुप जोशी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा, ह्लब्राह्मण समाज ने हमेशा समाज के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज आवश्यकता है कि हम सभी एकजुट होकर शिक्षा, संस्कार और संगठन के माध्यम से नई पीढ़ी को एक सशक्त दिशा दें।
बैठक में निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में समाज के उत्थान हेतु विभिन्न कार्यक्रमों, जैसे शैक्षणिक सहायता, स्वास्थ्य शिविर, और युवा संवाद, का आयोजन किया जाएगा।

रेलवे पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब के साथ दो को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : रेलवे सहायक उप निरीक्षक/ओम प्रकाश सिंह साथ प्रधान आरक्षी/अजय कुमार सिंह, आरक्षी/अशोक कुमार गुप्ता तथा महिला आरक्षी/नीतू कुमारी सभी रेसुब, पोस्ट, कोडरमा के बल सदस्य कोडरमा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म सं० 04/05 पर गस्त कर रहे थे। गस्ती के क्रम में एफओबी के निचे पहुँचे तो दो व्यक्तियों को पिठ्ठु बैग के साथ संदिग्ध अवस्था में देखा गया। संदेह होने पर उसके पास जाकर पूछताछ किया गया तो उसने अपना नाम व पता (1) राहुल कुमार, उम्र करीब 18 वर्ष, पिता महेन्द्र प्रसाद, पता दलेलपुर, थाना- नारदीगंज, जिला- नवादा (बिहार) तथा (2) रोशन कुमार, उम्र करीब 18 वर्ष, पिता विजय कुमार, पता बहुरी बिधा, थाना- नारदीगंज, जिला- नवादा (बिहार) बताया। जब राहुल कुमार के कब्जे वाले ब्राउन रंग के पिठ्ठु बैग को खोलकर चेक किया गया तो उसमें रखा हुआ (1) 06 अददरॉयल स्टैग डीलक्स व्हिस्की जिसमे प्रत्येक की क्षमता 750 मिली० और प्रत्येक का किमत 740 रुपए (८) 15 अदद हंटर स्ट्रॉन्ग प्रीमियम बियर जिसमें प्रत्येक की क्षमता 500 मिली और प्रत्येक का किमत 130 रुपए अकित पाया गया। उसके बाद जब रोशन कुमार के कब्जे वाले काला रंग के पिठ्दु बैग को खोलकर चेक किया गया तो उसमें रखा हुआ (1) 24 अदद हंटर स्ट्रॉन्ग प्रीमियम बियर जिसमें प्रत्येक की क्षमता 500 मिली० और प्रत्येक का कीमत 130 रुपए अंकित पाया गया। उक्त दोनों व्यक्तियो से शराब की बोतलों के बाबत पूछताछ किया गया तो उसके द्वारा बताया गया कि हमलोग बेरोजगार है इसलिए इसे बिहार ले जाकर अधिक दामों में बेच कर इससे लाभ कमाता हूँ। शराब की बोतलों के बाबत न तो कोई कागजात दिखाया और ना ही संतोषप्रद जबाब दिया। जिसके बाद मौके पर उपस्थित गवाहों के समक्ष सहायक उप निरीक्षक/ओम प्रकाश सिंह, रेसुब पोस्ट कोडरमा के द्वारा उपर्युक्त शराब की बोतलों को जप्ती सूची बनाते हुए जप्त किया गया तथा पकडे गये व्यक्तियों का गिरफ्तारी सह जामातालाशी बनाते हुए गिरफ्तार किया गया तथा अग्रिम कार्यवाही वास्ते रेसुब पोस्ट कोडरमा पर लाया गया। जब्त सभी अग्रेजी शराब की कुल क्षमता 24000 मिली० व कुल कीमत 9510/- रुपए आका गया। गिरफ्तार अभियुक्तो और जप्त शराब को अग्रिम कानूनी कार्यवाही वास्ते उत्पाद विभाग कोडरमा को सुपुर्द कर दिया गया।

कोल कर्मचारियों का आवाज है एजेकेएसएस : संजय मिश्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ एजेकेएसएस (एटक) सौंदा डी परियोजना शाखा का आज पूर्ण गठन किया गया। जिसकी अध्यक्षता राधिका सिंह ने एवं संचालन गुरुदयाल ठाकुर ने किया । यह बैठक सौंदा ड़ी में रखी गई जिसमें मुख्य रूप से बरका सयाल से क्षेत्रीय कमेटी के क्षेत्रीय सचिव संजय मिश्रा और क्षेत्रीय उपाध्यक्ष धर्मेंद्र मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित हुए` संजय मिश्रा ने सभा को सम्बोधित करते हुवे कहा कि बरका सयाल क्षेत्र के सभी परियोजनाओं के कमेटी का भी पुनर्गठन किया जाना है। कमिटी का गठन एक औपचारिक प्रक्रिया है `आज के तारीख में क्षेत्र में कोल कर्मचारियों का विश्वास एजेकेएसएस के ऊपर काफी बढ़ रहा है। एजेकेएसएस कर्मचारियों का आवाज बनकर उभर रहा है। जून माह में क्षेत्रीय कमेटी का पुनर्गठन किया जाएगा। आज कमेटी के द्वारा सर्वसममती से पदाधिकारी का जो चयन किया गया उनमें अध्यक्ष गुरु दयाल ठाकुर, उपाध्यक्ष रणजीत मिश्रा, कृष्णा, सचिव राधिका सिंह, सहसचिव सरलू महतो, ईजाद अली, कोषाध्यक्ष पतीलाल, कार्यकारिणी सदस्य रविंद्र कुमार, नरेश साव,विनोद करमाली, कालेश्वर मुंडा, तपेश्वर महतो, को किया गया है।

रानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर आरती का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : पुण्यश्लोका रानी अहिल्याबाई होलकर जी की 300वीं जयंती के शुभ अवसर पर झुमरी तिलैया के स्टेशन परिसर स्थित काली मंदिर में एक भव्य भजन एवं सामूहिक आरती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक आयोजन का नेतृत्व भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सुनीति सेठ के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भजन मंडली की बहनों द्वारा मधुर भजनों से हुई, जिसने सम्पूर्ण वातावरण को भक्तिमय बना दिया। काली मंदिर की भजन मंडली की बहनों ने अपनी सुरीली आवाज से कार्यक्रम में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया, जिससे सभी श्रद्धालु भावविभोर हो गए।भजनों के समापन के पश्चात अध्यक्ष सुनीति सेठ ने रानी अहिल्याबाई होलकर जी की प्रेरणादायी जीवनी एवं उनके द्वारा शासकीय कार्यकाल में किए गए सामाजिक व धार्मिक योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार रानी अहिल्याबाई ने नारी सशक्तिकरण, धर्म व संस्कृति की रक्षा तथा जनकल्याण के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किए। इस भक्ति कार्यक्रम के सफल आयोजन में भाजपा की महामंत्री सविता देवी, बेबी देवी, संतोषी देवी, नीलम भदानी, सुषमा देवी, मंजू देवी सहित कई महिला कार्यकताओं एवं अन्य भाजपा सदस्यों का अहम योगदान रहा। सभी बहनों ने कार्यक्रम की व्यवस्था में सक्रिय सहभागिता निभाई और श्रद्धालुओं की सेवा में तत्पर रहीं। कार्यक्रम का समापन सामूहिक आरती के साथ हुआ जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और रानी अहिल्याबाई होलकर जी के आदर्शों को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। यह कार्यक्रम नारी सशक्तिकरण, सांस्कृतिक जागरूकता और सामाजिक एकता का एक अनुपम उदाहरण बनकर सामने आया।

स्वदेशी जागरण मंच झारखण्ड प्रान्त का दो दिवसीय विचार वर्ग का हुआ समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : स्वदेशी जागरण मंच झारखण्ड प्रान्त का दो दिवसीय विचार वर्ग का समापन हुआ। इन दो दिनों मे कुल 7 सत्र हुए जिसमे 15 विषय जैसे इंटेक्कुअल प्रॉपर्टी राइट्स, स्वदेशी मेला, राष्ट्रीय परिषद मे पारित प्रस्ताव, अमेजॉन, वॉमार्ट, टर्की सहित विदेशी सामानो का बहिस्कार करना, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जागरण मंच कि विकास यात्रा, जैविक कृषि, स्वावलम्बी भारत अभियान, स्वावलंबन केंद्र, पांच परिवर्तन, सांगठनत्मक जैसे अन्य विषयों पर चर्चा हुई। बैठक मे झारखण्ड के 22 जिलों से कुल 183 प्रतिनिधियों ने वर्ग मे प्रशिक्षण प्राप्त किया। आज के समरोप सत्र के मुख्य वक्ता एवं अतिथि स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय पर्यवारण प्रमुख दीपक शर्मा प्रदीप जी रहे। उन्होंने अपने सम्बोधन मे कहा कि भारतीय कृषि का इतिहास लगभग 11000 वर्षो का रहा हैं लेकिन इसकी दुर्गति सन 1965 - 66 से शुरू हुई जब से हरित क्रांति ने इस देश मे कदम रखा। इसमें राशायनिक खाद का प्रयोग होने लगा जिसमे 1951 मे प्रति व्यक्ति के हिस्से मे 1 किलो यूरिया से ले कर वर्तमान मे 3किलो 500ग्राम यूरिया प्रति व्यक्ति के हिस्से तक सफर तय किया जिसके परिणाम स्वरुप आज देश का हर 5वाँ व्यक्ति मधुमेह कि बीमारी और हर चौथा व्यक्ति हाइपरटेंशन जैसी बिमारियों का शिकार हैं। इस यूरिया के प्रभाव से भारत कि दो तिहाई भूमि बंजर हो गयी। कृषि योग्य भूमि के लगभग 95% भूमि कि मिट्टी मे उर्वरक छमता समाप्त हो गयी हैं। आज यदि हमें मिट्टी कि उर्वरक छमता को बढ़ाना हैं तो हमारे पास केवल एक ही विकल्प हैं - वो हैं पशुधन का उपयोग।

कषि विज्ञान केन्द्र में धान बीज का किया गया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा बीज दिवस के अवसर पर कोडरमा जिला अंतर्गत कषि विज्ञान केन्द्र जयनगर में धान बीज प्रभेद सीआर-320 (120दिन) का वितरण किया गया। 11किसान के बीच प्रत्यक्षन हेतु बीज का वितरण किया गया। जिसमें जिला कृषि पदाधिकारी एवं केवीके वैज्ञानिक डॉ चंचला कुमारी उपस्थित थी। केवीके जयनगर में बिक्री हेतु निम्नलिखित धान उपलब्ध है , जिसमें 1-सीआर -320 @ 55रूपया -120दिन, 2-सुगंधा बासमती@55रूपया-125दिन शामिल हैं। इसके अलावा केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा धान बीज का बुआई एवं पानी की उपलब्धता के आधार पर किसानों को बीज बुआई एवं देखरेख के संबंध में जानकारी दिया गया।

जिला क्रिकेट एसोसिएशन की हुई बैठक जल्द शुरू होगा कोडरमा प्रीमियर लीग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला क्रिकेट एसोसिएशन की एक बैठक सूर्या बैंक्वेट हॉल में हुई। बैठक की अध्यक्षता अमरजीत सिंह छाबड़ा ने की। सर्वप्रथम झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव जी और सचिव के रूप में सौरभ तिवारी जी सहित सभी पदाधिकारियो के निर्वाचित होने पर जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई। बैठक में जिला क्रिकेट एसोसिएशन में शामिल होने के लिए समाजसेवी ईश्वर आनंद का सबों ने स्वागत किया और आशा जताई की इनके सहयोग और सुझाव से जिला क्रिकेट एसोसिएशन और भी बेहतर कार्य करेगी । इस अवसर पर ईश्वर आनंद ने कहा कि केडीसीए के पदाधिकारियों के साथ मिलकर जिले के खेल प्रेमियों के सहयोग से जिला क्रिकेट एसोसिएशन के द्वारा आयोजित होने वाले कोडरमा प्रीमियर लीग को भव्य बनाने में भरपूर सहयोग करूंगा । कोडरमा प्रीमियर लीग के सफल संचालन के लिए सोनू खान, धर्मेंद्र कौशिक, ओमप्रकाश और सुरेंद्र प्रसाद को जिम्मेवारी दी गई । बैठक में यह कहा गया कि जिला क्रिकेट एसोसिएशन झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन के नियम के तहत बेहतर तरीके से कार्य कर रहा है और आगे भी करेगा। कुछ लोग जो पिछले कई वर्षों से जिला क्रिकेट एसोसिएशन को बदनाम करने के नए-नए हथकंडे अपनाते रहे हैं वह खेल भावना के विपरीत है। खिलाड़ियों को आगे कर वह अपनी महत्वाकांक्षा पूर्ण करना चाहते हैं। बैठक में यह भी कहा गया की खिलाड़ी अपने खेल पर ध्यान दें। आज जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा न केवल शहर में बल्कि कोडरमा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से भी खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारा जा रहा है, जिसके परिणाम स्वरूप आज जिला के हर एज ग्रुप के टीम में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के भी खिलाड़ियों को भरपूर मौका मिल रहा है। कहा गया कि हम लोगों के प्रयास से महिला क्रिकेट टीम का गठन होना, इस वर्ष अंडर 14 क्रिकेट टीम का फाइनल खेलना, अंडर 16 क्रिकेट टीम का क्वार्टर फाइनल खेलना ,कोडरमा के एक खिलाड़ी अंडर 14 एज ग्रुप में पूरे झारखंड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी बनना, कोडरमा जिला के सीनियर खिलाड़ियों के द्वारा इंटर डिस्ट्रिक्ट टूनामेंट में बहुत ही अच्छा प्रदर्शन करना, जिला के खिलाड़ियों को अपने बेहतर खेल के बदौलत स्टेट कैंप में जगह मिलना, जिला के सीनियर खिलाड़ी अभिराज गौतम को एनसीए के द्वारा लेवल वन ट्रेनर का सर्टिफिकेट मिलना, यह सब कोडरमा जिला की बड़ी उपलब्धियां में से एक है।

संक्षिप्त खबरें

भुरकुंडा पंचायत भवन में एथलेटिक्स खिलाडियों को किया गया सम्मानित

भुरकुंडा : भुरकुंडा पंचायत भवन में रविवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में एथलेटिक्स खिलाडियों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कराटे प्रशिक्षक सेंसाई कंचन दास ने बताया कि श्रृष्टि कुजूर ने भाला फेक व लंबी कूद में कांस्य पदक, आस्था सिंह ने भाला फेक और गोला फेक में रजत पदक, वैष्णवी कुमारी ने लंबी कूद में रजत पदक और आरेम कुमार ने भाला फेक में रजत पदक जीतकर क्षेत्र कार नाम रौशन किया है। मौके पर चित्रलेखा, विकास, शिवांश, रेयांश, खुशी, स्नेहलता, अन्नया, ओम, वैशनवी, रीना कुजूर, प्रशिक्षिका सृष्टि कुजूर, आस्था सिंह, रीना कुजूर और कमलनाथ सिंह ने मौजूद थें। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने सम्मानित होने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी। साथ ही हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

भुरकुंडा बाजार में घंटो रहता है जाम, जनता त्रस्त, प्रशासन मस्त

भुरकुंडा : भुरकुंडा का बाजार जो कि अपने आप में एक मिसाल है।जहाँ सब्जीयों का बाजार एक तरफ तो फल का बाजार भी वहीं आसपास, मुर्गा, मछली कि बात करें तो वो भी बिलकुल अगल बगल, कपड़े कि बाजर तो वहीं साथ लगा जूता गली मतलब ये कहा जाय कि बिलकुल सजा धजा बाजार है भुरकुंडा का तो कोई गलत बात नहीं होगा` आस पास के दस बारह किलोमीटर के सभी गांव,मोहल्लों के लोग यही आकर अपने जरूरत का सामान लेते है। इस क्षेत्र का रामगढ़ के बाद सबसे बड़ा बाजार भुरकुंडा ही है। लेकिन बाजार कि स्थिति ऐसा हो गया है कि लोग बाजार आने से अब घबराते है ।जहाँ देखो वहीं मनमानी एक तरफ ऑटो वाले अपना स्टेण्ड छोड़ कर बाजार में ही खड़े रहेंगे तो दूसरी तरफ लोग अपनी गाड़ियों को मेंन रोड पे ही लगाकर खरीदारी करते नजर आएंगे ।और इन सभी से बेखबर है हमारे प्रशासनिक अधिकारी पहले कई बार तो रविवार और पर्व त्योहारों में नो इंट्री लगया जाता था ताकि कोई भी चार पहिया वाहन प्रवेश न कर सके और जाम से बाजार मुक्त रहें। लेकिन अब तो वो भी बंद हो गया है जो चाहे जहाँ चाहे अपनी गाड़ी लगाये इससे किसी कोई कोई फर्क नहीं पड़ता है जनता त्रस्त, प्रशासन मस्त ।कई बार तो एम्बुलेंस भी भीड़ के हत्थे चढ़ा चूका है, इसके अलावे धटना भी घट चूका है। भुरकुंडा ओपी प्रभारी निर्भय गुप्ता शुरूआत में तो कोशिश किये की बाजार को जाम से मुक्त कराया जाय।

श्री श्री शिव मंडा पूजा का हुआ आयोजन

हरिहरपुर : श्री श्री मंडा पूजा समिति हरिहरपुर के तत्वाधान में शनिवार की देर रात हरिहरपुर पंचायत में श्री श्री शिव मंडा पूजा समिति द्वारा मंडा मेला का भव्य आयोजन किया गया। मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी के कर कमलों के द्वारा किया गया। इसके पूर्व पाहन द्वारा पूरे विधि विधान एवं पारंपरिक रीति रिवाज से पूजा अर्चना कर क्षेत्र की हरियाली खुशहाली और सुख समृद्धि की कामना की गई। मौके पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा है कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज में एकता समरसता और परंपरा को जीव जीवित रखने का कार्य करते हैं। यह सिर्फ एक पूजा या मेला नहीं बल्कि हमारी आस्था संस्कृति और सामाजिक जुड़ाव की मिसाल है` मैं समिति को इस सुंदर आयोजन के लिए दिल की गहराइयों से बधाई देता हूं और भरोसा दिलाता हूं कि ऐसे कार्यक्रमों के लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा। मौके पर पूर्व जिला पार्षद मनोज राम, कटिया मुखिया किशोर महतो, हरिहरपुर मुखिया गीता देवी, सुखदेव महतो, सुरेश महतो, पंचायत समिति हरिहरपुर भरत महतो, पूर्व जिला पार्षद सुरेश महतो सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे।

झारखंड फेंसिंग एसोसिएशन का वार्षिक आमसभा आयोजित

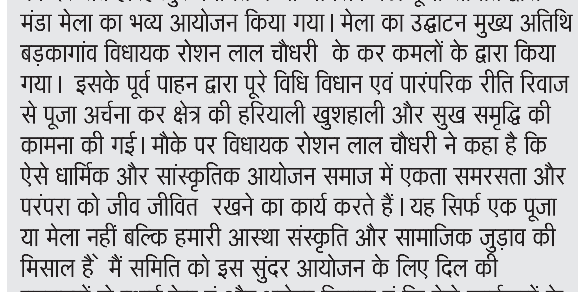

घाटो : झारखंड फेंसिंग एसोसिएशन का वार्षिक आमसभा रविवार को रामगढ़ जिले के होटल शिवम इन के सभागार में झारखंड फेंसिंग एसोसिएशन (जेएफए) के अध्यक्ष अर्चित आनंद की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस मौके पर मुख्य रुप से झारखंड फेंसिंग एसोसिएशन के महासचिव जय कुमार सिन्हा, कोषाध्यक्ष करमवीर उरांव, उपाध्यक्ष दिनेश कुमार, उपाध्यक्ष सह रामगढ़ जिला फेंसिंग एसोसिएशन के चेयरमैन विजय मेवाड़, कार्यकारी अध्यक्ष संजेश मोहन ठाकुर सहित रांची, रामगढ़, हजारीबाग, चतरा, गढवा, लोहरदगा, बोकारो, कोडरमा, गोड्डा, गुमला सहित 15 जिला संघ के अध्यक्ष सचिव सहित टक्निकल ऑफिशियल और खिलाड़ी मौजूद थें। इस मौके पर जिला संघ के पदाधिकारियों ने सभी का बुके देकर स्वागत किया। स्वागत भाषण जिला संघ के चेयरमैन विजय मेवाड़ ने किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में जेएफए के अध्यक्ष अर्चित आनंद ने वार्षिक आमसभा का उद्देश्य और खेल खिलाड़ी को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण बातें साझा की। इसके उपरांत जेएफए के महासचिव जय कुमार सिन्हा ने आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। जिसे उपस्थित पदाधिकारियों ने ध्वनिमत से पारित किया। उन्होंने इस मौके पर संघ के अध्यक्ष से सरकार की ओर से खेल और खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाओं को लेकर प्रपोजल रखने की अपील की। उन्होंने स्टेट और नेशनल प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर सभी जिला संघ के पदाधिकारियों से सलाह मांगी। फेंसिंग में झारखंड को पदक तालिका में आगे बढ़ाने को लेकर प्रशिक्षकों से राय मांगी। जिसमें प्रशिक्षकों ने अपनी राय साझा की। उन्होंने सभी जिला संघ को आर्थिक रुप से और इक्वीपमेंट से मजबूत

एक नजर

बकरी चोरी के आरोप में एक व्यक्ति की धुनाई

रांची : रांची के सुखदेव नगर इलाके में रविवार को बकरी चोरी करते हुये पकड़े जाने पर एक व्यक्ति की लोगों ने जमकर पिटाई कर दी, जबकि उसके अन्य साथी भीड़ का फायदा उठाकर मौके से भागने में कामयाब हो गए। गनीमत यह रही कि पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और चोर को भीड़ से छुड़ा कर थाने ले गई। नाराज लोगों ने मौके पर खड़ी चोरों की कार को निशाना बनाया और उसमें तोड़फोड़ की। सुखदेव नगर थाना प्रभारी ने बताया की चोरी कर जितनी भी बकरियां ले जायी जा रही थीं, सबको बरामद कर लिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे कानून अपने हाथ में न लें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

यातायात विभाग के निर्देशों पर बैठक कर रणनीति बनाएंगे ऑटो चालक

रांची : झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सह रांची जिला ई रिक्शा चालक यूनियन के अध्यक्ष दिनेश सोनी, रांची जिला ई रिक्शा चालक यूनियन के महासचिव मो अब्बास और रांची जिला ई-रिक्शा चालक यूनियन के कोषाध्यक्ष भोला सिंह ने रविवार को संयुक्त प्रदेश बयान जारी कर बताया है कि यातायात एसपी की ओर से जारी किए गए 10 एजेंडा पर जल्द बैठक कर रणनीति तय की जाएगी। उन्होंने बताया कि यातायात विभाग की ओर से जारी निर्देशों पर सभी यूनियन आठ जून को मोरहाबादी मैदान में बैठक कर रणनीति बनाएंगे। उल्लेखनीय है कि यातायात विभाग की ओर से जो एजेंडा जारी किया गया है उनमें रांची शहर में ऑटो चालक और ई- रिक्शा चालक परिचालन करने के समय पर वर्दी पहनकर ही परिचालन करने, सभी ऑटो चालक और ई रिक्शा चालको को आई कार्ड या नेम प्लेट परिचालन करने के समय पर लगाने, रांची में परिचालन करने वाले ऑटो चालक, ई रिक्शा चालक सीट से ज्यादा पैसेंजर नहीं बैठाने और ऑटो चालक, ई रिक्शा चालक नशा की हालत में ऑटो या ई रिक्शा की ओर से परिचालन नहीं करना सहित अन्य शमिल है।

क्षत्रिय समाज ने दिया आजसू नेता के खिलाफ कोतवाली में आवेदन

रांची : रविवार को झारखंड प्रदेश के राजधानी राँची स्थित कोतवाली थाना में समस्त क्षत्रिय संगठनों के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर आजसू पार्टी के नेता लोबिन चन्द्र महतो के खिलाफ आवेदन दिया। प्रतिनिधियों ने लोबिन महतो द्वारा क्षत्रिय समाज पर की गई अमर्यादित और अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में भारतीय संविधान के प्रावधानों के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर समाज के प्रतिनिधियों ने आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो से हस्तक्षेप की अपील करते हुए पार्टी से लोबिन महतो को बर्खास्त कर आजीवन निष्कासित करने की मांग रखी। ज्ञात हो कि लोबिन महतो की इस टिप्पणी को लेकर क्षत्रिय समाज में भारी गुस्सा और आक्रोश व्याप्त है। सभा में उपस्थित प्रतिनिधियों ने लोबिन महतो की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो समाज चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित थे : युवा नेता नंद किशोर सिंह चंदेल, प्रो. (डॉ.) धीरज सिंह सूर्यवंशी, महावीर सिंह, धर्मेंद्र सिंह, दिलीप सिंह, मनोज सिंह, रवि सिंह, विकास सिंह, कृष्णा सिंह, शशिकांत सिंह, सयत सिंह, रत्नेश सिंह, बिपिन सिंह, टी के मुखर्जी, बैधनाथ सिंह, दिवाकर शाहदेव, गणेश सिंह, नीतीश सिंह, मुकेश सिंह, तिमिर कुमार सिंह, अभिषेक सिंह, सिंधु सिंह, भोला सिंह, अभिजीत सिंह, सूरज सिंह, संजीव सिंह और बड़ी संख्या में क्षत्रिय समाज के अन्य प्रतिनिधि।

किसानों में जागरूकता से खत्म होगा बिचौलिया राज : मंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में एक बार फिर रविवार से बीज वितरण की शुरूआत हो गई है। कृषि निदेशालय प्रांगण में बीज दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किसानों के बीच बीज वितरण का शुभारंभ किया। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग ने खरीफ फसल के बीज वितरण का लक्ष्य 80 हजार क्विंटल रखा है। ये आंकड़ा पिछले दो वित्तीय वर्ष से दोगुना है। इस मौके पर कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों से किए गए वायदे के प्रति सजग है। यही वजह है कि बीज दिवस के दिन से ही राज्य भर में बीज वितरण की शुरूआत कर दी गई है। कमजोर राज्यों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए ज्यादा काम करना जरूरी है। झारखंड भी इसी रास्ते पर निरन्तर आगे बढ़ रहा है। अगर किसान विभाग की योजनाओं प्रति जागरूक होंगे , तो राज्य से बिचौलिये खत्म हो जाएंगे। ऐसा किसानों की जागरूकता और उनकी सूझ-बुझ से ही संभव है।

कृषि मंत्री ने कहा कि विभाग किसानों को 50 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक अनुदान पर बीज उपलब्ध करवा रहा है। लेकिन इसका लाभ लेने के लिए समय पर सही जानकारी और प्रक्रिया को अपनाना होगा। कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता विभाग जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक किसानों से योजनाओं का फीडबैक ले रही है , ताकि कमियों को समय रहते दूर किया जा सके। राज्य में छोटे बदलाव से विकसित झारखंड का निर्माण संभव है।

मंत्री ने कहा कि फसल के पटवन के लिए विभाग ने नदी पर बिरसा पक्का चेक डैम योजना की शुरूआत करने का निर्णय लिया है।विभाग किसानों के अनुरूप योजना को रूप देना चाहती है। किसान जागरूक बने और गांव के प्रत्येक व्यक्ति तक विभाग की योजनाओं की जानकारी साझा करें , ये जरूरी है। ऐसा करके झारखंड के किसान भी केरल और महाराष्ट्र की तरह खुद को कृषि के क्षेत्र में सफल साबित कर सकते है। उन्होंने कहा कि आज किसानों को आधुनिकता के दौर में विज्ञान और ज्ञान को अपनाना होगा। कृषि के क्षेत्र में उन्नत तकनीक से फसल की पैदावार में बढ़ोत्तरी तय है।

विभागीय सचिव अबू बकर सिद्दीकी ने किसानों को सचेत करते हुए कहा कि भूल से भी बीज खरीद के लिए अपना ओटीपी किसी दूसरे से साझा ना करें। एक भूल से आप खुद का नुकसान कर सकते है। बीज वितरण के लिए प्रखंड स्तर पर मॉनिटरिंग टीम का गठन किया गया है। इतना ही नहीं ब्लॉक चेन सिस्टम को भी विभाग ने विकसित किया है। इसका उद्देश्य किसानों को उनकी मांग के अनुरूप समय पर बीज उपलब्ध कराना है।

रांची में फ्लाइओवर सहित 2000 करोड़ का चल रहा सड़क निर्माण कार्य

रांची : राजधानी रांची में फ्लाइओवर, आरओबी, सड़कों का चौड़ीकरण-मजबूतीकरण के साथ राइडिंग क्वॉलिटी में सुधार को लेकर 2152.42 करोड़ का प्रोजेक्ट चल रहा है। इसमें अब तक 1168.56 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। कुल रांची के 23 प्रोजेक्ट में से एक का भी काम पूरा नहीं हो पाया है। इसमें सिरमटोली-मेकन फ्लाइओवर भी शामिल है। इस प्रोजेक्ट का 93 फीसदी काम पूरा हो चुका है। इसका प्रोजेक्ट कॉस्ट 337.50 करोड़ रुपए है। रांची रेलवे स्टेशन एप्रोच सड़क जिसकी लंबाई 2.57 किलोमीटर है। इसका प्रोजेक्ट कॉस्ट 72.31 करोड़ रुपए का है। इसका काम 90 फीसदी पूरा हो चुका है। बिरसा चौक-गोलचक्कर, धुर्वा सड़क जिसकी लंबाई 4.10 किलोमीटर है।

रांची में अड्डेबाजी के खिलाफ पुलिस ने चलाया अभियान, 50 से ज्यादा पकड़े गए

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में बेवजह अड्डेबाजी करने वालों की अब खैर नहीं है। रांची पुलिस ने ऐसे असमाजिक तत्वों और अड्डेबाजी करने वालों के खिलाफ सख्ती बरतना शुरू भी कर दिया है। सार्वजनिक स्थानों के साथ-साथ कई अन्य जगहों पर रात में अड्डेबाजी करने वाले लोगों के खिलाफ शनिवार की रात पुलिस ने अभियान चलाया और 50 से अधिक लोगों को पकड़ा। । यह अभियान डीआईजी सह रांची एसएसपी चन्दन कुमार सिन्हा के निर्देश पर चलाया गया।

दरअसल, चन्दन कुमार सिन्हा ने शनिवार की रात अड्डेबाजी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के उद्देश्य से एक मोबाइल नंबर साझा किया और आम लोगों से सूचना देने की अपील की। नंबर साझा करने के कुछ ही देर बाद उसका सकारात्मक असर दिखने लगा। रांची के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से आम लोगों के फोन आने लगे और बकायदा अड्डेबाजी की तस्वीर के साथ लोकेशन तक पुलिस के पास पहुंचने लगी।

आम लोगों की सूचना पर एक साथ शहर के हर थाना क्षेत्र में अड्डेबाजी करने वालों पर कारवाई शुरू की गई। इस दौरान मोरहाबादी मैदान, करमटोली चौक, बिरला मैदान, रिम्स के आस पास, डीआईजी मैदान, डोरंडा और लालपुर के लोअर वर्धमान कंपाउंड में एक साथ पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस की इस कार्रवाई से हर तरफ हड़कंप मच गया। पुलिस अभियान के दौरान 50 से ज्यादा लोगों को बेवजह मजमा लगाने के आरोप में पकड़ा गया।

पुलिस की इस कार्रवाई में कई ऐसे लोग भी पकड़े गए, जो बेवजह सड़कों पर खड़े होकर अपना समय बर्बाद कर रहे थे। कुछ स्थानों पर धूम्रपान करते हुए लोगों को भी पकड़ा गया। सभी को थाने लाया गया, हालांकि उन्हें चेतावनी देते हुए उनके परिजनों को मामले की जानकारी देकर वापस घर जाने दिया गया। जाते-जाते सभी को यह हिदायत दी गई कि भविष्य में अगर बेवजह अड्डेबाजी करते दिखे, तो सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डीआईजी सह एसएसपी चन्दन कुमार सिन्हा ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे मुखर होकर अड्डेबाजी करने वालों की जानकारी दें। आप सभी से आग्रह है कि आप सबको अगर किसी भी जगह पर अड्डेबाजी दिखती है या उसकी सूचना मिलती है, तो तुरंत हमें जानकारी दें, इस पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी. सूचना के लिए आप 89877 90664 नंबर पर कॉल या मैसेज कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी स्थान पर अड्डेबाजी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को अड्डेबाजी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया है।

जेपीएससी मुख्य परीक्षाफल में आरक्षण का उल्लंघन : देवेन्द्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जेपीएससी आयोग की ओर से 11 माह बाद लंबी संघर्ष के परिणामस्वरूप 20 मई को 11 वीं से 13 वीं सिविल सेवा परीक्षाफल प्रकाशन किया गया, परीक्षाफल प्रकाशन के बाद आयोग पर विवाद उत्पन्न हो गया है। जेएलकेएम केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो ने जेपीएससी पर परीक्षाफल में मनमानी करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि आयोग ने संविधान के आर्टिकल 15 और 16 में एसटी, एससी, ओबीसी में प्रावधान आरक्षण से छेड़छाड़ किया है। रविवार को उन्होंने प्रेस वार्ता आयोजित कर कहा कि जेपीएससी कार्यालय की ओर से जारी विज्ञापन संख्या 1/2024 में मुख्य परीक्षा परिणाम नियम 3 (ग) तथा झारखंड संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा नियम 2023 मुख्य परीक्षा नियम 19(ख) का उल्लंघन किया गया है।

महतो ने आयोग की ओर से नियमावली उल्लंघन के साक्ष्य होने का दावा करते हुए कहा कि मुख्य परीक्षा परिणाम नियम 3(ग) तथा झारखंड संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा नियम 2023 मुख्य परीक्षा नियम 19(ख) कहता है कि मुख्य परीक्षाफल से इंटरव्यू के लिए चयनित प्रथम सूची विज्ञापन में प्रावधान अनारक्षित कुल सीट का 2.5 गुना सूची तैयार किया जाएगा। साथ ही अंतिम अभ्यर्थी का प्राप्त अंक अनारक्षित श्रेणी का कट ऑफ मार्क्स होगा और कट ऑफ मार्क्स से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले किसी भी प्रकार का आरक्षण का लाभ नहीं लेने वाले आरक्षित श्रेणी के एसटी, एससी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, दिव्यांग सभी श्रेणी के आरक्षित अभ्यर्थी को शामिल किया जायेगा। इसके अलावा विज्ञापन में प्रावधान के अनुसार सभी आरक्षित श्रेणी का कोटिवार प्रावधान सीट के अनुसार उसी कैटेगरी से 2.5 गुना अभ्यर्थियों को चयनित कर इंटरव्यू लेने का प्रावधान है, लेकिन आयोग ने नियम का पालन नहीं किया और बिना कट ऑफ मार्क्स और मार्कशीट के मुख्य परीक्षाफल प्रकाशन कर इंटरव्यू के तिथि की घोषणा कर दी।

उन्होंने यह भी दावा किया है कि जिस दिन कट ऑफ मार्क्स जारी होगा उस दिन और भी गड़बड़ी सामने आएगी। उन्होंने मांग किया है कि सरकार और आयोग संज्ञान में लेते हुए तत्काल आरक्षण और नियमावली का पालन करते हुए कोटिवार परीक्षाफल जारी करते हुए कट ऑफ मार्क्स जारी करें। मांग नहीं सुनने पर देवेन्द्र नाथ महतो आंदोलन की चेतावनी देते हुए कहा कि अबुआ सरकार की आरक्षण और नियमावली से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगी।

भाजपा - कांग्रेस सरना धर्म कोड को लेकर घड़ियाली आंसू बहा रही है : नायक

रांची : विजय शंकर नायक ने भाजपा - कांग्रेस के द्वारा सरना धर्म कोड पर आदिवासी समाज को भ्रमित कर वोट की राजनिति करने पर अपनी प्रतिक्रिया मे कहा कि सरना धर्म कोड पर कांग्रेस और भाजपा सिर्फ पाखंड करने का कार्य कर रही है। सरना धर्म कोड के मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा की ढोंग भरी राजनीति की आदिवास मूलवासी जनाधिकार मंच कड़े शब्दों में निंदा करती हैं। दोनों दल आदिवासी समुदाय की धार्मिक पहचान को लेकर केवल वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। श्री नायक ने आगे कहा कि कांग्रेस ने 2014 में यूपीए सरकार के दौरान सरना धर्म कोड को खारिज कर आदिवासियों की धार्मिक पहचान को नजर अंदाज किया था।

सिरमटोली फ्लाईओवर विवाद : राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने रांची डीसी और निगम प्रशासक को भेजा समन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सिरमटोली-मेकन फ्लाईओवर के रैंप निर्माण को लेकर उपजे विवाद में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) ने एक्शनल लिया है। आयोग ने नगर विकास विभाग सह पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और रांची नगर निगम के प्रशासक संदीप सिंह को समन जारी किया है। आयोग ने इन अधिकारियों को 29 मई 2025 (गुरुवार) को दोपहर 2:00 बजे नई दिल्ली स्थित अपने कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

यह विवाद तब सामने आया जब केंद्रीय सरना समिति और चडरी सरना समिति की ओर से 4 मई को एनसीएसटी की सदस्य डा. आशा लकड़ा को शिकायत पत्र सौंपा गया। इसमें कहा गया कि फ्लाईओवर के रैंप निर्माण के कारण सिरमटोली स्थित केंद्रीय सरना स्थल के संरक्षण पर खतरा मंडरा रहा है। इस शिकायत पर एनसीएसटी ने राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी को 13 मई को श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया था। हालांकि, 12 मई को अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग विभाग के सचिव कृपानंद झा ने आयोग को सूचित किया कि अपरिहार्य कारणों से बैठक आयोजित नहीं हो सकेगी।

इसके बाद डा. आशा लकड़ा ने 13 मई को मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार में आदिवासी समाज के बुद्धिजीवियों और रांची जिले के आइटीडीए प्रोजेक्ट डायरेक्टर की उपस्थिति में बैठक की। इस दौरान बुद्धिजीवियों ने बताया कि फ्लाईओवर का डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) ई-टेंडर पोर्टल पर उपलब्ध नहीं है और इसे तैयार करने से पहले सरना स्थल की वर्तमान स्थिति का आकलन नहीं किया गया। राज्य सरकार ने 2020 में ही मेकन द्वारा तैयार डीपीआर में खामियों की बात स्वीकारी थी। बैठक में पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव और सविता कच्छप ने आरोप लगाया कि आदिवासी समाज के लोगों पर गलत आरोप लगाकर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सरना स्थल पर सरहुल और करमा जैसे पर्वों के दौरान बड़ी संख्या में लोग एकत्र होते हैं और यह आदिवासी समाज के लिए एक प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल है। लेकिन फ्लाईओवर रैंप निर्माण के कारण सरना स्थल तक पहुंचने का रास्ता संकीर्ण हो गया है, जिससे सांस्कृतिक गतिविधियाँ और सुरक्षा प्रभावित होंगी।

आदिवासी समाज के लोगों ने इस मुद्दे पर विरोध-प्रदर्शन, मानव श्रृंखला, धरना, पुतला दहन और काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया था। इसके बावजूद, राज्य सरकार ने आदिवासी समाज के लोगों को अपनी बात रखने का पर्याप्त मौका नहीं दिया।

बैठक के बाद डा. आशा लकड़ा ने पत्र के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को तीन दिनों के भीतर फ्लाईओवर और कनेक्टिंग फ्लाईओवर का डीपीआर, आदिवासी समाज के लोगों पर की गई प्राथमिकी की प्रतियां और अन्य आवश्यक दस्तावेज आयोग के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। साथ ही यह चेतावनी भी दी गई थी कि निर्धारित समयावधि में जवाब नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारियों को आयोग के समक्ष 29 मई 2025 (गुरुवार) को दोपहर 2:00 बजे उपस्थित होने का समन जारी किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में प्री मानसून की बारिश से राहत

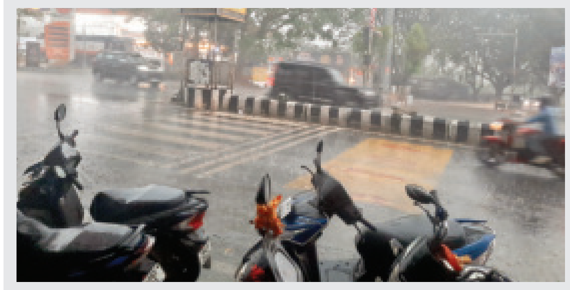

रांची : राज्य भर में प्री मानसून की बारिश से लोगों को झुलसती गर्मी से राहत मिली है। बारिश का मौसम आते ही अब लोगों को गर्मी की चिंता खत्म हुई। मौसम विभाग ने 30 मई तक राज्य के अलग- अलग इलाकों में गर्जन, आकाशीय बिजली गिरने और 40-50 किमी की रफ्तार से तेज हवा चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे। दोपहर में मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई। इससे मौसम सुहावना रहा। इधर, पिछले 24 घंटे के दौरान राजधानी रांची में 11 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई, जबकि राज्य में सबसे अधिक बारिश पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा में 64.4 मिमी दर्ज की गई। राज्य में सबसे अधिक तापमान डालटेनगंज में 37.3 डिग्री, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.1 डिग्री लातेहार जिले रिकॉर्ड किया गया। रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 30.9 डिग्री, जमशेदपुर में 34.0, डालटेनगंज में 35.2, बोकारो में 34.5 और चाईबासा में 33.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

रांची के श्याम भक्त मुन्ना ने खाटू धाम के लिए शुरू की निशान पद यात्रा

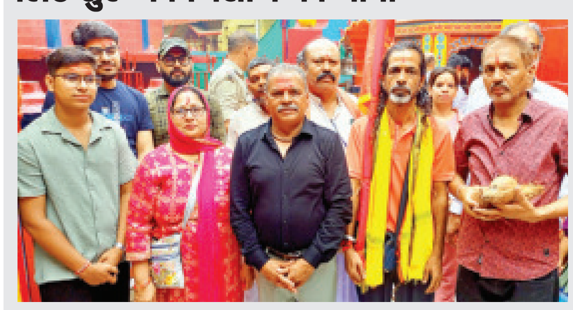

रांची : राजरप्पा के शक्ति पीठ मां छिन्नमस्तिका मंदिर से श्री श्याम निशान का विधिवत पूजन और आरती के बाद रविवार को जय श्री श्याम के जयकारा के साथ श्याम भक्त मुन्ना शर्मा ने निशान उठाया। उनके साथ काफी संख्या में रांची से श्याम भक्त मौजूद थे। सबसे पहले निशान के साथ सभी लोग मंदिर गर्भगृह में जाकर माता के पूजन, दर्शन किये और निशान की आरती की गई। उल्लेखनीय है कि खाटू श्याम के लिए यह 14 वीं निशान पद यात्रा है। रजरप्पा से चलकर 30 किलोमीटर की यात्रा तय कर निशान पद यात्रा रामगढ़ पहुंचेगी। यहां श्री श्याम भगवान के मंदिर में निशान का स्वागत और पूजन किया जाएगा। इस अवसर पर माता के मंदिर के पंडा ने श्याम भक्त मुन्ना शर्मा को अंग वस्त्र देकर स्वागत किया। यह श्री श्याम निशान पद यात्रा रजरप्पा से रामगढ़ , हजारीबाग, बरही, चौपारण, शेरघाटी औरंगाबाद, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, बनारस, इलाहाबाद होते हुए 1550 किलोमीटर की यात्रा तय कर खाटू के श्री श्याम मंदिर 35 दिनों में पहुंचेगी। लगभग प्रतिदिन 40 किमी की यात्रा के बाद रात्रि विश्राम होगा। मुन्ना की झारखंड के रजरप्पा धाम से श्याम निशान लेकर 14 वीं श्री श्याम निशान पद यात्रा होगी। इस यात्रा को सजाने में कई श्याम प्रेमियों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। इस यात्रा में नटवर शिखवाल, धर्मपत्नी , जगदीश, रामजी, तिवारी सहित काफी संख्या में श्याम भक्त रजरप्पा से रामगढ़ पहुंचेंगे।

झारखंड में भी कोरोना की दस्तक, फिल्म मेकर लाल विजय शाहदेव संक्रमित

रांची : झारखंड में भी फिर कोरोना वायरस ने दस्तक दी है। झॉलीवुड और बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुके फिल्म निमार्ता लाल विजय शाहदेव कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। रविवार को लाल विजय शाहदेव ने फेसबुक पोस्ट के जरिए बताया कि वे कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने लिखा कि भारत में अब तक 257 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं और अब वे भी उनमें शामिल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि 22 मई को जब वे मुंबई से रांची लौट रहे थे, तभी फ्लाइट में उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वे बेहोश हो गए। इसके बाद जब जांच कराई गई तो रिपोर्ट में कोरोना पॉजिटिव पाए गए। लाल विजय शाहदेव ने बताया कि झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के सदस्य होने के नाते उन्हें कुछ फिल्मों का प्रिव्यू करना था, लेकिन बीमार पड़ने की वजह से वे यह काम नहीं कर सके। फिलहाल वे रांची के एक अस्पताल में भर्ती हैं और इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि अब वे पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने अपील की कि जो भी लोग हाल के दिनों में उनके संपर्क में आए हैं और जिनमें सर्दी, खांसी, बुखार या सिरदर्द जैसे लक्षण हैं, वे तुरंत अपनी जांच करवाएं।

फर्नीचर दुकान में लगी आग, लाखों का हुआ नुकसान

रांची : रांची में सदर थाना क्षेत्र के इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक फर्नीचर की दुकान में रविवार को अचानक आग लग गई, जिसकी वजह से लाखों का नुकसान हो गया। इस अगलगी में दुकान में रखे हुए फर्नीचर के लगभग सभी स्टॉक जल कर राख हो गए। आग किन वजह से लगी इसका पता लगाया जा रहा है, हालांकि आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी है। दरअसल, रविवार होने की वजह से दुकान पूरी तरह बंद थी। आसपास कुछ लोग अपने-अपने कामों में लगे थे तभी अचानक दुकान से धुआं निकलने लगा, थोड़ी ही देर में आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं, तब जाकर लोगों को पता चला कि दुकान में आग लगी है। आसपास के लोग जब तक कुछ समझ पाते तब तक आग चारों तरफ फैल गई, आग की लपटें पूरे दुकान को अपनी टपेट में ले चुकी थीं। आग लगने की सूचना पर सदर थाने की टीम सबसे पहले मौके पर पहुंची, उसके बाद दमकल के कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गईं। खबर लिखे जाने तक आग पर काबू पाने लिए दमकलकर्मी मशक्कत कर रहे थे। हालांकि, इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार ने बताया कि आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। अगलगी में किसी के हताहत की सूचना नहीं है।

एक नजर

टेम्पो और बाइक की टक्कर, पिता की मौत

बोकारो : बोकारो के घटियाली एवं मोहनपुर गांव के बीच सड़क पर हुई दुर्घटना मे पिता महावीर मांझी की मौत हो गई जबकि पुत्र रामधन मांझी घायल हो गए.घटना जिले के पिंडराजोरा थाना क्षेत्र के घटियाली गांव की है, जहाँ मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है जबकि पुत्र रामधन मांझी को गंभीर अवस्था मे एक निजी अस्पताल मे भर्ती कराया गया है.ग्रामीणों के मुताबिक वे शादी मे भाग लेने अपनी बहन के घर बाइक से जा रहे थे, तभी अनियंत्रित टेम्पो ने जोरदार टककर मार दिया. जिससे पिता पुत्र घटनास्थल पर ही गिर पड़े जबकि वाहन चालक वाहन समेत भागने मे सफल हो गए. ग्रामीणों के मुताबिक पुलिस ने वाहन का शिनाख्त कर लिया है. वैसे पुलिस ने कुछ भी बताने से मना कर दिया है।

अवैध बालू लदे हाइवा को खनन विभाग की टीम ने खदेड़ा

खूंटी : जिला खनन पदाधिकारी रामनरेश सिंह और खान निरीक्षक और पुलिस टीम ने शनिवार की रात अवैध बालू लदे हाइवा को जमकर खदेड़ा। डर कर हाइवा चालक बालू लदे हाइवा को नगड़ी थाना क्षेत्र के एक जंगल में खड़ाकर फरार हो गया। हाइवा को जब्त कर नगड़ी थाने को सुपुर्द कर दिया गया है। इस संबंध में जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि शनिवार कों देर रात डीएमओ, खान निरीक्षक एवं पुलिस बल के साथ संयुक्त रूप से अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध औचक जांच अभियान कर्रा-रांची रोड में चलाया गया। इसी क्रम में कर्रा की और से हाइवा (जेएच 01 एफ 7104)को जांच के लिए रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन हाइवा चालक तेज गति से भागते हुए खूंटी जिले की सीमा से बाहर नगड़ी पुलिस स्टेशन की सीमा मे ले गया और जंगल में हाइवा रोक कर भाग गया। उक्त हाइवा को नगड़ी थाना की पुलिस को सौंप दिया गया। बताया गया कि मामला रात लगभग दो बजे का है।

विस्थापितों को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष तेज होगा : विस्थापित संघर्ष समिति

गोमिया : विस्थापित संघर्ष समिति, टीटीपीएस-ललपनिया की एक अहम बैठक डुमरी बिहार में समिति के नेता लखन महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बड़ी संख्या में वे लोग शामिल हुए, जो डुमरी बिहार से टीटीपीएस-ललपनिया तक रेल पथ निर्माण के दौरान विस्थापित हुए थे। समिति के सचिव श्याम सुंदर महतो ने अब तक हुए संघर्षों और कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। सीटू के प्रदेश उपाध्यक्ष रामचंद्र ठाकुर ने कहा कि वर्तमान में जब सरकार रोजगार के अवसरों को खत्म कर रही है और ठेका मजदूरों की बहाली हो रही है, तब विस्थापितों को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष ही एकमात्र रास्ता है। उन्होंने कहा कि विस्थापित संघर्ष समिति बीते तीन दशकों से संघर्ष की मिसाल कायम कर रही है। सीटू के जिला सचिव प्रदीप कुमार विश्वास ने कहा कि तीन दशक बीत जाने के बाद भी विस्थापितों को नियोजन और सुविधाओं से वंचित रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। अब मजदूरों, किसानों और विस्थापितों को मिलकर संयुक्त आंदोलन करना होगा। राज्य कमेटी सदस्य राकेश कुमार ने कहा कि चरणबद्ध आंदोलन की कार्य योजना तैयार की जाए और यदि जरूरत पड़ी तो गोमिया के विस्थापितों और युवाओं को भी इस संघर्ष में जोड़ा जाएगा। बैठक को किसान नेता विनय महतो, पूरन मांझी, भीम महतो, राजेंद्र प्रजापति और फूलचंद हेंब्रम सहित कई नेताओं ने संबोधित किया।

ऑपरेशन सिन्दूर सेना के शौर्य और देश के सामर्थ्य का प्रतीक : कुमार अमित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भारतीय सेना और ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में भाजपा कार्यकताओं ने रविवार को सेक्टर 3 में हाथ में तिरंगा लेकर सामूहिक रूप से प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के उपरांत स्थानीय स्तर पर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। यह तिरंगा यात्रा महिला कॉलेज के पास से प्रारम्भ होकर सिटी पार्क, छपरा मोड़ होते हुए कृष्णा मोड़ तक गयी। कार्यक्रम के भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार भी बतौर मुख्य अतिथि इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम जहां देश की जनता की भावना का प्रकटीकरण है वहीं ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना के शौर्य एवं राष्ट्र के सामर्थ्य का प्रतीक है। ऑपरेशन सिंदूर से एक बार पुनः पाकिस्तान के साथ साथ वैश्विक जगत में भारतीय सेना के पराक्रम का परचम लहराया है वहीं दूसरी ओर देश के उन्नत युद्ध शैली एवं नवीनतम सामरिक तकनीक का भी दुनिया ने भारत का लोहा माना। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पुरे देश ने भारतीय सेना के समर्थन में एकजुट रहा। सीमा पार से चलाए जा रहे पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को समाप्त करने के लिए भारतीय सेना के द्वारा लॉन्च किए गए ऑपरेशन सिंदूर की कहर से पाकिस्तान आज विश्व समुदाय के समक्ष कराह रहा है। कुमार अमित ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के लिए बोकारो वासी भी तिरंगा यात्रा के माध्यम से अपने देश की सेना और सरकार के प्रति अपना समर्थन देकर आभार प्रकट कर रहे हैं। इस दौरान बतौर वशिष्ठ अतिथि श्री अतुल सिंह, पार्टी के बोकारो नगर उपाध्यक्ष कुमार राहुल, भाजयुमो नगर महामंत्री लालबाबू, राजीव सिंह, शक्ति केन्द्र सह संयोजक चंद्रप्रकाश, बाबा क्लब के कुन्दन सिंह, राहुल कुमार, अमरजीत कुमार, निर्भय प्रजापति, पियूष पल्लव, सहित सैकड़ों युवा शामिल हुए।

रोटरी क्लब ऑफ बोकारो ने लगाया कैंसर टीकाकरण शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : नारी स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए रोटरी क्लब ऑफ बोकारो ने आशा की किरण प्लेस्कूल, उलगोड़ा में चौथे सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में कुल 111 किशोरी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन की पहली डोज दी गई। अध्यक्ष महेश कुमार गुप्ता ने बताया यह शिविर केवल वैक्सीनेशन तक सीमित नहीं है, बल्कि एक दीर्घकालिक सोच का हिस्सा है, जिसके माध्यम से समाज की बेटियों को एक स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य देने की दिशा में काम किया जा रहा है।शिविर के संचालन में रोटेरियन डॉ. एससी मुंशी के नेतृत्व में चिकित्सा टीम ने निष्ठा और दक्षता का परिचय दिया। वहीं प्रदीप नारायण ने शिविर प्रमुख की भूमिका को पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाया और पूरी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखा। इस आयोजन में अशोक तनेजा और अशोक केडिया ने वैक्सीनेशन स्थल पर आने वाली बालिकाओं और अभिभावकों को जानकारी देने व पंजीकरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाने में सहयोग दिया। वहीं पीए जकारिया व शाइनी जकारिया ने चिकित्सा प्रक्रिया के दौरान मानवीय संवेदना और सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रोटेरियन अमृत महतो और रोटेरियन अभय गिरी ने शिविर के प्रचार-प्रसार और समन्वय में सक्रिय सहभागिता निभाई।

मालती लग्जुरिया सिटी में कुत्तों को लेकर दो गुटों में टकराव, मामला थाने पहुंचा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : गुरूवार को सेक्टर-6 के नजदीक मालती लग्जुरिया सिटी आवासीय सोसाइटी में आवारा कुत्तों को लेकर दो गुटों के बीच गंभीर विवाद हो गया। एक ओर लगभग सोसाइटी के सभी निवासी थे जो लंबे समय से आवारा कुत्तों की समस्या से परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर सिर्फ दो परिवार इन कुत्तों की देखरेख और संरक्षण का कार्य कर रहे हैं। बुधवार सुबह कुत्तों के विरोधी समूह ने गिरिडीह से एक डॉग कैचर वैन बुलवाया। प्रशिक्षित कर्मियों द्वारा जब आवारा कुत्तों को पकड़ने का कार्य शुरू किया गया, तो कुत्तों के संरक्षक ग्रुप के लोग मौके पर पहुंचकर इसका विरोध करने लगे। एफ ब्लॉक निवासी श्रीमती भारती सिंह वैन के आगे खड़ी होकर उसे रोकने लगी और उनकी पुत्री नेहा ने वैन की चाबी निकालने की कोशिश की। इस पर सभी निवासी ने आपत्ति जताई, जिससे दोनों पक्षों में हाथापाई हो गई । कुत्ते के संरक्षक कुछ बाहरी लोगों को लेकर आ गए और मारपीट करने लगे, जिसके बाद सभी सोसाइटी के निवासियों ने कड़ा विरोध करते हुए उन बाहरी व्यक्तियों और कुत्ते समर्थक दो परिवार को खदेड़ दिया। घटना में नेहा के पति के शामिल होते ही तनाव और बढ़ गया उसने सोसाइटी में घुसते ही मारपीट शुरू कर दिया जिसमें उन्हें चोटें आईं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कुछ निवासियों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सेक्टर-6 थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात को नियंत्रण में किया। सभी को समझाकर शांति बनाए रखने की अपील की गई। दोपहर में कुत्तों के विरोधी पक्ष के कुछ प्रतिनिधि उपायुक्त महोदया से मिले। सकारात्मक आश्वासन के बाद डॉग कैचर वैन पुनः सोसाइटी पहुंची और कुल 9 कुत्तों को पकड़कर ले जाया गया।

दामोदर बचाओ आंदोलन के बैनर तले देवनद दामोदर महोत्सव पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : गंगा दशहरा के पावन अवसर पर दामोदर बचाओ आंदोलन के बैनर तले परिषदन भवन, बोकारो में देवनद दामोदर महोत्सव को लेकर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आंदोलन के प्रणेता एवं जमशेदपुर पश्चिम के विधायक मा. सरयू राय ने की। राय ने बताया कि वर्ष 2004 से नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने के उद्देश्य से देवनद दामोदर महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत लोहरदगा जिले के चल्हापानी स्थित दामोदर नदी के उद्गम स्थल से लेकर धनबाद के पचेत डैम तक कुल 43 स्थानों पर नदी पूजन एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों में लोगों को नदियों को स्वच्छ रखने की शपथ भी दिलाई जाती है। राय ने बताया कि बोकारो जिला दामोदर नदी के प्रवाह क्षेत्र का सबसे बड़ा हिस्सा है और यहां कुल 25 केंद्र अभियान के अंतर्गत आते हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि इस वर्ष मा. राज्यपाल महोदय को तेलमचो केंद्र के कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है और उनकी सहमति मिलने की संभावना है। इस अवसर पर राय ने चंद्रपुरा थर्मल पावर प्लांट का भी निरीक्षण किया और उसके एश पाउंड से संबंधित विषयों पर सुझाव दिए, जिससे दामोदर नदी को प्रदूषण से मुक्त रखा जा सके। कार्यक्रम के दौरान आयोजित पत्रकार सम्मेलन में आंदोलन से जुड़े कई प्रमुख लोग उपस्थित थे, जिनमें प्रमुख रूप से प्रवीण कुमार सिंह, सुरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, श्रवण कुमार सिंह, शिव कुमार श्रीवास्तव, ललित कुमार सिन्हा, कौशल कुमार राय, सुनील सिंह, अभय कुमार मुन्ना, सुबोध सिंह, पंकज राय, करमचंद गोप आदि शामिल थे।

समाज को आगे बढ़ाने में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण : सुदीप गुड़िया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूटी : तोरपा के झामुमो विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि राज्य की महिलाएं काफी सक्षम हो गई हैं। समाज को आगे बढ़ाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। महिलाएं अब इतना विकास कर चुकी हैं कि वे राज्य भी चलाने लगी हैं, इसका उदाहरण कल्पना सोरेन हैं। विधायक रविवार को रनिया प्रखंड की पीडुल पल्ली में तोरपा विखारियट कैथलिक महिला संघ की 27वीं वार्षिक आमसभा को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर विधायक का जोरदार स्वागत किया गया। अपने संबोधन में उपस्थित माता-बहनों को शुभकामना देते हुए कहा कि हमारे समाज एवं कलीसिया को आगे बढ़ाने में आप सभी का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि आप अपने बच्चों को शिक्षा के साथ- साथ अच्छे संस्कार प्रदान करें। उन्होंने कहा कि मैं आपलोग की हर प्रकार की समस्या का समाधान करने के लिए प्रयासरत हूं। कार्यक्रम में फादर बिशु बेंजामिन आइंद, पीडुल पल्ली पुरोहित फादर क्रिस्टोफर जोजो, फादर हीरालाल हुन्नीपूर्ति, फादर अजीत केरकेट्टा, फादर जेम्स धान, उसुर्ला आइंद, अग्नेसिया आइंद, उसुर्ला केरकेट्टा आदि उपस्थित थे।

गुजरात में छत से गिरकर जान गंवाने वाले प्रवासी मजदूर का शव घर पहुंचा, पत्नी को नहीं मिला मुआवजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : गुजरात के सूरत में छत से गिरकर जान गंवाने वाले प्रवासी मजदूर रेशका हेंब्रम का शव आज गोमिया के राजडेरवा गांव पहुंच गया। शव पहुंचने के बाद पत्नी सोली मुनी देवी के साथ- साथ रिश्तेदारों व ग्रामीणों की चीख पुकार व आंखों से बहते अविरल आंसू ने तीन दिनों से मातम डूबे गांव को एक बार फिर से झकझोर कर रख दिया। सबसे बड़ी बात है कि मृतक की पत्नी को न कंपनी की ओर से कोई मुआवजा राशि मिली और न सरकार के संबंधित विभाग का कोई कर्मचारी ही सुध लेने पहुंचा। पत्नी को मिला तो सिर्फ मृत पति का शव और हुए मौत से पूर्व कंपनी में काम कर कमाए गए मजदूरी का बकाया 12 हजार रुपए, हां संबंधित कंपनी ने अंतिम संस्कार के लिए 70 हजार रुपए देने का आश्वासन भी जरूर दिया है, जो मिलेगा या नहीं यह अभी भविष्य के गर्भ में है। तो ऐसे में सवाल उठता है क्या परिवार के भरण पोषण के लिए दूर देश कमाने जाने वाले एक प्रवासी मजदूर के जान की कीमत कंपनी द्वारा 70 हजार रुपए देने का आश्वासन है? ये कैसी व्यवस्था और पीड़ित परिवार के साथ कैसा न्याय? आखिर इसका दोषी कौन है? आखिर जवाबदेह लोग इसपर मंथन क्यूं नहीं करते, अगर विषय को गंभीरता से समझा जाए तो इस व्यवस्था के दोषी खुद विभाग है साथ ही साथ कहीं न कहीं प्रवासी मजदूर खुद हैं। सरकार प्रवासी मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए कई नियम बनाएं हैं लेकिन उन नियमों के अनुपालन के लिए जागरूकता की कमी है। मजदूर जानकारी के अभाव में पालन ही नहीं कर पाते। क्योंकि संबंधित विभाग के कर्मचारी ऐसे सुदूर क्षेत्रों में जाकर प्रचार-प्रसार करते ही नहीं, कारणवश जान गंवाने वाले एक मजदूर के जान कीमत संबंधित कंपनी मात्र 70 हजार रुपए लगती है वह भी आश्वासन में, मिलेगा की नहीं उसकी भी कोई गारंटी नहीं। ऐसे में इस पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा कैसे मिले इसकी जिम्मेवारी किसकी, कहीं न कहीं सरकार के संबंधित विभाग के स्थानीय कर्मचारियों को लेनी होगी और धरातल पर उतरकर ऐसे बिचौलियों और गिद्ध कंपनियों की पहचान कर कारवाई करनी होगी। कहा जाए तो गोमिया में विभागीय कर्मचारी पूरी तरह शिथिल हैं,धरातल से कोई लेना नहीं है, सिर्फ और सिर्फ उनका काम घर व ऑफिस में बैठकर कुर्सियां तोड़ना रह गया है। अगर आज की घटना से सीख लेकर विभागीय कर्मचारी धरातल में उतरकर सरकार के नियमों की जानकारी मजदूरों तक पहुंचाएं और बिचौलियों और गिद्ध कंपनियों की पहचान कर कारवाई शुरू करें तो न कोई मजदूर किसी बिचौलिए के भ्रम में फंसेंगे और न गिद्ध कंपनियों के जाल में। अगर जल्द से जल्द ऐसा नहीं किया गया तो जिस तरह से संबंधित कंपनी ने आज बिना मुआवजा के रेशका हेंब्रम का शव घर पहुंचा दिया है आने वाले समय में इसकी पुनरावृत्ति होनी तय है।

संक्षिप्त खबरें

लोकमाता रानी अहिल्याबाई होलकर कर्तव्य सादगी, धर्म के प्रति समर्पण : राकेश प्रसाद

बोकारो : भाजपा बोकारो द्वारा आज रविवार को रानी अहिल्याबाई होल्कर 300 जयंती पर संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद , गिरिडीह के पूर्व सांसद रविंद्र पाण्डेय,भाजपा जिलाध्यक्ष जयदेव राय,जिला महामंत्री सह कार्यक्रम संयोजक संजय त्यागी,भाजपा महिला मोर्चा के प्रदेश मंत्री अर्चना सिंह भाजपा जिला उपाध्यक्ष धीरज झा,महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष गिरजा देवी,अनिल स्वर्णकार,कृष्ण कुमार मुन्ना ,लक्ष्मण नायक व डॉ रतन केजरीवाल ने रानी अहिल्याबाई होल्कर की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किए। संगोष्ठी में उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने कहा ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले सामान्य परिवार की बालिका से एक असाधारण शासनकर्ता तक की उनकी जीवनयात्रा आज भी प्रेरणा का महान स्रोत है। वे कर्तव्य, सादगी, धर्म के प्रति समर्पण, प्रशासनिक कुशलता, दूरदृष्टि एवं उज्ज्वल चारित्र का अद्वितीय आदर्श अहिल्यादेवी होलकर की सोच थी, कि न्याय वह नींव है जिस पर एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है। प्रजा उन्हें मातोश्री कहकर संबोधित भी करते थे। वह एक माता के रूप में प्रजा के लिए संपूर्ण जीवन देने का काम किया। सादगी की संयम और गहन भक्ति यही उनकी पहचान थी। उनका मानना था कि जनता की सेवा केवल आदेशों से नहीं बल्कि धरातल पर काम करके की जाती है। उनके शासनकाल में इंदौर के विकास ने न केवल मालवा में बल्कि संपूर्ण भारत में जन केंद्रित नगरीय प्रशासन का आदर्श प्रस्तुत किया। पूर्व सांसद रविंद्र पाण्डेय ने कहा कि महारानी ने जिस तरह से धर्मार्थ के कार्य किए, वह आज भी एक अप्रतिम उदाहरण है कार्यकताओं काआह्वान करते हुए कहा कि वे अहिल्याबाई की जीवनी को आत्मसात करें, जिससे गर्व की अनुभूति होगी। राकेश प्रसाद,रविन्द्र पांडेय,अर्चना सिंह,संजय त्यागी,धीरज झा,अनिल स्वर्णकार,लक्ष्मण नायक,गौर रजवार,रामलाल सोरेन,कृष्ण कुमार मुन्ना, शंकर रजक, डॉ रतन केजरीवाल, जयप्रकाश तापड़िया,शांतिलाल जैन,संजय सिन्हा, पन्नालाल कांदु,विक्की राय,अमर स्वर्णकार,हरिपद गोप,अनिल सिंह, मेघन महतो,चंद्र प्रकाश सिंह,विनय किशोर,कुलदीप चौधरी, ईश्वर प्रजापति, ईश्वर महतो, रघुनाथ टूटू,अरविंद राय,राजेश घोषाल, झंटू दे,संजय सिंह धर्मेंद्र माहथा,प्रकाश प्रामाणिक , बुद्धेश्वर घोषाल नीरज कुमार,विकाश महथा,कृष्ण महतो,विकाश अग्रवाल,पंकज सिंह,रंजीत बरनवाल, डॉ परिंदा सिंह,एंजेला सिंह, डॉ दीपक दस स्वर्णकार दिनेश गुप्ता,मिथलेश शरण, अमरदीप झा, राजकुमार केशरी,कारू कान्दु करमचंद गोप, धर्मेंद्र बाउरीत्रिपुरारी नाथ तिवारी विनय कुमार,मनोज बाबा,संजय दास,सिंटू सिंह शामिल रहे।

बोकारो में झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन की हुई बैठक

बोकारो : झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन जिला कमेटी की बोकारो में बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्रीय कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष रवि मुखर्जी ने भाग लिया और 1 जून को रांची में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम में मुख्य चार बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी, जिनमें एरिया संबंधित मामला, 365 दिन ड्यूटी, पीएफ और रिटायरमेंट और बॉन्ड समाप्ति शामिल हैं। केंद्रीय कमेटी के द्वारा रखी गई इन मांगों को लेकर सभी जिला के प्रतिनिधि और जवान रांची में एकत्रित होंगे। बैठक में जिला सचिव राजेश कुमार सिंह, कमेटी सलाहकार पुरस्कार पांडे, कमेटी के संरक्षक संजय कुमार और अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया। जिला अध्यक्ष ने सभी से आग्रह किया कि वे 1 जून को रांची में होने वाले कार्यक्रम में भाग लें और अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाएं। जिला कमेटी के पदाधिकारियों ने सभी होमगार्ड जवानों से आह्वान किया है कि वे 1 जून को रांची में एकत्रित हों और अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाएं। इससे समान काम समान वेतन और अन्य समस्याओं का समाधान हो सकेगा। इस कार्यक्रम में जिला के सभी प्रतिनिधि उपस्थित हुए जैसे इस प्रकार है जिला सचिव राजेश कुमार सिंह, कमेटी सलाहकार पुरस्कार पांडे ,कमेटी के संरक्षक संजय कुमार, उपाध्यक्ष उमेश कुमार पांडे, अजय कुमार, कार्यालय सचिव मुकेश कुमार सिंह, संगठन सचिव मुख्तार अहमद, प्रवक्ता रवि कुमार ,कार्यकारणी अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार, उप सचिव ध्रुव कुमार जयप्रकाश यादव तथा जिला कमेटी के सारे पदाधिकारी दीपक कुमार झा सूरज कुमार आशुतोष कुमार रामानंद प्रसाद सिंह विजय कुमार सिंह मनोज सिंह गौरव कुमार प्रमोद कुमार पाल बृजेश राय मुन्ना कुमार सिंह कुमार हेमंत दीपक कुमार तथा सभी पदाधिकारी शामिल हुए ।

खिलाड़ियों को ड्रिबल, पासिंग व शूटिंग की तकनीक से कराया गया परिचित

बोकारो : एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ में युवा खिलाड़ियों के लिए बास्केटबाल प्रशिक्षण शिविर लगाया गया है। प्रधानाध्यापक फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि खेलकूद खिलाड़ियों को जीवन में आगे बढ़ने की सीख देता है। साथ ही मन में जीत का जज्बा जागृत करता है। इससे खिलाड़ियों में टीम भावना व नेतृत्व क्षमता विकसित होती है। खिलाड़ियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। कहा कि खेलकूद विद्यार्थियों के तन व मन को स्वस्थ रखने में सहायक है। इसलिए ग्रीष्मावकाश में विद्यार्थियों के लिए विविध गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इन्हें खेलकूद के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संदेश दिया जा रहा है। प्रशिक्षकों की देखरेख में खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। पूर्व अंतरराष्ट्रीय बास्केटबाल खिलाड़ी अनूप मिंज व संजीव सिंह ने खिलाड़ियों को पासिंग, ड्रिबल, शूटिंग आदि की तकनीक से परिचित कराया। उन्होंने खिलाड़ियों को बास्केटबाल प्रतियोगिता में अंक अर्जित करने के विषय में भी जानकारी प्रदान की। शारीरिक शिक्षा शिक्षक व बीएफआई रेफरी सौरभ कुमार ने खिलाड़ियों को नए नियम की जानकारी दी। साथ ही आक्रमक व रक्षात्मक शैली में प्रदर्शनी के विषय में विस्तृत रुप से जानकारी प्रदान की। विद्यार्थियों ने बास्केटबाल के अलावा जूडो व फुटबाल में अपने कौशल का प्रदर्शन किया। मौके पर शारीरिक शिक्षा शिक्षक राजेश्वर सिंह,राजीव सिंह, मीनाक्षी कुमारी, मोहसिन, वंदना आदि उपस्थित थे।

एक नजर

खलारी की पूर्व प्रमुख रेणु देवी का देहांत क्षेत्र में शोक की लहर

खलारी : खलारी प्रखंड की प्रथम प्रमुख और वर्तमान पंचायत समिति सदस्य रेणु देवी का रविवार सुबह 9 :30 बजे निधन हो गया। बताया जा रहा है कि वह विगत छह माह से बीमार थीं। पैरालिसिस के चपेट में आने के बाद वह बिल्कुल ही अस्वस्थ हो गई थी। उनके पति लालचंद लोहरा सीसीएल एनके एरिया की रोहिणी परियोजना में सीनियर फिटर के पद पर कार्यरत थे। उनके पैतृक गांव चामा के बाला नदी में अंतिम संस्कार किया गया। रेणु देवी के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। वे सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय थीं और अपनी सादगी तथा जनसेवा के लिए जानी जाती थीं। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

घरेलू नौकर निकला शातिर चोर, गिरफ्तार

खूंटी : आईसीआईसीआई बैंक के एक अधिकारी के घर पर घरेलू नौकर के रूप में काम कर रहा मनीष कुमार राय धीरे-धीरे घर में रखे कीमती जेवरातों की चोरी करता रहा और उन्हें खूंटी शहर के मां लक्ष्मी ज्वेलर्स में बेचता रहा। यह चोरी की वारदात तो मई को हुई थी, लेकिन बैंक अधिकारी को इसकी भनक 20 दिन बाद 23 मई को लगी। इसके बाद उन्होंने खूंटी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्परता से कार्रवाई की और आरोपित मनीष कुमार राय को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपित ने चोरी की बात कबूल की, जिसके आधार पर पुलिस ने चोरी गए सामान में से कुछ बरामद किया है। इसमें सोने के कान के टॉप्स का कैप, सोना-चांदी रखने का डब्बा, एक थैला और ज्वेलर्स की दुकान से जुड़ा बिल शामिल है। खूंटी थाने में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में एसडीपीओ वरुण रजक ने बताया कि मनीष कुमार राय मूल रूप से अड़की थाना क्षेत्र के सेरेंगहातु गांव का निवासी है और वर्तमान में खूंटी के बड़ाईकटोली में किराए के मकान में रह रहा था। बैंक अधिकारी के घर में वह झाडू-पोछा, बर्तन मांजने जैसे घरेलू कार्य करता था और उस पर पूरा विश्वास किया जाता था। लेकिन इसी विश्वास का फायदा उठाकर उसने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। एसडीपीओ ने यह भी बताया कि कांड का अनुसंधान जारी रखते हुए मां लक्ष्मी ज्वेलर्स, खूंटी के मालिक की तलाश की जा रही है, जिन्होंने चोरी का माल खरीदा। पुलिस को शक है कि मनीष एक शातिर चोर है और उससे पूछताछ में अन्य चोरियों का भी खुलासा हो सकता है। इस मामले के खुलासे और आरोपित की गिरफ्तारी में एसडीपीओ वरुण रजक, थाना प्रभारी मोहन कुमार, चंदन कुमार, एसआईआरबी-2 टीम और थाना सशस्त्र बल के जवानों की अहम भूमिका रही।

गिरिडीह में दो ट्रकों में टक्कर, दोनो चालकों की मौत

गिरिडीह : जिले के ताराटाड़ थाना इलाके के गिरिडीह - धनबाद मुख्य मार्ग में रविवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। बताया गया कि दो ट्रकों में भीषण टक्कर हो गई है। दोनों वाहनों के चालकों की मौत के साथ 10 मवेशियों की भी जान चली गई ।मृतकों में एक की पहचान उमेश कुमार दास के तौर पर हुई है, जो मुफ्फसिल थाना इलाके के लेदा का रहने वाला था। उमेश सीमेंट लेकर द्वारपहरी आ रहा था ।दूसरे मृत चालक की पहचान नहीं हो सकी है। घटना की जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंच का शवों को पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह भेजा है। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने डांडीडीह के पास सड़क जाम कर दिया। हालांकि पुलिस के समझाने के बाद जाम हटा लिया गया। बताया जाता है कि मवेशियों को लेकर जा रहे मालवाहक की भिड़ंत विपरीत दिशा से आ रही सीमेंट लदी ट्रक से हो गई।

झारखंड आंदोलन में बांग्लाभाषियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : काबू दत्ता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : झारखंड बांग्लाभाषी उन्नयन समिति का राज्य सम्मेलन रविवार को जमशेदपुर के होटल मिस्टी इन में संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में राज्य के विभिन्न जिलों से आए बांग्लाभाषी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में इस बात पर गहन चर्चा हुई कि किस प्रकार झारखंड में बांग्ला भाषा और बांग्लाभाषियों के अस्तित्व को लगातार दबाने और मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। झारखंड बांग्लाभाषी उन्नयन समिति के प्रदेश संयुक्त सचिव काबू दत्ता ने बताया कि झारखंड ऐतिहासिक और भौगोलिक दृष्टि से एक बांग्ला भाषा बहुल राज्य है और राज्य के चौबीस में से सोलह जिलों में बांग्ला प्रमुख संपर्क भाषा है। बावजूद इसके, झारखंड के गठन के बाद से अब तक की सभी सरकारों ने बांग्ला भाषा और बांग्लाभाषियों के अस्तित्व को समाप्त करने की दिशा में योजनाबद्ध साजिश की हैं। सम्मेलन में यह भी कहा गया कि सरकार ने पहले बांग्ला में पठन-पाठन को बंद करने के लिए बांग्ला की पाठ्यपुस्तकों की आपूर्ति रोक दी, फिर बांग्ला शिक्षकों की नियुक्ति पर भी रोक लगा दी। इसका परिणाम यह हुआ कि बांग्ला भाषी छात्रों की संख्या घटने लगी, स्कूलों से ड्रॉपआउट बढ़ गया और अंततः ऐसे सोलह हजार स्कूलों को बंद कर दिया गया जिनमें छात्र कम हो गए थे। इस पूरी प्रक्रिया का सबसे बड़ा असर राज्य के बांग्लाभाषी गरीब और ग्रामीण छात्रों पर पड़ा है। आज शिक्षा मंत्री यह कहकर अपना पल्ला झाड़ते हैं कि पहले छात्र लाइए, फिर किताबें और शिक्षक देंगे। बांग्ला भाषी समाज का सवाल है कि जब सरकार की गलत नीतियों के कारण ही छात्र कम हुए हैं, तो उसकी भरपाई समाज क्यों करे। सरकार की इन नीतियों और गैर-जिम्मेदार बयानों से बांग्लाभाषी समाज अत्यंत क्षुब्ध है और इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। सम्मेलन में इस बात को भी लेकर गहरा आक्रोश था कि राज्य सरकार ने राष्ट्रवादी विचारक और बंगाली महापुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम से नामांकित विश्वविद्यालय से उनका नाम हटा दिया है। यह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि बांग्ला समाज के सम्मान और योगदान का अपमान है। सम्मेलन में यह भी याद दिलाया गया कि झारखंड आंदोलन में बांग्लाभाषियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन, बिनोद बिहारी महतो के साथ-साथ दिवंगत एके राय जैसे बांग्लाभाषी नेताओं ने झारखंड राज्य निर्माण में ऐतिहासिक योगदान दिया। इसके बावजूद बांग्ला भाषा और संस्कृति के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। इस सम्मेलन में यह स्पष्ट किया गया कि अब बांग्लाभाषी समाज इन षड्यंत्रों को अच्छी तरह समझ चुका है और इसका सशक्त और संगठित प्रतिकार करने को तैयार है। इसके तहत राज्य भर में 19 मई से बांग्ला जनजागरण अभियान की शुरूआत की गई है, जो राज्य के 150 प्रखंडों के 25,000 गांवों तक पहुंचाया जाएगा। यह आंदोलन खासकर उन ग्रामीण इलाकों में केंद्रित होगा, जहां बांग्ला भाषी गरीब और वंचित तबके के लोग रहते हैं।

खलारी में सरना धर्म कोड की मांग को लेकर समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खलारी : सरना समिति खलारी की एक आवश्यक बैठक रविवार को अध्यक्ष राजकुमार उरांव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में देशभर में आदिवासी समाज द्वारा सरना धर्म कोड की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन पर विशेष चर्चा हुई। समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि 27 मई 2025 को होने वाले देशव्यापी धरना-प्रदर्शन में खलारी समिति के सदस्य बड़ी संख्या में भाग लेंगे। बैठक में सुभाष उरांव, चांदमुनी देवी, अरुणा उरांव, किसुन मुंडा, रामलगन मुंडा, शंभूनाथ गंझू, निभ्भा एक्का, बहुरा मुंडा, खलारी मुखिया तेजी किस्पोट्टा, रंथू उरांव, योगेश्वर मुंडा, विजय मुंडा सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सरना धर्म कोड को जनगणना में अलग पहचान देने की मांग को दोहराया। उल्लेखनीय है कि झारखंड सहित पूरे देश में 27 मई को झारखंड मुक्ति मोर्चा समेत विभिन्न आदिवासी संगठनों द्वारा सरना धर्म कोड की मांग को लेकर जिला मुख्यालयों पर महाधरना-प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है। यह आंदोलन केंद्र सरकार से सरना धर्म कोड विधेयक को मंजूरी दिलाने और जनगणना में अलग कॉलम की मांग को लेकर किया जा रहा है। झामुमो के निदेर्शानुसार सभी जिलों में पार्टी पदाधिकारी, सांसद, विधायक और कार्यकर्ता धरना में शामिल होंगे। समिति ने सभी आदिवासी समाज के लोगों से 27 मई के धरना-प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

रैयत विस्थापित मोर्चा अंचल कार्यालय के समक्ष करेगा धरना प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खलारी : रैयत विस्थापित मोर्चा की बैठक रविवार को रैयत विस्थापित मोर्चा कार्यालय डकरा में हुई। जिसकी अध्यक्षता एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता ने किया। संचालन सचिव जगरनाथ महतो ने किया। बैठक में रैयत विस्थापित ग्रामीणो के नौकरी, मुआवजा, रोजगार, पुनर्वास, जमीन संबंधित समस्याओं सहित मूलभूत सुविधाओं को लेकर चर्चा की गई। मोर्चा के द्वारा पूर्व में प्रबंधन को दिए गए मांग पत्र पर भी चर्चा की गई। कहा गया कि प्रबंधन को पूर्व में जो रैयत विस्थापित की समस्याओं को लेकर मांग पत्र दिया गया था लेकिन आजतक कोई भी कार्य धरातल पर नही दिख रहा है। इसके अलावा कोल इंडिया की आरएंडआर पॉलिसी तथा झारखंड सरकार के द्वारा निजी कंपनियों में स्थानीय लोगों को 75 प्रतिशत रोजगार देने के मामले पर कोई पहल नहीं किया गया है ।वही रैयत विस्थापित व ग्रामीणो की जमीन संबंधित मामले पर खलारी अंचल में कोई कार्य ग्रामीणो का काम नही हो पा रहा है। ग्रामीणो को कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है। रैयत ग्रामीणो की जमीन संबंधित समस्याओं को लेकर जल्द ही आंदोलन की रूपरेखा तैयार किया जाएगा ।और सभी गांव में बैठक की जाएगी। और जोरदार तरीके से खलारी अंचल कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया जाएगा ।इसकी तैयारी को लेकर सभी सदस्यों को जुट जाने की अपील की गई ।बैठक में जालिम सिंह ,रामलखन गंझु, विनय खलखो, नरेश गंझु,अमृत भोगता, प्रभाकर गंझु, दामोदर गंझु, प्रकाश महतो, सुनील यादव, शिवनारायण लोहरा आजाद अंसारी, विनोद मुंडा सहित कई लोग मौजूद थे।

रोहिणी परियोजना पदाधिकारी से तुमांग प्रभावित अधिकार मोर्चा ने की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खलारी : तुमांग प्रभावित अधिकार मोर्चा के एक प्रतिनिधिमंडल ने रोहिणी परियोजना के नए परियोजना पदाधिकारी से औपचारिक मुलाकात की। इस अवसर पर मोर्चा के सदस्यों ने पदाधिकारी को शॉल और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व परियोजना पदाधिकारी को दिए गए ज्ञापन का हवाला देते हुए प्रभावित गांवों में व्याप्त रोजगार की समस्याओं से नए पदाधिकारी को अवगत कराया। मोर्चा की ओर से बताया गया कि विस्थापित ग्रामीण लंबे समय से रोजगार की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें स्थायी समाधान नहीं मिला है। प्रबंधन की ओर से प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया गया कि ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से लिया जाएगा और यथासंभव समाधान की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर मोर्चा के अध्यक्ष सुधीर उरांव और सचिव अमर लोहार के नेतृत्व में कई ग्रामीण मौजूद रहे। उपस्थित लोगों में करण उरांव, रोहित लोहार, आशीष महतो, मनोज सिंह, रोशन भुइया, राहुल कुमार, राहुल महली, सुमित कुमार, अरुण भुइया, विनोद लोहार, उपेंद्र कुमार एवं श्रवण उरांव शामिल थे। इधर मोर्चा ने उम्मीद जताई कि प्रबंधन की ओर से मिले आश्वासन पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी, जिससे प्रभावित ग्रामीणों को राहत मिल सकेगी।

न्यु संगम डिज्नीलैंड सह मीना बाजार मे उमड़ रही है लोगो की भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खलारी : सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा चार नंबर खेल मैदान में चल रहे न्यु संगम डिज्नीलैंड सह मीना बाजार मे लोगों की काफी भीड़ देखी जा रही है ।मेला के दुसरे दिन पिपरवार कोयलांचल सहित आसपास के विभिन्न इलाकों से काफी संख्या में लोग शामिल हुए और खरीदारी की ।मेला मे लगाये गये ब्रेक डांस झुला, ड्रेगन झुला, नाव झुला, टावर झुला, मिक्की माउस, जंपिंग झूला सहित अन्य कई झुला मे लोगो की भीड़ देखी गई। वही चाऊमीग, चार्ट आइसक्रीम जैसे अन्य दुकानों पर महिलाओं की भीड़ देखी गई। झूले में बच्चों द्वारा जमकर मस्ती करते देखे गए। मेला मे लगाये गये विभिन्न प्रकार के दुकान और प्रतिष्ठान मे भी लोग खरीदारी करते देखे गये। मेला के दुसरे दिन बचरा, राय, डकरा, खलारी, बमने, पुरानीराय, राय कोलियरी, बचरा बस्ती, होशिर बस्ती, कारो, किचटो, बिलारी, बहेरा, कल्याणपुर, बेंती सहित अन्य ग्रामीण इलाकों से लोगों की भीड़ मेला परिसर में देखा गया।

चूरी के लिए बनेगा फिल्टर स्कीम : सुमन कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खलारी : एनके एरिया के सिविल विभाग प्रमुख सुमन कुमार ने रविवार को चूरी, मानकी, डकरा और रोहिणी में पानी सप्लाई का निरीक्षण किया। इस दौरान चूरी कॉलोनी में लाल पानी सप्लाई होने पर उन्होंने वाटर सप्लाई सिस्टम को देखा और कई तरह के निर्देश दिए। 30 वर्षों के बाद पहला अवसर था कि किसी बड़े अधिकारी ने चूरी जंगल में बने पानी टंकी पर जाकर सप्लाई सिस्टम को देखा। कई सालों से चूरी पानी टंकी के पास बने शेडिमेंटेशन टैंक बंद पड़ा देख उसे जल्द से जल्द चालू करने का निर्देश दिया। चूरी पम्प हाउस में लगे वाटर सप्लाई सिस्टम को लेकर उन्होंने वहां के कर्मियों से कई तरह की जानकारी ली। अधिकारी सुमन कुमार ने बताया कि चूरी में फिल्टर पानी की व्यवस्था हो इसके लिए विभाग गंभीर होकर काम करेगा। खराब पड़े वाल्भ और कई उपकरणों को दुरुस्त किया जाएगा। । इसके बाद उन्होंने मानकी सपही नदी से होने वाले पानी सप्लाई सिस्टम का निरीक्षण कर उसे भी दुरुस्त करने का आश्वासन दिया। डकरा और रोहिणी में पानी की आपूर्ति, स्टोरेज और फिल्टरेशन का भी निरीक्षण किया। इस मौके पर बीएमएस के सेफ्टी बोर्ड सदस्य राघवेंद्र पासवान सहित विभाग के कई अधिकारी मौजूद थे। एनके एरिया के सिविल विभाग प्रमुख सुमन कुमार ने कहा कि चूरी में पानी फिल्टर करने के लिए प्रेशर फिल्टर बेड स्कीम बनाया जायेगा। जिसके बाद मुख्यालय को स्कीम भेज कर स्वीकृति ली जाएगी। उम्मीद है कि स्वीकृति भी मिल जाएगी। क्योंकि चूरी में फिल्टर की कोई व्यवस्था नहीं है। शेडिमेंटेशन टैंक सात दिनों में शुरू किया जाएगा। जिसके बाद स्टोरेज पानी को स्थिर कर उसकी सप्लाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

डीएवी महात्मा आनंद स्वामी स्कूल में एलएमसी बैठक का हुआ आयोजन

सिल्ली : डीएवी महात्मा आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल, सिल्ली में स्कूल के विकास और प्रगति से संबंधित कई महत्त्वपूर्ण निर्णयों को लेकर एलएमसी (लोकल मैनेजमेंट कमेटी) बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में डीएवी सीएमसी, नई दिल्ली से चेयरमैन रवींद्र तलवार, डीएवी सेक्टर-4 से प्राचार्य संचित कुमार मिश्रा, डीएवी पुंदाग से प्राचार्य तापस घोष, डीएवी खलारी से प्राचार्य डॉ. कमलेश कुमार, डीएवी सिल्ली से प्राचार्या बी. शरण तथा डीएवी जमाडोबा से प्राचार्य अनुज कुमार मिश्रा उपस्थित थे। साथ ही साथ अन्य विद्यालयों के प्राचार्य गण भी ऑनलाइन रूप से इस बैठक में सम्मिलित हुए। इस बैठक में विद्यालय के सर्वांगीण विकास को लेकर कई महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के समन्वयक शशांक शेखर, शम्भूनाथ मुखर्जी, मुकेश कुमार साहू, प्राणेश कुमार मिश्रा, एस.के. दत्ता, वी.के. दुबे, मोनालिशा सेनगुप्ता, नैना कांडू, ज्योति कुमारी एवं अन्य शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा।

शिव मंदिर हुटाप में मंडा पूजा को लेकर हुई बैठक

खलारी : हुटाप स्थानीय शिव मंदिर परिसर में मंडा पूजा को लेकर एक अहम बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता पहान दीपक मुंडा ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष मंडा पूजा धूमधाम से आयोजित की जाएगी। मंडा पूजा कार्यक्रम के तहत फुलखूंदी 10 जून (मंगलवार) को तथा बनस झूलन 11 जून (बुधवार) को संपन्न होगा ।इस अवसर पर मंडा पूजा कमेटी का गठन भी किया गया, जिसमें अध्यक्ष जागेश्वर यादव,सचिव अमेरिका मुंडा, रोहित यादव, उपाध्यक्ष विक्रम तुरी, ऐतवा मुंडा ,उपसचिव : दीपक मुंडा, अमित लोहरा,कोषाध्यक्ष परिश्रम भुइंया, गौतम यादव, मंडा पूजा की सफलता सुनिश्चित करने के लिए कई कार्यकताओं की भी जिम्मेदारी तय की गई है। कार्यकताओं में श्याम लोहरा, चतुरगुन भुइंया, पंकज यादव, नीरज मुंडा, प्रमोद यादव, महेश तुरी, रवि तुरी, विजय यादव, सिकंदर यादव, रमेश तुरी, आकाश यादव, गोविंद यादव, उमेश यादव, गोविंद तुरी, शुभम तुरी, डब्लू मुंडा, अरुण यादव, सिनोद यादव, पप्पू यादव, जगलाल यादव, मधो मुंडा, विनोद तुरी, राजेश तुरी, मुन्ना तुरी और कृष्णा तुरी शामिल हैं। बैठक मे गांववासियों ने आपसी सहयोग और समर्पण से मंडा पूजा को सफल बनाने का संकल्प लिया।

डकरा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में समर कैंप का हुआ शुभारंभ

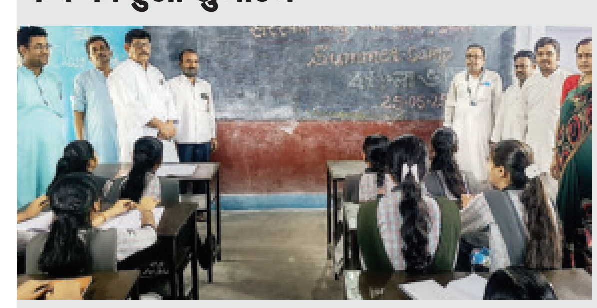

खलारी : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर डकरा में शनिवार, 25 मई से साप्ताहिक समर कैंप की शुरूआत उत्साहपूर्वक की गई। इस विशेष शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में बहुभाषीय कौशल का विकास करते हुए उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व को निखारना है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ योगाभ्यास और सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस कार्यक्रम मे विद्यालय के उपाध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कैंप का विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा, यदि समय का सदुपयोग सही दिशा में किया जाए, तो सफलता की राह आसान हो जाती है ।इस संबंध में विद्यालय के प्रधानाचार्य गोपाल मिस्त्री विश्वकर्मा ने बताया कि विद्यालय के करीब 200 विद्यार्थियों ने इस समर कैंप में भाग लिया है। बच्चों की रुचि और प्रतिभा के अनुरूप विभिन्न गतिविधियों की योजना बनाई गई है, ताकि उनके भीतर की संभावनाओं को सही दिशा मिल सके। इस समर कैंप के दौरान बच्चों को बांग्ला, उड़िया और भोजपुरी भाषाएं सिखाई गई। इन भाषाओं के शिक्षण हेतु विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। बांग्ला भाषा में अजय चक्रवर्ती एवं मनबोध कुंभकार आचार्य की भूमिका मे रहे ।वही उड़िया भाषा में विजय शंकर उपाध्याय एवं रंजू गुप्ता दीदी ने प्रशिक्षण प्रदान किया। भोजपुरी भाषा में भरत राय एवं शेषनाथ शर्मा आचार्य ने शिक्षण कार्य संभाला। इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी विद्यानंद झा ने सभी कक्षाओं और गतिविधियों का बारीकी से निरीक्षण कर समर कैंप की गुणवत्ता सुनिश्चित की। प्रथम दिवस के समापन पर विद्यार्थियों के लिए सामूहिक अल्पाहार की व्यवस्था की गई थी ।इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्यगण एवं दीदी बच्चों के मार्गदर्शन में सक्रिय रूप से सम्मिलित रहे। समर कैंप की यह पहल बच्चों के शैक्षणिक ही नहीं, बल्कि भाषाई और सांस्कृतिक विकास में भी अहम भूमिका निभाएगी।

जनता मजदूर संघ डकरा युनियन कार्यलय में हुई बैठक, संगठन का पुनर्गठन पर चर्चा

खलारी : जनता मजदूर संघ की बैठक यूनियन कार्यालय डकरा में किया गया। बैठक की अध्यक्षता गोल्डेन प्रसाद यादव व संचालन तपेश्वर यादव ने किया। बैठक में विशेष रूप से जेसीएसी के कमलेश कुमार सिंह उपस्थिति थे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठनात्मक सुद्दढ़ीकरण किया जाय, जिसमें क्षेत्रीय समिति के पूर्ण पुनर्गठन, सभी शाखाओं के विस्तार और मजदूरों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर गंभीर विचार-विमर्श सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसमें समिति की नई रणनीति तैयार की गई कि आने वाले समय में मजदूर हितों की और अधिक प्रभावी तरीके से रक्षा की जा सके। प्रत्येक शाखा को और अधिक सक्रिय किया जाएगा तथा श्रमिकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। इस दौरान कमलेश कुमार सिंह ने अपने संबोधन में संगठन की एकता और अनुशासन को मजबूत करने पर बल दिया तथा आने वाले चुनौतियों से निपटने के लिए कार्यकताओं को संगठित होकर कार्य करने का आह्वान किया। यह बैठक जेएमएस के लिए एक नई दिशा तय करने वाली साबित हो सकती है, जहां संगठनात्मक मजबूती के साथ श्रमिक हितों को सर्वोपरि रखा गया है। मौके पर सचिव डीपी सिंह,टुपा महतो, बूटन चौहान,अजय चौहान, वीरेन पासवान, सेतु बांध सिंह,चंदन कुमार, सुनील कुमार, रावेल सिंह,विकास कुमार, जितेंद्र कुमार,टेकलाल, अमित, गणेश ठाकुर, रविन्द्र उरांव, अर्जुन,ओम प्रकाश शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

नीति नीयत सब नापाक फिर भी कहिये 'पाकिस्तान'

स्वतंत्रता पूर्व 1941 में ब्रिटिश हुकूमत द्वारा कराई गयी भारत की जनगणना के अनुसार अविभाजित भारत की कुल जनसंख्या लगभग 39-40 करोड़ थी। जिसमें मुस्लिम आबादी लगभग 24-25% थी। इस आधार पर अविभाजित भारत में मुस्लिम जनसंख्या लगभग 9.5 से 10 करोड़ के आसपास थी। 1947 के विभाजन के समय भारत की कुल मुस्लिम आबादी का लगभग 35-40% हिस्सा पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान (1971 के बाद का बांग्लादेश) चला गया। जिन भारतीय राज्यों के अधिकांश मुस्लिम भारत छोड़कर गये उनमें खासतौर से पंजाब, सिंध, और उत्तर-पश्चिम सीमा प्रांत जैसे क्षेत्रों के मुस्लिम शामिल थे। पूर्वी बंगाल या पूर्वी पाकिस्तान में पहले से ही मुस्लिम बहुसंख्यक थे, इसलिए वहां अपेक्षाकृत कम प्रवास हुआ। विभाजन के समय मुस्लिम आबादी का लगभग 60-65% हिस्सा भारत में ही रह गया। भारत में ही रहने का फैसला करने वाले अधिकांश मुस्लिम खास तौर से उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश व कई दक्षिणी राज्यों के थे। पाकिस्तान के अस्तित्व में आने के समय जो प्रक्रिया अपनाये गयी वह अत्यंत हिंसक और अव्यवस्थित थी जिसमें सभी धर्मों के लाखों लोग मारे गये। बहरहाल, कहने को तो भारत से विभाजित होकर पाकिस्तान का गठन विश्व के सबसे बड़े मुस्लिम राष्ट्र निर्माण जैसे दुःस्वप्न को लेकर किया गया था। इसी मुहिम के अंतर्गत 1943 में उर्दू शायर असगर सौदाई ने यह नारा लिखा था -'पाकिस्तान का मतलब क्या है, 'ला इलाहा इल्लललाह'। यह नारा हालांकि उस समय मुस्लिम लीग द्वारा अपनाया गया था परन्तु आज वहां कि न केवल अनेक कट्टरपंथी धार्मिक पार्टियाँ बल्कि वहाँ पनाह पा रहे अनेक आतंकी संगठन भी समय समय पर इस नारे का इस्तेमाल करते हैं। परन्तु यदि हम पाकिस्तान के गठन की घोषित मंशा और इस्लामी कलमे को पाकिस्तान के नाम के साथ इस्तेमाल करने की हकीकत को देखें तो हमें सब कुछ उल्टा नजर आता है। हकीकत तो यह है कि पाकिस्तान ने अपने वजूद में आते ही सिवाय नफरत, हिंसा, क्षेत्रवाद, फिरका परस्ती, भ्रष्टाचार, अल्पसंख्यकों पर जुल्म व आतंकवाद के सिवा दुनिया को कुछ दिया ही नहीं। अन्यथा प्रकृतिक सम्पदाओं से परिपूर्ण 1971 से पहले के इस भूभाग को आज दुनिया में आर्थिक व राजनैतिक रूप से इतना कमजोर व अलग थलग न रहना पड़ता। पाकिस्तान की सत्ता एक तरफ तो पाकिस्तान का मतलब ला इलाहा इल्लललाह बताते हैं दूसरी तरफ इसी देश की सेना लगभग 30 लाख बंगाली मुसलमानों की हत्या कर देती है। जब पाकिस्तान ला इलाहा इल्लललाह के नारे के साथ अलग हुआ तो क्या कारण था कि बांग्लादेश का गठन यानी क्षेत्रवाद इस्लामी नारे पर भारी पड़ गया? यह आखिर कैसा इस्लाम है तो कैसा ला इलाहा इल्लल लाह? इसी पाकिस्तान पर 40 लाख अफगानी मुसलमानों का आरोप है। और इसी 'अल्लाह वाली' पाकिस्तानी सेना पर दो लाख से अधिक बलूचों की हत्या का भी इलजाम है? आरोप तो यह भी है कि पाकिस्तानी सेना बलूच लोगों के घरों में आग लगाती है, उनके खेतों और बागों को नष्ट करती है, और बलोची युवाओं को अपहृत कर उनकी आंखें, दिल, और गुर्दे जैसे अंग बेच देती है। क्या यही पाकिस्तान के अस्तित्व में आने का मकसद था? आज पाकिस्तान पर बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना द्वारा "जातीय सफाया" और "नरसंहार" करने जैसा संगीन इलजाम है। जियाउलहक के शासनकाल में उर्दन में 10 हजार फिलिस्तीनी एक ही रात में मारने का आरोप इसी पेशेवर पाक सेना पर है। यह कैसा इस्लामी देश है? इसी पाकिस्तान पर भारतीय कश्मीर में गत छः दशकों से आतंकवाद व अशांति फैलाने का आरोप है। भारत में जगह जगह आतंकवादी हमले कराने जैसा अमानवीय व गैर इस्लामी काम पाकिस्तान करता रहा है। मस्जिदों से लेकर दरगाहों, इमामबारगाहों व धार्मिक जुलूसों पर आत्मघाती हमले करने वाले हमलावरों की पैदावार तैय्यार करने वाला पाकिस्तान जब यह कहे कि पाकिस्तान का मतलब,ला इलाहा इल्लललाह,तो इससे बढ़कर अफसोसनाक व शर्मनाक बात और क्या हो सकती है? इसी नफरत की सियासत ने जुल्फिकार अली भुट्टो को फांसी के फंदे तक पहुंचा दिया।

सूडोकु नवताल- 7441

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7440 का हल

6	3	8	5	2	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	9	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

सेवा, सुरक्षा और सुशासन के प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल

सुरेश पचौरी

लोकतंत्र में श्रेष्ठ नेतृत्व की पहचान नीति, नीयत और निष्ठा की कसौटी पर खरा उतरने से होती है, यह एक सुखद पक्ष है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मापदंड पर सर्वथा खरे उतरे हैं। देश की जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें देश का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की प्रथम बार शपथ ली। बतौर प्रधानमंत्री अपने 11 वर्ष के लगातार कार्यकाल में उन्होंने राजपथ को कर्तव्य पथ के रूप में स्वीकारा तथा देशवासियों का विश्वास जीतने में कामयाब रहे। नरेन्द्र मोदी ऐसे कर्मयोगी हैं, जो 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के राष्ट्र-भाव को चरितार्थ करते हुए 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' का संकल्प लेकर भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में अहर्निश लगे हुए हैं। संक्षेप में कहा जाए तो मोदी जी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार का सिद्धांत है- रिफार्म, परफार्म एवं ट्रांसफॉर्म, प्रधानमंत्री ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की सिद्धि के लिए अपनी प्राथमिकता में GYAN को रखा है। G का तात्पर्य गरीब, Y का तात्पर्य युवा, A का तात्पर्य अन्नदाता किसान और N का तात्पर्य नारी, वर्तमान में केंद्र सरकार ने अपनी कल्याणकारी योजनाओं में इन पर अधिक फोकस किया है।

गरीब कल्याण कार्यक्रम

केन्द्र सरकार ने समाज के शोषित, वंचित, पीड़ित एवं सर्वहारा वर्ग के हितों को दृष्टिगत रखते हुए अनेक ऐतिहासिक एवं कल्याणकारी निर्णय लिये हैं। नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत की। पिछले 11 वर्षों में यह अभियान एक जन आंदोलन बन गया है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत लगभग 12 करोड़ शौचालय बन चुके हैं। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत लगभग 10 करोड़ गैस कनेक्शन निःशुल्क दिये गये हैं। पिछले 5 सालों में जल जीवन मिशन के तहत 12 करोड़ परिवारों के घरों में नल से जल देने का काम पूरा हुआ है। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को 4 करोड़ घर मिल चुके हैं। देश के 80 करोड़ जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत मार्च 2025 तक कुल 55.02 करोड़ जन-धन खाते देश में खोले जा चुके हैं। इन्हीं सब प्रयासों की वजह से 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ गये हैं।

युवा शक्ति की बेहतरी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकताओं में युवाओं के लिए अच्छा स्वास्थ्य, फिटनेस और उन्हें उचित हुनर से लैस करना शामिल है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, मुद्रा कोष योजना और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने भारत को विकसित राष्ट्र की ओर आगे बढ़ाया है। मार्च 2025 तक समर्थ पोर्टल पर लगभग 5 लाख उपयोगकर्ता पंजीकृत हुये, जिनमें से 77 प्रतिशत युवाओं को प्लेसमेंट मिल चुका है। स्टार्टअप इंडिया के तहत 16 लाख लोगों को प्रत्यक्ष नौकरियां मिली हैं और नौजवान इन योजनाओं से प्रभावित होकर स्वरोजगार स्थापित कर रहे हैं।

किसान कल्याण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन बहुत साफ है कि किसानों को उनकी पैदावार का सही दाम मिले। इस बाबत फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में रिकार्ड बढ़ोत्तरी की। किसान सम्मान निधि के अंतर्गत किसानों को उनके बैंक खातों में हर चार महीनों में दो हजार रुपये पहुचाये जाते हैं। पीएम किसान सम्मान निधि से करीब साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये सीधे किसान के खातों में पहुंचे हैं। पीएम फसल बीमा योजना के तहत दो लाख करोड़ रुपये किसानों को मिले हैं। किसानों को सस्ते दामों में खाद मिले, इस दिशा में पिछले दस सालों में बारह लाख करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं। दलहन, तिलहन और नारियल की खरीद के लिए सरकारी गारंटी बढ़ाकर 45,000 करोड़ रुपये कर दी गई है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएमआरकेवाई) और कृषोन्नति योजना (केवाई) का बजट 1,01,321.61 करोड़ रुपये कर दिया है। आज भारत दूध और मसालों के उत्पादन में विश्व में नम्बर 1 पर है। भारत सरकार ने 2817 करोड़ रुपए डिजिटल कृषि मिशन के लिए स्वीकृत किये हैं।

महिला सशक्तिकरण

महिला सशक्तिकरण मोदी सरकार के विकास एजेंडे का प्रमुख हिस्सा है। मातृवंदन योजना, नारी शक्ति वंदन और 33 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद जगी है। स्टैंडअप इंडिया से 81% महिलाएं उद्यमी बनीं। मुद्रा योजना से 68% महिलाएं लाभार्थी हुईं। केन्द्र सरकार का लक्ष्य तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का है, जिनमें से लगभग 1 करोड़ 10 लाख लखपति दीदी अपना गरिमामय जीवन जी रही हैं। 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान से बेटियों का आत्मसम्मान बढ़ा है। तीन तलाक कानून की समाप्ति से मुस्लिम महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने देश में लगभग 1लाख 75 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले हैं। मोदी सरकार की प्राथमिकता है कि समाज के हर वर्ग खासकर सामान्य लोगों तक सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें। इस दिशा में जारी प्रयास के परिणाम स्वरूप अस्पताल, इलाज और दवाओं पर होने वाला खर्च निरन्तर कम होता जा रहा है। कोरोना काल में प्रधानमंत्री जी ने स्वदेशी वैक्सीन के आविष्कार में प्रेरक भूमिका निभाई।

सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना 'संकल्प विरासत का, संरक्षण भी और विकास भी' के परिणाम स्वरूप अयोध्या में रामलला की दिव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। काशी में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल लोक, केदारनाथ धाम का नवनिर्माण, बद्रीनाथ क्षेत्र का विकास, करतार साहब कॉरिडोर को खुलवाना, हेमकुण्ड साहब और गिरनार में रोपवे बनाना, नमामि गंगे योजना, तिरुवल्लूर में कल्चरल सेन्टर बनाना आदि उल्लेखनीय कार्यों से भारत आत्मगौरव के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

धारा- 370 की समाप्ति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 समाप्त कर दी। धारा- 370 को हटाना एक इतिहास की धारा को मोड़ने वाला निर्णय साबित हुआ है, इससे जम्मू-कश्मीर में खुशहाली की राह खुली है और देश की एकता व अखण्डता का ताना-बाना मजबूत हुआ है। आज स्थिति यह है कि जम्मू-कश्मीर के नागरिक आतंकियों की गतिविधियों के पुरजोर विरोध में खड़े हुये हैं।

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति

प्रधानमंत्री मोदी की आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति बहुत स्पष्ट है। पाकिस्तान के हुक्मरानों, पाकिस्तानी सेना, आईएसआई और उनके द्वारा पोषित आतंकवादी संगठनों ने भारत में समय-समय पर आतंकवादी हमले किये हैं, जिसमें निर्दोष भारतीयों की जानें गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सेना को पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई के लिए खुली छूट दी। भारतीय सेना ने आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकवादी अड्डों एवं प्रशिक्षण शिविरों को जमींदोज कर दिया। प्रधानमंत्री जी ने विश्व समुदाय के सामने भारत का पक्ष रखने के निए सर्वदलीय प्रतिनिधिमण्डल भेजने का फैसला लिया, जो सराहनीय कदम है।

भारतीय सेना को सम्मान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा विभिन्न युद्धों के दौरान शहीद हुए भारतीय सेना के जवानों की पुण्य स्मृति में दिल्ली में राष्ट्रीय शौर्य स्मारक एवं नेशनल वॉर मेमोरियल निर्मित कराये गये। पूर्व सैनिकों के लिए 'वन रैंक वन पेंशन' योजना लागू की गई। केंद्र सरकार ने देश के रक्षा बजट में काफी बढ़ोत्तरी की। रक्षा बजट जो वर्ष 2014 में 46,429 करोड़ रुपये था, वह 2024 में 1.27 लाख करोड़ हो चुका है। मेक इन इंडिया, डिफेंस स्टार्टअप की बदौलत रक्षा उत्पादन के मामलों में भारत आत्मनिर्भर होने की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। देश में पहले 65-70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किये जाते थे, वहीं अब 65प्रतिशत रक्षा उपकरण भारत में ही तैयार हो रहे हैं। स्वदेशी रक्षा उत्पादन जैसे तेजस लड़ाकू विमान, ब्रम्होस मिसाइल और अग्नि मिसाइल सिस्टम ने भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना दिया है। आज भारत लगभग 100 देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। भारत का रक्षा निर्यात 2013-14 में 686 करोड़ रुपये का था, जो बढ़कर 23,000 करोड़ रुपये हो गया है।

नया भारत विकसित भारत हो इसके लिये आधारभूत संरचना को मजबूत बनाना प्रधानमंत्री जी की प्राथमिकता है। नागरिकता संशोधन कानून, ई-गवर्नेन्स, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार, अक्षय ऊर्जा में वृद्धि, पीएम गतिशक्ति आदि योजनाएं देश को विकसित एवं खुशहाल भारत की ओर ले जाने की दूरगामी पहल है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जीवन राष्ट्रयज्ञ की समिधा है, और उनकी कामना रन्तिदेव की तरह राष्ट्र को वैभव पूर्ण बनाने की है।

रन्तिदेव ने कहा था -

न त्वहं कामये राज्यं, न स्वर्गं न पुनर्भवम।
कामये दुःख तातानां, प्राणिनामार्ति नाशनम्।।

अर्थात - न मुझे राज्य की कामना है, न स्वर्ग की और न पुनर्जन्म से छुटकारा पाने की। मेरी कामना तो यह है कि मैं दुखों से संतप्त प्राणियों के काम आ सकूं।

इसी भावना से स्वप्नद्रष्टा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को दुनिया के समृद्ध और शक्तिशाली देशों में शुमार करने की दिशा में सन्नद्ध व संकल्पबद्ध हैं।

(लेखक, भारत सरकार में रक्षा उत्पादन, कार्मिक व संसदीय कार्य राज्यमंत्री रहे हैं)

सेना में दिखने लगा महिला शक्ति का दम

रमेश सर्राफ धमोरा

भारतीय सेना में महिला शक्ति का दम दिखाई देने लगा है। पुरुषों की तरह महिलाएं भी सेना में बढ़ चढ़कर अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर रही हैं। इसका ताजा उदाहरण हाल ही में सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग में सेना की दो महिला अधिकारियों द्वारा युद्ध से संबंधित जानकारी देना एक महत्वपूर्ण कदम रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत के पराक्रम की तस्वीर को पूरी दुनिया के सामने पेश किया और बताया कि आखिर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने कैसे और क्या कार्रवाई की। सेना की दोनों महिला अधिकारियों ने सैनिक कार्रवाई की हर दिन प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से देश दुनिया को ताजा जानकारी प्रदान कर यह दिखा दिया कि भारत में महिला शक्ति भी किसी से कम नहीं है।

भारत में सदियों से महिलाओं को मातृशक्ति का दर्जा दिया जाता रहा है। कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः ।। अर्थातः जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता रमते हैं। जहां नारियों की पूजा नहीं होती, वहां किए गए सभी कार्य निष्फल हो जाते हैं। हम देश में साल में दो बार नवरात्र पर मातृशक्ति रूपी मा दुर्गा की पूजा कर देश दुनिया को यह संदेश देते हैं कि मातृ शक्ति भी किसी से कम नहीं है। अब तो हमारी सेना में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपनी उत्कृष्ट क्षमता दिखा दी है। महिलाएं फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं, वहीं युद्ध भूमि में हर प्रकार की भूमिका निभाने को तैयार नजर आ रही है।

भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास लंबे संघर्ष और बदलावों से भरा रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही महिलाएं भारत की सुरक्षा और सेवा में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देती रही हैं। लेकिन सेना में औपचारिक तौर पर उनकी नियुक्ति का रास्ता बहुत बाद में खुला। साल 1943 में बनी रानी झांसी रेजिमेंट, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज का हिस्सा थी। यह पहली बार था जब महिलाएं युद्ध के मोर्चे पर सक्रिय रूप से दिखाई दीं। आजादी के बाद भी सशस्त्र बलों में महिलाओं को लंबे समय तक सहायक भूमिकाओं तक ही सीमित रखा गया।

भारत की तीनों सेनाओं (थल सेना, नौसेना, वायु सेना) में महिलाओं की संख्या को लेकर अगस्त 2023 में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने संसद में बताया था कि तीनों सेना में 11,414 महिलाएं सेवाएं दे रही हैं। थल सेवा में 7,054 महिलाएं सेवारत हैं। इनमें 1733 महिला अधिकारी हैं। यह आंकड़ा एक जनवरी 2023 तक का है। भारतीय वायु सेवा में 1,654 अधिकारी सेवारत हैं, जबकि 155 महिलाएं एयर मेन (अग्निवीर) के रूप में सेवा दे रही हैं। भारतीय नौसेना में 580 महिलाएं अधिकारी के रूप में सेवारत हैं, जबकि 727 महिलाएं सैलर्स (अग्निवीर) के तौर पर तैनात है।

इसी तरह 1,212 महिलाएं भारतीय थल सेना के आर्मी मेडिकल कॉर्प्स में, 168 महिलाएं आर्मी डेंटल कार्स में और 3841 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में कार्यरत है। 151 महिलाएं नौसेना के मेडिकल कॉर्प्स में, 10 महिलाएं डेंटल कार्य और 380 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में सेवारत हैं। 274 महिलाएं भारतीय वायु सेवा के मेडिकल कॉर्प्स में, पांच महिलाएं डेंटल कॉर्प्स में और 425 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में सेवारत हैं।

पहले महिलाओं को शार्ट सर्विस कमीशन में ही लिया जाता था। लेकिन फरवरी 2020 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद महिलाओं को सेना में स्थाई कमीशन मिलने लगा है। अब एनडीए की कुल सीटों का 10 प्रतिशत सीटों पर लड़कियां सिलेक्ट होती हैं और वह भी ओपन कंपटीशन में मुकाबला करके। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मार्च 2025 में संसद में बताया था कि 2022 में महिला कैडेट्स के पहले बैच की एंट्री के बाद से अब तक एनडीए में 126 महिलाओं को एडमिशन मिला है। आर्म्ड फोर्सज में आने के बाद उनके लिए भी अवसर समान होते हैं। उनका करियर प्रोग्रेस वैसा ही होगा जैसा लड़कों का होगा। सर्विस रूट समान होते हैं। अब हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि हमारी सेना में पूरी तरह जेंडर न्यूट्रलाइजेशन हो गया है। सेना में आज हमारी महिला कॉम्बैट पायलट भी हैं, जो मिसाइल चलती है और मोर्चे पर भी जाती हैं। वह इंजीनियरिंग का कार्य भी देखती हैं और सैटेलाइट को भी नियंत्रित करती हैं। अब महिलाएं डिफेंस भी करती हैं। टेक्निकल इंटेलिजेंस भी एकत्रित करती हैं। अभी तक आमने-सामने की लड़ाई में महिलाओं को नहीं भेजा जाता है। राजस्थान में झुंझुनू जिले की स्क्वाड्रन लीडर मोहन सिंह 2016 में भारतीय वायु सेवा की तेजस फाइटर स्पाइडर में शामिल होने वाली पहली महिला बनीं। इससे पहले वह मिग 21 बाइसन फाइटर प्लेन भी उड़ा चुकी हैं। ग्रुप कैप्टन सालिया धामी वायु सेवा की ऐसी पहली महिला अधिकारी बनी हैं, जो फ्रंटलाइन काम्पैक्ट यूनिट की कमान संभाल रही हैं। फ्लाइंग यूनिट की फ्लाइट कमांडर बनने वाली भी वह पहली महिला अधिकारी हैं। भारत की सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा और थलसेना एवं नौसेना की चिकित्सा सेवाओं का नेतृत्व महिला अधिकारी ही कर रही हैं।

रक्षा बलों में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने की दिशा में भारत की प्रगति धीमी रही है। लेकिन लोगों का मानना है कि इसमें लगातार प्रगति हुई है। अब एक साथ बहुत सारी महिलाएं प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वे दूसरों के लिए रास्ता बना रही हैं। उनके प्रदर्शन पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। अगर वे अच्छा काम कर रही हैं तो उन्हें स्वीकार करना आसान होगा और आने वाली महिलाओं के लिए रास्ता साफ हो जाएगा।

शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत महिलाएं केवल 10 या 14 साल तक सेवाएं दे सकती हैं। इसके बाद वो सेवानिवृत्त हो जाती हैं। लेकिन अब उन्हें स्थायी कमीशन के लिए आवेदन करने का भी मौका मिलेगा। जिससे वो सेना में अपनी सेवाएं आगे भी जारी रख पाएंगी और रैंक के हिसाब से सेवानिवृत्त होंगी। साथ ही उन्हें पेंशन और सभी भत्ते भी मिलेंगे। 1992 में पांच साल के लिये शॉर्ट सर्विस कमीशन के लिए महिलाओं का पहला बैच भर्ती हुआ था। इसके बाद इस सर्विस की अवधि को 10 साल के लिए बढ़ाया गया। 2006 में शार्ट सर्विस कमीशन को 14 साल कर दिया गया। भारतीय सेना अब महिलाओं को सशत्र बल में नियुक्ति के लिए उनके लिए तय की गई नीतियों को लागू कर प्रोत्साहित करती हैं।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की न्याय व्यवस्था व शासन से हमें लेनी चाहिए सीख

हरिश्चंद्र श्रीवास्तव

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर का मतलब कठिन संघर्ष, धैर्यशीलता, संयम, धर्मपरायणता, वीरता, बुद्धिमत्ता, प्रशासन, कुशलता, ओजस्विता, प्रजा वत्सलता, न्याय प्रियता, कुशल नेतृत्व की अद्भुत क्षमता से परिपूर्ण। साथ ही दानशीलता, त्याग, तपस्या, अत्यंत सहजता सरलता के साथ सिद्धांतों के लिए अत्यंत कठोरता और सनातन संस्कृति के प्रति समर्पण। इन सब गुणों को मूर्तमान किया जाय तो वह थीं होलकर साम्राज्य की बहू जिन्हे आदर के साथ भारतीय जनमानस लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर। उन्होंने जहां शासन करते समय किसी के सामने घुटने नहीं टेके, वहीं मुगलों द्वारा क्षतिग्रस्त किए गए देश भर के सभी धार्मिक स्थलों का पुनर्निमाण कराकर भारतीय सनातन संस्कृति की रक्षा की। आज जब सार्वजनिक जीवन, प्रशासन, न्याय व्यवस्था से लेकर धर्म भी व्यापार बनता जा रहा है तो राष्ट्र हित लोकहित व जनहित में यह नितांत आवश्यक है कि राजनेता व प्रसशानिक अफसरों समेत सभी को लोकमता देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन से कुछ सीख लेनी चाहिए।

31मई को लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होलकर के धरती पर अवतरण हुए 300 वर्ष पूरे हो रहे हैं। वर्तमान में महाराष्ट्र के औरंगाबाद के निकट बीड़ तहसील के चौंड़ी गांव के माणकोजी की धर्मपत्नी सुशीलबाई ने 31 मई 1725 को जिस सुकन्या को जन्म दिया, उसके पूज्यनीय वंदनीय धर्मपरायण प्रजावत्सल अत्यंत तेजस्वी ओजस्वी प्रेरक व्यक्तित्व को जनमानस देवी माँ अहिल्याबाई के रूप में भारतीय मनीषा के स्मृति पटल पर देदीप्यमान है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई इतिहास के पन्नो को अमिट स्वर्णाक्षर तो हैं ही साथ ही भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य के लिए भारत की सनातन संस्कृति और यहां की धर्म परायण जनता जनार्दन सदैव ऋणी रहेगी।

धर्मपरायण माता पिता के संस्कार महारानी अहिल्याबाई होलकर के जीवन का आधार बना। उनको लोकमाता देवी अहिल्याबाई का नाम भारत की धर्मपरायण जनता के मन में उनके कृतित्व व व्यक्तित्व के सम्मान और उनके प्रति असीम श्रद्धा व प्रेम की भाव अभिव्यक्ति है। समूचे भारतीय इतिहास में पौराणिक कथाओं में वर्णित महापुरुषों से लेकर वर्तमान के कालखंड तक उन्हें ही पूज्यनीय, वंदनीय व प्रेरक माना जाता है, जिन्होंने लोककल्याण के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। भारतीय संस्कृति व राष्ट्र ने उन्ही का यशोगान किया, जिसने देश समाज व लोकहित में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

लोकमाता देवी महारानी अहिल्या बाई होलकर का पूरा जीवन संघर्ष और त्याग का दस्तावेज है। सन 1733 में मल्हार राव होलकर के बेटे खंडेकर राव होलकर के साथ शादी होने के बाद से ही उन्हें अनेक विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। वह अपने पति खंडेराव होलकर के साथ कुछ समय ही वैवाहिक जीवन जी पाई थीं। तभी सन 1754 में भरतपुर के डींग में हुए युद्ध के दौरान खंडेराव होलकर वीरगति को प्राप्त हो गए। इससे अहिल्याबाई काफी हिल गईं।उन्होंने उस समय की प्रथा के मुताबिक पति की चिता पर सती होन का फैसला कर लिया था। लेकिन श्वसुर महाराजा मल्हार राव होलकर के काफी समझाने के कारण सती होने के निर्णय को त्याग दिया। सन 1761 में पानीपत के युद्ध में मराठों की हार और मई 1766 को आलमपुर में श्वसुर की मृत्यु के बाद होलकर साम्राज्य को सम्हालने के लिए पुत्र मालेराव का 23 अगस्त 1766 में राजतिलक किया गया। लेकिन 23 वर्ष की अल्प आयु में इकलौते पुत्र का निधन हो गया। इसके बाद दामाद यशवंतराव फड़से भी हैजे के प्रकोप के चलते तीन नवम्बर 1791 दिवगंत हो गए। बेटी मुक्ताबाई पति की चिता पर ही सती हो गईं। इस तरह महारानी अहिल्याबाई होलकर पर एक के बाद एक दुखों के पहाड़ टूटटे रहे। लेकिन इन हृदयविदारक घटनाओं में जिस धैर्य विवेक और साहस के साथ लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने कर्तव्य निभाया और प्रजापालन किया, वह अपने आप में महान से भी महान कार्य रहा।

होलकर परिवार की विशेषता रही की व्यक्तिगत खर्चे के लिए कभी भी राज्य कोष से धन नहीं लेते थे। देशभर के तीर्थ स्थलों बद्री नारायण ,केदारनाथ धाम से लेकर दक्षिण में रामेश्वरम पूर्व में जगन्नाथ पुरी से लेकर पश्चिम में द्वारका सोमनाथ मंदिर समेत ऐसा कोई तीर्थस्थल नहीं रहा, जंहा देवी अहिल्याबाई द्वारा निर्मित वास्तुशिल्प दिखाई न देता हो। यही नहीं मंदिर और घाटों व तीर्थ यात्रियों की सुविधा के अनुसार पीने के लिए पानी और ठहरने के लिए धर्मशालाओं का निर्माण कराया। साथ ही उनके कुशल संचालन के लिए सुयोग्य व्यक्तियों की नियुक्तियां कीं। धार्मिक स्थलों की आर्थिक प्रतिपूर्ति के लिए व्यवस्था का निर्माण करने का कार्य किया जो भारतीय संस्कृति के उन्नयन और विकास के लिए देवी अहिल्याबाई का अप्रतिम योगदान है। महारानी अहिल्याबाई होलकर परम शिव भक्त थीं। उन्होंने अधिकाधिक संख्या में शिव मंदिरों का निर्माण कराया।

सन 1667 में औरंगजेब द्वारा काशीविश्वनाथ मंदिर को क्षतिग्रस्त कर दिया था। महारानी अहिल्याबाई होलकर ने 1785 में भगवान काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनः निर्माण कराया। यही नहीं सप्तपुरियों व बारह ज्योतिलिंगों, चारों धाम समेत सभी जगह उन्होंने यात्रियों स्नान, ध्यान, पूजा-अर्चन, निवास व भोजन की समुचित व्यवस्था की। उन्होंने काशी से कलकत्ता तक सड़क का निर्माण कराया। 1818 में सर माल्कम ने मेमायर्स ऑफ सेंट्रल इंडिया में लिखा की उसका सहायक कैप्टेन डीटी स्टुअर्ट केदारनाथ और देवप्रयाग जैसे दुर्गम तीर्थ स्थानों पर गया था। उसने बताया कि वहां पर देवी अहिल्याबाई होलकर द्वारा निर्मित धर्मशाला, कुंड तथा उनके द्वारा निर्मित सिद्धनाथ मंदिर मध्यभारत की सर्वश्रेष्ठ मंदिर शिल्प है।

दैनिक पंचांग

26 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

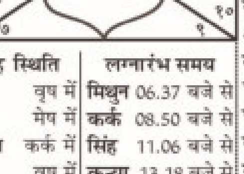

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.37 बजे से
चंद्र	मेष में	कर्क	08.50 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	11.06 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.18 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.29 बजे से
शुक्र	मीन में	वृश्चिक	17.44 ब.से
शनि	मीन में	धनु	20.00 बजे से
राहु	मीन में	मकर	22.05 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	23.51 बजे से
राहुकाल		मीन	01.24 बजे से
7.30 से 9.00		मेष	02.55 बजे से
बजे तक		वृष	04.35 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 146 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 12.12 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 08.24 बजे को समाप्त। **योग** शोभन 07.02 बजे तदनन्तर अतिगण्ड 02.55 बजे रात्र को समाप्त। **करण** शकुनि 12.12 बजे तदनन्तर चतुष्पद 22.22 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21°08' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872356 **जूलियन दिन** 2460821.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्काद **तारीख** 27 **विशेष** वट सावित्री व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

घायल युवक को जीआरपी पुलिस ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया

साहिबगंज : रेलवे स्टेशन से जीआरपी थाना पुलिस ने एक गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ऋतु राज के देख रेख में इलाज किया जा रहा है। वही घायल की पहचान राधानगर थाना क्षेत्र निवासी मुबारक शेख के 18 वर्षीय पुत्र जब्बार हुसैन के रूप में हुई है। वही घायल के परिजनों ने बताया कि हमलोग आरा बिहार से फरक्का एक्सप्रेस ट्रेन से राजमहल जा रहे थे। वही युवक ट्रेन के गेट के पास बैठा था। जहां साहिबगंज से ट्रेन खुलने के बाद अचानक दीवार से टकरा गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। वही घायल जब्बार हुसैन के सर एवं पैर में गंभीर चोट लगी है।

सांप काटने से महिला हुई मूर्छित

साहिबगंज: प्रखंड क्षेत्र के जामनगर गांव में बीते रात्रि सोए अवस्था में एक महिला को सांप के काट लेने से मूर्छित हो गई। मिली जानकारी के अनुसार नेस मोहम्मद की 37 वर्षीय पत्नी नाजिमा बीबी परिजनों के साथ घर में सोई हुई थी अचानक रात के 2:00 बजे उसके हाथ में कुछ काटने का अंदेशा हुआ तब उठकर देखी तो खून बह रहा था। तब परिजनों को बताया और परिजनों के द्वारा इलाज के लिए रात्रि में ही अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया रहा है। डॉक्टर सादिक अंसारी ने बताया कि सांप काटने का एंटीडोज दे दी गई है। फिलहाल महिला खतरे से बाहर है।

दिनदहाड़े आदिवासी युवती से गैंगरेप,एक आरोपी गिरफ्तार

गोड्डा : जिले के ललमटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत हरखखा स्थित रेलवे ओवरब्रिज के समीप शनिवार दोपहर एक 30 वर्षीय आदिवासी युवती के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पीड़िता घटना के समय अपने मित्र जीतन हेंब्रम के साथ जा रही थी। पहले से घात लगाए ललमटिया क्षेत्र के नजीर अंसारी (22) और सादिक अंसारी (20) ने चाकू की नोंक पर जीतन को भगा दिया और युवती को जबरन रेलवे पुल के पास ले जाकर दुष्कर्म किया। घटना के तुरंत बाद जीतन हेंब्रम ने हरखखा गांव में ग्रामीणों को सूचना दी, जिन्होंने एक आरोपित को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने पीड़िता के आवेदन पर मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि दूसरे आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। रविवार को घटना के विरोध में आदिवासी समुदाय के लोगों ने ललमटिया थाना परिसर में प्रदर्शन कर दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी और कठोर सजा की मांग की। आदिवासी संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि निष्पक्ष जांच नहीं की गई, तो राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद हेम्ब्रम, सोनालाल टुडू, दीवान किस्कू, रमेश, वीरेंद्र, संतोष किस्कू, अजय किस्कू सहित लीलातरी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि ने घटना पर गहरा आक्रोश जताते हुए प्रशासन से कठोर कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल है। ललमटिया थाना प्रभारी के अनुसार, मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और शीघ्र ही फरार आरोपित को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्रकृति विहार पार्क डेवलप करने को लेकर उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के द्वारा अमड़ापाड़ा प्रखंड के डाकबंगला स्थित पार्क पहुंचे वहां देखभाल रखरखाव सहित अन्य कार्यों की जानकारी ली। ज्ञात हो कि प्रखण्ड स्थित प्रकृति विहार पार्क एक मनोरम पर्यटनीय स्थल है जो विगत वर्षों से रख रखाव और देखभाल के अभाव में अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा हैं। वहीं आज पार्क को डेवलप करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश बीजीआर कोल कंपनी के अधिकारी को दिया गया, अब देखना दिलचस्प होगा कि कार्य धरातल पर कब दिखता हैं। डीसी व एसपी ने अबुआ आवास का किया निरीक्षण। इसके अलावा उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के द्वारा अमड़ापाड़ा प्रखंड के सालपतरा में अबुआ आवास का निरीक्षण किया गया।उपायुक्त ने अबुआ आवास योजना के तहत बन रहे घरों का जायजा लिया और निर्माण कार्य की गुणवत्ता देखी। उन्होंने निर्माण कार्य तेजी से पूरा करने हेतु लाभुकों को निर्देशित किया और कहा कि 28 मई को सभी लाभुकों का एक साथ गृह प्रवेश कराया जाएगा। उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने बनाए जा रहे मांडल आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण। उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षकप्रभात कुमार के द्वारा अमड़ापाड़ा प्रखंड के सालपतरा में बनाए जा रहे मांडल आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर, आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। वहीं उपायुक्त ने कहा कि जिले में 10 मांडल आंगनबाड़ी केंद्र बनायें जा रहे हैं।

पाकुड़ में 3150 क्विंटल धान का बीज किसानों के बीच किया गया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में आज रविवार को संयुक्त कृषि भवन, पाकुड़ में बीज दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें जिला कृषि पदाधिकारी, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी, जन प्रतिनिधिगण, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, तकनीकी सहायक एवं अन्य उपस्थित हुए। उक्त कार्यक्रम में किसानों को खरीफ मौसम में खरीफ के मुख्य फसलों जैसे धान, मक्का, ज्वार, रागी, तिल, उरद, अरहर आदि के प्रभेदों से अवगत कराया गया एवं बीज विनिमय वितरण तथा बीजोत्पादन योजना अंतर्गत खरीफ फसलों हेतु विभिन्न लैंप्स एवं एफपीओ में बीज की उपलब्धता की जानकारी किसानों को दी गई। जिला पाकुड़ हेतु कुल 3150 क्विंटल धान बीज एवं अन्य बीज का आवंटन प्राप्त हुआ है जिसे किसानों के बीच 50 प्रतिशत अनुदान पर जिला अंतर्गत लैंप्स एवं एफपीओ के माध्यम से ब्लॉक चैन टेक्नोलॉजी अंतर्गत ओटीपी के द्वारा वितरित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त किसानों को अन्य योजनाओं जैसे बिरसा फसल विस्तार योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन अंतर्गत क्लस्टर में शत प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराए जाने वाले बीजों की जानकारी दी गई। अंत में खरीफ मौसम हेतु बीज वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए उपस्थित किसानों के बीच धान बीज का वितरण जन प्रतिनिधि, जिला कृषि पदाधिकारी एवं भूमि संरक्षण पदाधिकारी के द्वारा किया गया।

फिर बढ़ने लगे हैं, बदलते मौसम के साथ डायरिया के प्रकोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : प्रखंड में बदलते मौसम के साथ क्षेत्र में एक बार फिर डायरिया का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है रविवार को अनुमंडल अस्पताल में डायरिया से गंभीर रूप से पीड़ित चार मरीज भर्ती हैं। जिसका डॉक्टरों की देखरेख में इलाज किया जा रहा है। इस संबंध में अस्पताल के प्रभारी प्रभार उपाधीक्षक डॉक्टर सादिक अंसारी ने बताया कि एक बार फिर से बदलते मौसम के मिजाज के कारण डायरिया, लूज मोशन क्षेत्र में फैल रहा है। लगातार डायरिया के मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं हालांकि सभी का इलाज किया जा रहा है। पर्याप्त रूप से डायरिया से संबंधित दवा ओआरएस एवं सलाइन आदि उपलब्ध है। अस्पताल में मरीजों को सारी व्यवस्था दी जा रही है। पिछले कई दिनों से लगातार डायरिया के मरीज अस्पताल में आते देखे जा रहे हैं।

साक्षरता मोड़ के समीप ई रिक्शा पलटने से महिला की हुई मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत साक्षरता मोड़ के समीप सवारियों से भरी हुई एक ई रिक्शा का दाहिना एक्सेल टूटने के कारण बीच सड़क पर ई रिक्शा पलटने से उसमे दबकर एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जहां स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला को आनन फानन में बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. ऋतुराज ने उसे मृत घोषित कर दिया। वही महिला की पहचान छोटा मदनशाही निवासी मो. बहरुद्दीन की 55 वर्षीय पत्नी कारी खातून के रूप में हुई है। वही मृतक के पति मो. बहरुद्दीन ने बताया कि उसकी पत्नी अपने घर से साहिबगंज हटिया जा रही थी तभी अचानक ई रिक्शा का आगे का पहिया टूट गया और उसकी पत्नी के ऊपर ई रिक्शा पलट गया जिसके कारण वो गंभीर रूप से घायल हो गई। उधर सदर अस्पताल में ड्यूटी पर रहे डॉ. ऋतुराज ने बताया कि मृतक महिला के सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हुई है। उधर इस घटना के बाद जिरवाबाड़ी पुलिस ने मृतक महिला के शव को अपने कब्जे में लेते हुए सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद उसके शव को परिजनों को सौंप दिया।उधर जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

साहिबगंज में महिला बैरक के पास सिपाही का संदिग्ध अवस्था में मिला शव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस लाइन स्थित महिला बैरक के पास रविवार को एक सिपाही का शव संदिग्ध अवस्था में मिला। शव की पहचान पुलिसकर्मी सुरजीत यादव के रूप में हुई है। वह पुलिस लाइन में पद स्थापित थे। उनका बायां हाथ टूटा हुआ था और शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। आशंका जताई जा रही है कि शनिवार की रात घटना को अंजाम दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही जिरवाबाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को जिरवाबाड़ी थाना पुलिस अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। मेडिकल बोर्ड की टीम ने पोस्टमार्टम किया। पहले गोली मारने की आशंका जताई गई थी, लेकिन पोस्टमार्टम में गोली लगने की पुष्टि नहीं हुई है। सुरजीत यादव मूल रूप से पाकुड़ जिले के महेशपुर थाना क्षेत्र के ग्वालापाड़ा गांव के रहने वाले थे। 2011 में झारखंड पुलिस में बहाल हुए थे। 2015 में उनकी शादी शोभनपुर भट्टा निवासी सुरेंद्र यादव की बड़ी बेटी से हुई थी। उनकी दो बेटियां हैं, एक 7 साल की, दूसरी 2 साल की। बड़ी बेटी संत जेवियर स्कूल में पढ़ती है। सुरजीत ने आजाद नगर में जमीन लेकर घर बनाया था। दो दिन पहले उनका तबादला मुफ्फसिल थाना से पुलिस लाइन किया गया था। वह टाइगर मोबाइल और सिविल जज के अंगरक्षक भी रह चुके हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार सुरजीत की ड्यूटी कमान के तहत दुमका मंडल कारा में लगाई गई थी और वह जल्दी वहां रवाना होने वाले थे। लेकिन उससे पहले ही उनकी रहस्यमई मौत हो गई जिससे पूरे पुलिस महकमे में खलबली मच गई है। पत्नी ने बताया कि शनिवार शाम वह एक साथी सिपाही के साथ घर से निकले थे। रात में घर नहीं लौटे। काफी खोजबीन की गई, लेकिन पता नहीं चला। साहिबगंज एसपी अमित कुमार सिंह कोलकाता में है। उनके नहीं होने पर गोड्डा एसपी अनिमेष नैथानी ने जांच की। गोड्डा एसपी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। संदिग्ध पुलिसकर्मियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एसआईटी टीम का गठन कर दिया गया है। पुलिस ने कहा कि जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

कई माह से तीन पंचायतों में नियमित टीकाकरण बंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : प्रखंड के जेटके कुम्हार जोरी, चसगांवा एवं दुर्गा टोला पंचायतों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित टीकाकरण सहित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एएनएम के अभाव में ठप है। जानकारी के अनुसार जेटके कुम्हार जोरी पंचायत के देवपहाड़ स्वास्थ्य केंद्र में एक माह से टीकाकरण सहित कई स्वास्थ्य कार्यक्रम बंद है। देवपहाड़ एचएस अंतर्गत 11 आंगनबाड़ी केंद्रों में आरआई, टीकाकरण, गर्भवती एवं धात्री माताओं का स्वास्थ्य जांच, मलेरिया, कालाजार, एनीमिया, जैसी बीमारियों का इलाज नहीं हो पा रहा है। स्वास्थ्य केंद्र में ओपीडी बंद है और केंद्र बिरान पड़ा हुआ है। इसका कारण यहां एएनएम का पद रिक्त है। सीएचओ का पद भी खाली है। सीएचओ को सिविल सर्जन ने सदर अस्पताल में प्रतिनियुक्ति कर दिया है। देवपहाड़ स्वास्थ्य केंद्र में 3500 लोगों का स्वास्थ्य कार्यक्रम बाधित है। यहां की एएनएम नूतन कुमारी 30 अप्रैल को सेवा निवृत हो चुकी है। एएनएम के नहीं रहने से एमपीडब्ल्यू को स्वास्थ्य संबंधी कार्य करने का निर्देश दिया गया है। एएनएम के नहीं रहने से क्षेत्र में मलेरिया, कालाजार जैसी बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। गर्भवती एवं धात्री महिलाओं का स्वास्थ्य बाधित है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इंचाटांड गांव में पिछले माह 08 लोग मलेरिया पॉजिटिव मिले थे। देवपहाड़ की सहिया साथी यशोदा देवी ने बताया कि विगत एक माह से देवपहाड़ स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत गांव में टीकाकरण सहित स्वास्थ्य कार्यक्रम बाधित है। 11 आंगनबाड़ी केंद्रों में टीकाकरण बंद, देवपहाड़ स्वास्थ्य केंद्र प्रखंड के जेटके कुम्हारजोरी पंचायत में है। जानकारी के अनुसार शहरजोरी, कुम्हरिया, अमरपुर, जेटके कुम्हारजोरी, सरायविंधा, करमाटांड़, चालधोवा, ईचाटांड़, रामपुर, गड़गड़ी एवं जीतपुर आदि गांव में टीकाकरण सहित अन्य कई स्वास्थ्य कार्यक्रम बाधित है। वही दुर्गा तोला स्वास्थ्य केंद्र में विगत 6 माह एवं चसगांवा स्वास्थ्य केंद्र में विगत एक साल से एएनएम का पद रिक्त है। दुर्गा टोला में 3600 एवं चसगांवा में लगभग 5500 लोगों का स्वास्थ्य कार्यक्रम बाधित है। सीएससी प्रभारी डॉक्टर साकेत सानू ने कहा कि सीएससी के देवपहाड़, दुर्गा टोला, एवं चसगांवा में एएनएम की पदस्थापना के लिए उपायुक्त को व्यक्तिगत रूप से अवगत कराया गया है। उपायुक्त ने तीनों स्वास्थ्य केंद्रों में बहुत जल्द एएनएम के पद स्थापन का आश्वासन दिया है।

संक्षिप्त खबरें

कंपोजिट कंट्रोल रूम तथा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए चिन्हित किए गए स्थल

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के द्वारा मुख्य डाकघर के समीप कंपोजिट कंट्रोल रूम निर्माण करने हेतु स्थल का निरीक्षण किया। साथ ही प्रोजेक्ट प्रयास के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं का संचालन हेतु खाली पड़े सर्व शिक्षा अभियान के पुराने कार्यालय भवन को चिन्हित कर जीर्णोद्धार करने का निर्देश दिया गया।

महिला के साथ छेड़खानी करने को लेकर ग्रामीणों ने एक व्यक्ति को बंधक बनाया

साहिबगंज : राधानगर थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार को एक व्यक्ति को महिला से छेड़खानी के आरोप में ग्रामीणों ने बंधक बना लिया। ग्रामीणों ने आरोपी को पेड़ से बांधकर पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुँचकर उसे छुड़ाया,जहाँ उससे पूछताछ की जा रही है। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है। वाइरल वीडीओ में ग्रामीणों द्वारा एक पेड़ में आरोपी को बांध कर रखा है।मिली जानकारी के अनुसार, रविवार को गांव के ही मोहिउद्दीन शेख उर्फ मोहिया ने एक महिला को घर में अकेला देखकर उसके साथ कथित तौर पर गलत हरकत करने की कोशिश की। महिला ने अपनी आबरू बचाने के लिए शोर मचाना शुरू कर दिया। महिला का शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुँच गए। उन्होंने मोहिउद्दीन शेख उर्फ मोहिया को रंगे हाथ पकड़ लिया और उसे एक पेड़ से बांधकर बंधक बना लिया। इसके बाद ग्रामीणों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस प्रशासन को दी।सूचना पाकर पुलिस टीम तुरंत गांव पहुँची और ग्रामीणों के चंगुल से उक्त व्यक्ति को छुड़ाया। पुलिस मोहिउद्दीन शेख उर्फ मोहिया को घटना के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है। चर्चा है कि मामले को रफा-दफा करने के लिए दोनों पक्षों के बीच सुलह-समझौता कराने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई थी।

देशी कट्टा के साथ एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: तीनपहाड़ थाना पुलिस ने सूचना के आधार पर देशी कट्टा के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक रत्न मंडल (32) वर्ष पिता स्व फूलचंद मंडल ग्राम चंडीपुर थाना तीनपहाड़ का रहने वाला है। पुलिस सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि रत्न मंडल के साथ गाँव के अगल-बगल के लोगों से चापानल से पानी भरने को लेकर शनिवार की सुबह विवाद हुई थी। विवाद के बाद घर के अगल-बगल वाले के साथ हो-हल्ला हुई, जिसके बाद आरोपी शनिवार की रात्रि लगभग 11 बजे एक देशी कट्टा निकालकर लोगो में भय फैलाकर गाँव में दबदबा बनाने की कोशिश कर रहा था। सूचना मिलने के बाद तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृतुन्जय कुमार पाण्डेय ने त्वरित करवाई करते हुए घटना स्थल पर पहुँच युवक को खदेड़ कर पकड़ लिया। मौके पर युवक के पास से पुलिस ने एक देशी कट्टा बरामद कर लिया है। इस मामले में तीनपहाड़ थाना कांड संख्या 85/25 दर्ज कर लिया है। आरोपी का पूर्व में आपराधिक इतिहास रह चुका है। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस थाना लाकर कानूनी प्रक्रिया करने के बाद युवक को जेल भेजने की प्रक्रिया चल रही थी। इस संबंध में तीनपहाड़ थाना प्रभारी एम के पाण्डेय ने बताया कि सूचना के आधार पर युवक को गिरफ्तार कर कानूनी प्रक्रिया करने के बाद न्यायिक हिरासत मे भेज दिया गया।

अवैध 21 सिंबल लकड़ी लदा पिकअप वैन के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

साहिबगंज: तालझारी वन विभाग ने शनिवार की रात्रि गुप्त सूचना के आधार पर तालझारी वन क्षेत्र के कचौड़ी मुंडी के बीच सड़क में 21 सिमल लकड़ी लदा पिकअप वैन को जप्त किया गया। लकड़ी माफिया मुस्तफा को गिरफ्तार कर जेल भेजा। वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे ने बताया कि गुप्त सूचना मिली की कचौड़ी मुंडी में जंगल से लकड़ी काट कर पिकअप वैन में लोड कर रहा है जिसमें प्रभारी वन पाल राणा रंजीत, वन रक्षी पप्पू कुमार एवं प्रेम कुमार ने जंगल में जाकर देखा कि कचौड़ी मुंडी के रास्ते एक पिकअप वैन में लकड़ी लोड कर आ रहा था जब उसे रोकने कहा तो गाड़ी रोक कर ड्राइवर सहित तीन व्यक्ति अंधेरा का लाभ उठाकर भाग गया, परन्तु एक लड़की माफिया मुस्तफा अंसारी को पकड़ कर वन कार्यालय लाया गया और पिकअप वैन में लोड सिमल के 21 बोटा लकड़ी जिसकी कि स्मत लगभग पचास हजार रूपया है। जिसे पूछताछ करने के बाद उक्त व्यक्ति को जेल भेज दिया गया। मुस्तफा अंसारी पर पहले भी कई मामला दर्ज है। इस केस में चार व्यक्ति पर वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया एक व्यक्ति को जेल भेजा गया बाकि को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा। इस दौरान प्रभारी वन पाल राणा रंजीत, वन रक्षी पप्पू कुमार एवं प्रेम कुमार गुड्डू, रोहित सहित वन कर्मी मौजूद थे।

कवि बिनंद सिंह देव सेवा संस्थान की बैठक संपन्न

सिल्ली : सिल्ली के छाता टांड़ स्थित सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में रविवार को कवि बिनंद सिंह देव सेवा संस्थान की एक बैठक संस्था के संरक्षक राजा पुष्पेंद्र सिंह देव के अध्यक्ष में की गई। बैठक में संस्थान द्वारा चलाए जा रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा लोक कला व संस्कृति तथा अपने पारंपरिक तकनीकी एवं वाद्य यंत्रों को संरक्षित करने हेतु विशेष चर्चा की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए राजा पुष्पेन्द्र नाथ सिंह देव ने कहा कि संस्थान के कार्यों को आगे बढ़ाने एवं संस्थान के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए हमें ओर मेहनत करनी होगी। उन्होंने प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए सदस्यों को संगठित होकर कार्य करने का आग्रह किया। इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष ठाकुर दास कोईरी ,सचिव बजरंग पातर मुंडा, कोषाध्यक्ष सरोज कुमार सिंह, लखीराम नायक, देवेन्द्र प्रसाद महतो, रविन्द्र नाथ महतो,निदेशक नील कान्त यादव, उपनिदेशक परशुराम महतो,कीर्ति चंद महतो, लखीचरण महतो आदि उपस्थित थे।

एयरटेल की बढ़ती दूरसंचार धोखाधड़ी के खिलाफ संयुक्त पहल

एयरटेल ने जियो, वीआईएल से संपर्क किया

नई दिल्ली।

भारती एयरटेल ने सरकार और ट्राई को सूचित किया है कि वह दूरसंचार धोखाधड़ी और घोटालों के खिलाफ एक संयुक्त पहल के लिए रिलायंस जियो और वीआईएल से संपर्क किया है। एयरटेल ने सभी दूरसंचार कंपनियों से सहयोग करने की अपील की है और 2024 के पहले नौ माह में भारत में 17 लाख से अधिक साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज होने का बताया है। एयरटेल ने डिजिटल धोखाधड़ी और घोटालों के खिलाफ लड़ाई में अपनी स्थिति मजबूत की है और 14 मई, 2025 को एक संयुक्त दूरसंचार धोखाधड़ी पहल शुरू करने की घोषणा की है। एयरटेल ने उद्योग को एकजुट करने की जरूरत को दर्शाते हुए सार्वजनिक यूजर्स को धोखाधड़ी से बचाने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया है।

एनटीपीसी को 7897 करोड़ रुपये का हुआ मुनाफा

नई दिल्ली।

नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन (एनटीपीसी) ने अपने वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं, जिसमें कंपनी ने उम्दा प्रदर्शन दिखाया है। इस तिमाही में एनटीपीसी का मुनाफा पिछले साल के मुकाबले 22 फीसदी बढ़ गया है और कमाई भी 3.2 फीसदी बढ़कर 49,834 करोड़ रुपये हो गई है। एनटीपीसी ने प्रति शेयर 3.35 रुपये का डिविडेंड घोषित किया है। पिछली तिमाही से तुलना करें, इस बार मुनाफा में 53 फीसदी की वृद्धि देखने को मिली है और कमाई में भी 11 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। बिजली उत्पादन से कंपनी ने कमाई में तेजी दिखाई है, जिससे एनटीपीसी ने 49,353 करोड़ रुपये की कमाई की है। पूरे साल में भी कंपनी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है,`` वित्त वर्ष 25 में एनटीपीसी की कमाई में 5 फीसदी की वृद्धि हो गई है। इसके साथ ही एनटीपीसी के खर्च में भी वृद्धि हुई है, खर्चा ईंधन, बिजली खरीदने, कर्मचारियों के वेतन और ब्याज जैसे मदों में भी इजाफा हुआ है।

केंद्र सरकार ने पेंशन योजना में किया बदलाव

केंद्रीय कर्मचारियों को मिलेगा नया विकल्प

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल 2025 कोअपने कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) नाम से एक नई पेंशन योजना शुरू की थी। इस योजना में कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद एक निश्चित पेंशन का वादा किया गया है। यूपीएस ने एनपीएस से अलग होने का विकल्प दिया है। एनपीएस में पेंशन की राशि निश्चित नहीं होती थी, जबकि यूपीएस ने कर्मचारियों को ज्यादा निश्चितता प्रदान की है। यूपीएस में सरकारी कर्मचारियों को उनकी अंतिम 12 महीनों की औसत बेसिक सैलरी का 50 फीसदी मासिक पेंशन के रूप में मिलेगा। इसके लिए कर्मचारियों को कम से कम 25 साल की नौकरी पूरी करनी होगी। यूपीएस योजना में शामिल होने के लिए कर्मचारियों को 30 जून तक अप्लाई करना होगा। फॉर्म ए2 और फॉर्म ए1 भरकर योग्य कर्मचारियों को यूपीएस के लिए अप्लाई करना होगा। आखिरी तारीख निकल जाने पर अतिरिक्त समय दिया जा सकता है। वापस एनपीएस में जाने का विकल्प उपलब्ध नहीं है। यूपीएस योजना के लिए योग्य कर्मचारी- वर्तमान कर्मचारी एनपीएस के तहत आने वाले, 10 साल सेवा पूरी करने वाले रिटायर हुए कर्मचारी, अंतिम निर्णय देने वाले विधवा जीवन साथी और 56(जे) नियमों के तहत राज्य से रिटायर हुए कर्मचारी। यूपीएस निश्चित और सुरक्षित पेंशन की योजना है और इसे चुनने का मौका केंद्र सरकारी कर्मचारियों को 30 जून तक है।

अब ड्रोन से घर पहुंचेगा आपका सामान, अमेजन ने बढ़ाया दायरा

नई दिल्ली।

कभी साइंस फिक्शन का हिस्सा मानी जाने वाली ड्रोन डिलीवरी अब हकीकत बन चुकी है। अमेजन ने 2022 में अमेरिका में ड्रोन के जरिए सामान डिलीवर करना शुरू किया था और अब यह सेवा तेजी से विस्तार कर रही है। अमेजन का दावा है कि ग्राहक के ऑर्डर बटन पर टैप करने के बाद लगभग 60 मिनट या उससे भी कम समय में अपना पैकेज पा सकते हैं। फिलहाल यह सुविधा अमेरिका के चुनिंदा शहरों फीनिक्स (एरिजोना) और कॉलेज स्टेशन (टेक्सास) में उपलब्ध है। ड्रोन डिलीवरी के लिए ऑर्डर का वजन अधिकतम पांच पाउंड यानी करीब 2.2 किलोग्राम होना चाहिए। ग्राहक चेकआउट के समय ड्रोन डिलीवरी का विकल्प चुन सकते हैं और अपना पसंदीदा डिलीवरी स्पॉट भी तय कर सकते है, जैसे ड्राइववे या यार्ड। अमेजन के एमके30 ड्रोन हवा में करीब 13 फीट की ऊंचाई से पैकेज गिराते हैं। यह ड्रोन उस स्थान को स्कैन करता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वहां कोई बाधा जैसे पालतू जानवर, वाहन या व्यक्ति मौजूद न हो। एफएए से मिली मंजूरी के बाद अब अमेजन आईफोन, सैमसंग गैलेक्सी डिवाइस, एयरपॉड्स और रिंग डोरबेल जैसे प्रीमियम आइटम्स की भी ड्रोन डिलीवरी करने लगा है।

अगर डिलीवरी संभव नहीं होती, तो ग्राहक को इसका कारण बताया जाएगा। मौसम का भी खास ख्याल रखा जाता है। हल्की बारिश में भी डिलीवरी संभव है, लेकिन खराब मौसम में यह विकल्प ऐप में दिखेगा ही नहीं। ड्रोन टेक्नोलॉजी अब पैकेज डिलीवरी को न सिर्फ तेज बना रही है, बल्कि इसे ज्यादा स्मार्ट और सेफ भी बना रही है। भारत में यह सुविधा अभी नहीं है, लेकिन भविष्य में इसकी उम्मीद की जा सकती है।

भारत की डिफेंस कंपनी को इजराइल से मिला 17.52 मिलियन डॉलर का ऑर्डर

भारत की तकनीकी क्षमता और बढ़ेगी, देश को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली। भारत की देशी कंपनियों ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को धूल चटाई है। इस ऑपरेशन के बाद भारतीय हथियारों की मान्यता ने दुनिया में चर्चे बना दिए हैं। इस उत्कृष्ट अदम्य तकनीक का उद्यम एक और उच्चाधिकारी के साथ साबित हुआ है, जब इजराइल की एक कंपनी ने भारतीय कंपनी नाइब लिमिटेड के साथ एक 17.52 मिलियन डॉलर (करीब 150 करोड़ रुपये) का ऑर्डर किया है। यहां इस ऑर्डर के माध्यम से भारत की तकनीकी क्षमता और बढ़ेगी और देश को विश्वभर में आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। इजराइल की यह कंपनी टेक्नोलॉजी के मामले में बहुत आगे है। इस ऑर्डर में यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चर बनाने और सप्लाई करने हैं। ये लॉन्चर 300 किलोमीटर तक मार कर सकते हैं। यह बहुत ही आधुनिक तकनीक है। भारत में पहली बार ऐसा हो रहा है कि यह तकनीक विदेश के लिए बनाई जा रही है। कंपनी का कहना है कि इस कॉन्ट्रैक्ट से आत्मनिर्भर भारत के सपने को और मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलेगा।

भारत में जल्द लॉन्च होगा एक्स-एडीवी 750 स्कूटर, होंडा ने जारी किया टीजर

नई दिल्ली।

होंडा बाइक एंड स्कूटर इंडिया ने अपनी बहुप्रतीक्षित एक्स-एडीवी 750 एडवेंचर स्कूटर का आधिकारिक टीजर जारी कर भारत में स्कूटर सेगमेंट में हलचल मचा दी है। कंपनी ने यह टीजर रेबेल 500 क्रूजर की लॉन्चिंग के एक दिन बाद रिलीज किया। सोशल मीडिया पर इस टीजर को गेम चेंजर टैगलाइन के साथ साझा किया गया है, जिससे इसके जल्द लॉन्च होने के संकेत मिलते हैं। ग्लोबल मार्केट में एक्स-एडीवी 750 को एक प्रीमियम मैक्सी-स्कूटर के तौर पर जाना जाता है, जो एडवेंचर टूरिंग क्षमताओं को शहरी सुविधाओं के साथ जोड़ता है। यह स्कूटर 745 सीसी पैरेलल-ट्विन इंजन से लैस है, जो 58 बीएचपी की पावर और 69 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 6-स्पीड डुअल क्लच ट्रांसमिशन दिया गया है, जो इसे भारत में मौजूद स्कूटरों से अलग बनाता है। मजबूत अंडरपिनिंग के तहत इसमें फ्रंट में 17 इंच और रियर में 15 इंच के वायर-स्पोक व्हील्स, डुअल फ्रंट डिस्क ब्रेक और लॉन्ग ट्रैवल सस्पेंशन मिलता है, जो हल्के ऑफ-रोड और टूरिंग के लिए उपयुक्त है। इसमें फुल एलईडी लाइटिंग, एडजस्टेबल विंडस्क्रीन, बड़ा डिजिटल डिस्प्ले और मल्टीपल राइडिंग मोड्स मिलते हैं। इंटरनेशनल वर्जन में इसे अर्बन, एडवेंचर और कम्फर्ट जैसे एक्सेसरी पैक्स के साथ भी पेश किया जाता है। भारत में होंडा की अब तक की छवि मुख्य रूप से कम्यूटर स्कूटर्स जैसे एक्टिवा और डियो तक सीमित है, लेकिन रेबेल 500 और एक्स-एडीवी जैसे मॉडल के जरिये कंपनी अब प्रीमियम सेगमेंट में गंभीरता से कदम रख रही है। जल्द ही एक्स-एडीवी 750 को भारत में लॉन्च किया जा सकता है।

वृहद आर्थिक आंकड़े और वैश्विक रुझान से तय होगी शेयर बाजार की चाल

मानसून की प्रगति पर जानकारी भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगी

मुंबई (ईएमएस)। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की चाल वृहद आर्थिक आंकड़ों की घोषणाओं, वैश्विक रुख और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों का यह कहना है। वैश्विक अनिश्चितताओ के बीच बीते सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार गिरावट में रहे थे। बाजार के जानकारों ने कहा` कि वैश्विक और घरेलू घटनाक्रमों की वजह से बीते सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार का प्रदर्शन सुस्त रहा है। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी और अमेरिका के बढ़ते कर्ज के बोझ को लेकर चिंताओं के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी बढ़ी। इससे भारत सहित अन्य उभरते बाजारों पर दबाव पड़ा। इस सप्ताह 28 मई को भारत के अप्रैल के औद्योगिक उत्पादन और विनिर्माण उत्पादन के आंकड़े और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े आने हैं। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था की सुधार की स्थिति के बारे में जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मानसून की प्रगति पर जानकारी भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगी। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी बॉन्ड बाजार के घटनाक्रम, फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे और अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता से भी बाजार की धारणा प्रभावित होगी। मई के डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान और कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों के अंतिम दौर का भी बाजार पर प्रभाव पड़ेगा। सप्ताह के दौरान बजाज ऑटो, अरविंदो फार्मा और आईआरसीटीसी जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आएंगे। बाजार`` विशेषज्ञ कहते हैं` कि आगे बाजार का रुख मजबूत रहने की उम्मीद है। वृहद आर्थिक आंकड़े और कंपनियों तिमाही नतीजे बाजार को समर्थन प्रदान करेंगे। निवेशकों की नजरें इस सप्ताह जारी होने वाले इन आंकड़ों पर रहेगी। इस सप्ताह भारत और अमेरिका के जीडीपी वृद्धि के आंकड़े भी आएंगे। विश्लेषकों का कहना है कि इस सप्ताह बाजार के भागीदार सबसे पहले रिजर्व बैंक द्वारा सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड लाभांश हस्तांतरण और राजकोषीय नीति के लिए इसके निहितार्थ पर प्रतिक्रिया देंगे। अमेरिकी अर्थव्यवस्था, विदेशी निवेश प्रवाह और व्यापार वार्ताओं को

लेकर जारी अनिश्चितता को देखते हुए भारतीय बाजार में निकट भविष्य में एकीकरण का दौर देखने को मिल सकता है। एक विशेषज्ञ ने कहा कि बढ़ते कर्ज के कारण अमेरिकी राजकोषीय स्वास्थ्य को लेकर चिंताओं के बीच पिछले पूरे सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव रहा। एक शोध प्रमुख ने कहा` कि निवेशकों का ध्यान अब अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता और मजबूत घरेलू वृहद आर्थिक संकेतकों पर है। हालांकि, बढ़ते अमेरिकी कर्ज को लेकर चिंताओं के बीच बढ़ते अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल के कारण एफआईआई की हालिया निकासी से बाजार की धारणा पर असर पड़ सकता है।

तेल तिलहन बाजार में सरसों, मूंगफली, बिनौला की कीमतों में तेजी रही

कच्चे पामतेल और पामोलीन तेल की कीमतों में आई गिरावट

- सरसों दाने का थोक भाव 6,625-6,710 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद
- सरसों दादरी तेल का थोक भाव 14,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली।

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह में तेलों की कीमतों में सुधार दर्ज हुआ है। सरसों तेल-तिलहन, मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दाम में तेजी दर्ज की गई, जबकि कच्चे पामतेल और पामोलीन तेल की कीमतों में गिरावट आई है। बाजार के सूत्रों के मुताबिक इस बार किसानों की कमजोर आवक और मांग बढ़ने के कारण महसूस किया जा रहा है कि इस मौसम में सरसों की आवक में कमी होने की वजह से देश के सरसों तेल के बाजार में मांग प्रभावित हो रही है। इसके अलावा अपनी मांग की वजह से कच्ची घानी की सरसों तेल महसूस हो रही है। अन्य तेलों में भी मांग बढ़ने के कारण कमी आई है, जैसे ब्रांडेड कच्ची घानी तेल और सोयाबीन तेल। इस स्थिति में, बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन की कीमतों में सुधार आया है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 110 रुपये के सुधार के साथ 6,625-6,710 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि, सरसों दादरी तेल का थोक भाव 300 रुपये के सुधार के साथ 14,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,485-2,585 रुपये और 2,485-2,620 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश- 4,450-4,500 रुपये और 4,200-4,250 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रहे। इसी प्रकार, सोयाबीन इंदौर तेल का भाव भी 13,100 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर बना रहा। सोयाबीन दिल्ली एवं और सोयाबीन डीगम तेल के दाम क्रमश- 50-50 रुपये का सुधार दर्शाते क्रमश- 13,300 रुपये और 9,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन के भाव भी मजबूत बंद हुए। मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये की मजबूती के साथ 5,800-6,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमश- 50 और 10 रुपये की मजबूती के साथ क्रमश- 14,200 रुपये क्विंटल और 2,270-2,570 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। सूत्रों ने कहा कि बाजार के आम रुख के उलट, सीपीओ 225 रुपये की गिरावट के साथ 11,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 75 रुपये की गिरावट के साथ 13,025 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 25 रुपये की गिरावट के साथ 11,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते में शुल्क रियायत की पेशकश बहुत छोटी-अधिकारी

नई दिल्ली। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत भारत ने वाहन क्षेत्र के लिए शुल्क रियायत की पेशकश की है, जिसे अधिकारियों ने बहुत छोटी बताया है। इस पेशकश में वाहन क्षेत्र के लिए आयात शुल्क में 10 से 15 साल की अवधि में कमी और कोटा इंजन की क्षमता और वाहन की कीमत पर निर्भरता है। भारत और ब्रिटेन ने छह मई को व्यापार समझौते के लिए बातचीत के समापन की घोषणा की है। यह व्यापार करार 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम करेगा और ब्रिटिश कंपनियों के लिए भारत को व्हिस्की, कार और अन्य उत्पादों का निर्यात सुगम बनाएगा। इससे कुल व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। इसका उद्देश्य 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को मौजूदा के 60 अरब डॉलर से दोगुना करने का है। दोनों पक्षों के कोटा के तहत वाहन आयात पर शुल्क की दर 100 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत रह जाएगी। इससे टाटा-जेएलआर जैसी कंपनियों को लाभ होगा। टाटा मोटर्स समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) ने पहले कहा था कि यह समझौता भारत में जेएलआर के प्रदर्शन को आगे बढ़ाने के लिए अच्छा संकेत है क्योंकि इससे भविष्य की कारों को लाभ होगा और ग्राहकों को वैश्विक कारों और वैश्विक कीमतों तक बहुत तेजी से पहुंचने में मदद मिलेगी। दूसरी ओर, मर्सिडीज-बेंज और बीएमडब्ल्यू ने एफटीए को एक सकारात्मक घटनाक्रम बताया है।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पीएफ अकाउंट में 8.25 फीसदी ब्याज दर मंजूर

7 करोड़ कर्मचारियों को ट्रांसफर होगी ब्याज की रकम, 1 लाख पर 8,250 रुपए मिलेंगे

नई दिल्ली।

भारतीय सरकार ने वित्त मंत्रालय के द्वारा एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन (ईपीएफओ) को 2024-25 के लिए वृद्धि दर 8.25 फीसदी पर पीएफ अकाउंट में जमा राशि पर ब्याज मिलने की मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से अब देश के 7 करोड़ से अधिक कर्मचारियों के पीएफ अकाउंट में ब्याज की राशि स्वीकृत होगी। ईपीएफओ के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी ने 28 फरवरी को आयोजित मीटिंग में 8.25 फीसदी ब्याज दर को बरकरार रखने का निर्णय लिया था, जो पिछले वित्त वर्ष की दर के समान है। इस निर्णय के बाद वित्त मंत्रालय ने इसे मंजूरी के लिए नामंजूरी दे दी है। एक व्यक्ति के पीएफ अकाउंट में 1 लाख रुपये होने पर सालाना उसको 8,250 रुपये का ब्याज मिलेगा। इसी तरह पीएफ अकाउंट में 1 अप्रैल 2024 तक कुल 5 लाख रुपये जमा होने पर 41,250 रुपये के रूप में ब्याज की राशि मिलेगी। ईपीएफओ एक्ट के तहत कर्मचारी की बेसिक सैलरी प्लस डीए का 12 फीसदी पीएफ अकाउंट में जमा होता है, जिसमें कंपनी और कर्मचारी दोनों की योगदान शामिल होता है। कंपनी का 12 फीसदी कॉन्ट्रीब्यूशन में से 3.67 फीसदी पीएफ अकाउंट में जमा होता

है और बाकी पैसा पेंशन स्कीम में जाता है। कर्मचारी का पूरा 12 फीसदी कॉन्ट्रीब्यूशन पीएफ अकाउंट में जमा होता है।

चीन जल्द लॉन्च करेगा नया एडवांस्ड ड्रोन मदरशिप जियु टियान

भारत ने भी भार्गवास्त्र काउंटर-ड्रोन प्रणाली का परीक्षण कर दिया जवाब

बीजिंग।

चीन जल्द ही अपना नया एडवांस्ड ड्रोन मदरशिप जियु टियान लॉन्च करने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह ड्रोन जून के आखिर तक पहली मिशन फ्लाइट पर रवाना होगा। इस मिशन के साथ ही चीन की लंबी दूरी की मानवरहित हवाई क्षमताओं में यह बड़ा इजाफा माना जा रहा है। इससे पहले भारत ने अपनी सुरक्षा तैयारियों का कड़ा संदेश देते हुए भार्गवास्त्र नामक नई काउंटर-ड्रोन प्रणाली का सफल परीक्षण किया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह मानवरहित हवाई वाहन अपनी पहली मिशन फ्लाइट जून के आखिर तक भरेगा। 'जियु टियान' का अर्थ है ÷ऊंचा आकाश÷ और इसे शांक्सी अनमैन्ड इक्विपमेंट टेक्नोलॉजी द्वारा विकसित किया गया है। यह यूएवी नवंबर 2024 में झुहाई एयर शो में पहली बार देखा गया था। इसकी रेंज 7000 किमी है। इसकी उड़ान ऊंचाई 15000 मीटर है। अधिकतम टेक-ऑफ वजन 16000 किलोग्राम है। पेलोड क्षमता 6000 किलोग्राम है। यह एक साथ 100 ड्रोन लॉन्च करने की क्षमता रखता है। यह क्रूज और पीएल-12ई एयर-टू-एयर मिसाइल से लैस इस यूएवी की सबसे खास बात यह है कि इसे मिशन के मुताबिक बदला भी जा सकता है। चाहे वो सीमा सुरक्षा, समुद्री निगरानी, इमरजेंसी रेस्क्यू या सैन्य ऑपरेशन हो।चीन की इस तैयारी के बीच भारत ने भी कम लागत वाली काउंटर-ड्रोन तकनीक 'भार्गवास्त्र' का परीक्षण कर चीन को जवाब दे दिया है। यह परीक्षण ओडिशा के गोपालपुर में पिछले हफ्ते किया गया था। भार्गवास्त्र भारत की स्वदेशी विकसित की गई एक बहुस्तरीय काउंटर-ड्रोन प्रणाली है, जिसे खासतौर पर छोटे, झुंड में आने वाले और कम ऊंचाई पर उड़ने वाले ड्रोन को मार गिराने के लिए तैयार किया गया है। यह काउंटर ड्रोन रक्षा प्रणाली 6 से 10 किलोमीटर तक की दूरी पर ड्रोन को ट्रैक कर सकती है और उन्हें इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग या हार्ड किल तकनीक से निष्क्रिय कर सकती है।

टाटा मोटर्स का ईवी बाजार में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी फिर हासिल करने का लक्ष्य

बाजार में लक्जरी कार सहित इस समय करीब 20 मॉडल

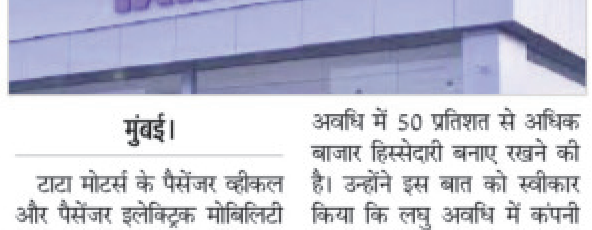

मुंबई।

टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल और पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के प्रबंध निदेशक ने दावा किया कि वे उत्पाद पोर्टफोलियो के विस्तार और नवीनीकरण के माध्यम से बाजार में एक प्रमुख भूमिका खेलने की कोशिश कर रहे हैं। कंपनी ने उच्च मानकों का पालन करते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आकर्षक ऑप्शन पेश किए हैं और अपने उत्पादों को 20 लाख रुपये से ऊपर के बाजार में उतारने का लक्ष्य रखा है। कंपनी अपनी आगामी हैरियर.ईवी और सिएरा.ईवी के साथ 20 लाख रुपये से ऊपर के बाजार में उतरने जा रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने बेड़े में ईवी के स्वामित्व की कुल लागत (टीसीओ) को सीएनजी वाहन के बराबर करने के लिए काम कर रही है ताकि मात्रा हासिल की जा सके। हमारी आकांक्षा मध्यम से दीर्घावधि अवधि में 50 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी बनाए रखने की है। उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि लघु अवधि में कंपनी को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। कंपनी की बाजार हिस्सेदारी में गिरावट आना काफी हद तक तय है, क्योंकि कई कंपनियां कई उत्पाद लेकर आ चुकी हैं। बाजार में लक्जरी कार सहित इस समय करीब 20 मॉडल हैं। यात्री इलेक्ट्रिक वाहन बाजार अब चार खंड में बंटा हुआ है।

यह है-8-12 लाख रुपये; 12 से 20 लाख रुपये; 20 लाख रुपये से अधिक और फ्लीट खंड। उन्होंने कहा कि कंपनी की बाजार हिस्सेदारी वर्तमान में लगभग 40-41 प्रतिशत है, जो पिछले वित्त वर्ष में लगभग 55 प्रतिशत थी, जिसका मुख्य कारण फ्लीट खंड में बिक्री में गिरावट और 12 से 20 लाख रुपये के खंड में तेज प्रतिस्पर्धा है।

गूगल सर्च के लिए यूजर्स को मिलेगा नया एआई मोड

ओपनएआई, माइक्रोसॉफ्ट और ऐपल को देगा टक्कर

नई दिल्ली।

गूगल सर्च के लिए यूजर्स को अब नया एआई मोड ऑफर किया जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नया फीचर यूजर्स को जेमिनी एआई से पावर्ड चैटबॉट जैसा रिस्पॉन्स देगा। गूगल ने इस फीचर को डिवेलपर कॉन्फ्रेंस में पेश किया गया। इस फीचर के आने से यूजर्स को सर्च पेज पर चैट-बेस्ड इंटरफेस में टॉगल करने का ऑप्शन मिल गया है। यह गूगल के इन्फर्मेशन ऑफर करने के तरीके में बदलाव है। इससे पता चलेगा कि कंपनी ओपनएआई, माइक्रोसॉफ्ट और ऐपल को एआई की दुनिया में कड़ी टक्कर देने के मूड में है। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि यह ज्यादा अडवांस्ड रीजनिंग के साथ सर्च का पूरी तरह से रीइमैजिनेशन है। उन्होंने कहा कि हम अब एआई प्लेटफॉर्म शिफ्ट के एक नए फेज में एंटर कर रहे हैं जहां दशकों की रिसर्च अब वास्तविकता बन रही है। गूगल का यह ऐक्शन चैटजीपीटी जैसे जनरेटिव एआई टूल के लिए एक रिपिटिव रिस्पॉन्स है, जो सवालों का नैचरल लैंग्वेज में उत्तर देते हैं और अलग-अलग वेब पेजों पर क्लिक करने की जरूरत को कम करते हैं। इस बदलाव ने पहले ही बहुत नुकसान पहुंचाया है। ऐपल के एक एग्जिक्यूटिव ने हाल में कहा था कि सफारी ब्राउजर में गूगल सर्च ट्रैफिक 20 सालों में पहली बार कम हुआ है। गूगल के ऐड-बेस्ड बिजनेस मॉडल के लिए यह एक झटका है। एआई मोड अब मेन गूगल सर्च इंटरफेस के अंदर एक टैब के तौर पर उपलब्ध हो गया है। यह यूजर्स को चैटजीपीटी जैसा चैटबॉट अनुभव करता है। यह फीचर गूगल के मेन एआई मॉडल जेमिनी से पावर्ड है। गूगल के मुताबिक नया यूजर इंटरफेस बेहतर रीजनिंग और कॉन्टेक्स्ट-बेस्ड सवालों को सपोर्ट करता है। फीचर्स के अगले सेट में यूजर्स को अपनी खुद के फोटो को अपलोड करने और शॉपिंग के दौरान आउटफिट्स को वर्चुअली ट्राई करने का ऑप्शन मिलेगा। गूगल के सर्च प्रोडक्ट के वाइस प्रेसिडेंट ने कहा कि कंपनी इस बात पर भी विचार कर रही है कि ऐड्स को एआई मोड में कैसे इंटीग्रेट किया जाए। उन्होंने कहा कि हम इसे उस कॉन्टेंट का हिस्सा मानते हैं जिसे लोग वाकई में पसंद करते हैं। गूगल ओपनएआई की बराबरी करने की कोशिश कर रहा है, जिसने 2022 में अपना चैटजीपीटी लॉन्च किया था और यह कुछ ही समय में पॉप्युलर एआई प्रोडक्ट बन गया। हाल के महीनों में जेमिनी ने भी उपयोगकर्ताओं को अपनी तरफ खींचा है, लेकिन यह अभी भी यूजर अडॉप्शन में चैटजीपीटी से पीछे है। गूगल माइक्रोसॉफ्ट से भी पीछे है, जिसने ओपनएआई पर अरबों खर्च किए और अपने मॉडल को बिंग और ऑफिस ऑफरिंग में डाला। पिचाई ने कहा कि गूगल को उम्मीद है कि वह इस साल ऐपल के साथ एग्रीमेंट फाइनल कर लेगा, ताकि सीरी के जरिए जेमिनी को उपलब्ध कराया जा सके। बता दें गूगल का नया फीचर अभी अमेरिकी यूजर्स के लिए उपलब्ध है।

राजगीर में गूंजे राम नाम के स्वर

नालंदा की धरती से मोरारी बापू ने दिया स्वच्छता का संदेश

नालंदा। प्राचीन ज्ञान की भूमि नालंदा में शनिवार से प्रसिद्ध रामकथा वाचक पूज्य मोरारी बापू की रामकथा का शुभारंभ हो गया। राजगीर के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस आध्यात्मिक महोत्सव का भव्य उद्घाटन करते हुए मोरारी बापू ने देशवासियों से स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखने का आह्वान किया। मोरारी बापू के राजगीर आगमन पर बिहार के गृह मंत्री नित्यानंद राय, नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति सहित प्रोफेसरगण, विरायतन के आचार्य संप्रज्ञा जी, सांसद कौशलेंद्र कुमार तथा सिख समुदाय एवं बौद्ध धर्म के साधु संतों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर सर्वधर्म समभाव की भावना दिखाई दी, जो राजगीर की गंगा जमुनी संस्कृति को दशार्ती है।रामकथा के प्रथम दिन मोरारी बापू ने ३मानस नालंदा विश्वविद्यालय३ कथा गायन से शुरूआत की। उन्होंने कहा कि रामचरितमानस स्वयं में एक संपूर्ण

विश्वविद्यालय है, जैसे प्राचीन काल में ऋषि मुनियों के विभिन्न प्रकार के गुरुकुल होते थे जहां लोग शिक्षा ग्रहण करते थे। मोरारी बापू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा की देश के प्रधानमंत्री ने स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का महत्वपूर्ण काम किया है। आज हम सभी मिलकर इस नालंदा की पवित्र धरती से देश की स्वच्छता एवं पवित्रता बनाए रखने का संकल्प लेते हैं।३ अपने प्रवचन में मोरारी बापू ने धर्म की सही व्याख्या करते हुए कहा की धर्म कभी आतंकी नहीं हो सकता। धर्म हमेशा आशीष और आशीर्वाद के रूप में होता है। उन्होंने हनुमान जी की भक्ति में चार प्रकार की पवित्रता का उल्लेख करते हुए कहा कि आज लोगों में काम की पवित्रता होनी चाहिए। मोरारी बापू ने प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए कहा की ३प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय हमेशा ज्ञान की भूमि रही है। यह भूमि अपने आप में विशिष्ट है।

प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के ग्रंथों को विखंडित कर देने के बाद भी आज नालंदा विश्वविद्यालय की विचारधारा की ध्वजा आज भी फहरा रही है।३ यह रामकथा कार्यक्रम एक जून तक चलेगा, जिसमें मोरारी बापू श्रीराम के जीवन, मयार्दा, आदर्शों और भक्ति की गहराई पर आधारित कथा सुनाएंगे। रामकथा प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक चलेगी। इस कार्यक्रम में देश विदेश से हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजकों और जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। आयोजन समिति द्वारा श्रोताओं के लिए निःशुल्क भोजन व्यवस्था की गई है, जिसमें सुबह का नाश्ता और दोपहर का भोजन सभी को निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। साथ ही शुद्ध पेयजल, चिकित्सा सहायता और अन्य आवश्यक सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। राजगीर जैसी ऐतिहासिक और आध्यात्मिक नगरी में मोरारी बापू की रामकथा का आयोजन न केवल स्थानीय श्रद्धालुओं बल्कि दूर दराज से आने वाले भक्तों के लिए भी एक विशेष अवसर है। रामकथा के माध्यम से मोरारी बापू लोगों में नैतिक मूल्यों, प्रेम, करुणा और सत्य की भावना जागृत करते हैं।

कार्यक्रम के पहले दिन ही पूरे वातावरण में भक्ति और श्रद्धा की भावना देखने को मिली। आसपास के गांवों के ग्रामीण एवं शहर के लोग बड़ी संख्या में भाग लेकर इस धार्मिक वातावरण का लाभ उठा रहे हैं।

संक्षिप्त डायरी

मां की प्राकृतिक मृत्यु के बाद छ घंटे में बेटे की करंट लगने से दर्दनाक मौत, शौच के लिए गया था अधेड़

नालंदा। जिले के सैदपुर गांव (एकंगरसराय थाना क्षेत्र) में एक ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। सिर्फ 6 घंटे के अंदर मां और बेटे की मौत हो गई, जिससे गांव में मातम छा गया है। मृतकों में 80 साल की मुन्ना देवी और उनके 42 साल के बेटे जन्मजेय कुमार शामिल हैं।

परिवार में पहले मां मुन्ना देवी की शनिवार और रविवार की रात अचानक मौत हो गई थी। घर वाले उनके अंतिम संस्कार की तैयारी कर ही रहे थे कि सुबह एक और दुखद घटना हो गई। मृतक के भाई संजय कुमार ने बताया कि जन्मजेय अहले सुबह शौच के लिए गांव के तालाब के पास गया था। वहां बोरिंग के लिए बिजली की तार बिछी हुई थी, जो खुले में पड़ी थी। उसी तार की चपेट में आने से उसे करंट लग गया और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। राहगीरों ने उसे देखा तो तुरंत इलाज के लिए एकंगरसराय के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना से पूरे गांव और परिवार में गहरा शोक है। मां बेटे की मौत के बाद पूरे घर में कोहराम मच गया है। जन्मजेय कुमार अपने चार भाइयों और एक बहन में सबसे छोटे थे। वे हलवाई का काम करते थे और उनके तीन बेटे हैं। अब गांव में एक साथ मां और बेटे के अंतिम संस्कार की तैयारी की जा रही है। एकंगरसराय थाना अध्यक्ष अखिलेश कुमार झा ने बताया कि बोरिंग के पास करंट की चपेट में आने से अधेड़ व्यक्ति की मौत हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ के मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है। परिवार की ओर से किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है। पुलिस ने इस मामले में यूडी (अप्राकृतिक मृत्यु) केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

जमीन विवाद बना मौत की वजह, बथान पर सो रहे किसान की गोली मारकर हत्या, दो लोग हिरासत में

समस्तीपुर। जिले के विद्यापति नगर थाना क्षेत्र के कल्याणगंज के बगराहा टोला में शनिवार रात एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। किसान सुरेंद्र सिंह (40 वर्ष) अपने घर के पास पशुओं के बथान पर सो रहे थे, तभी बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाया। उन्हें आंख और नाक के पास दो गोलियां लगीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना रात करीब 12 बजे की है।गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग जागे और बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन वे फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और गांव के ही दो लोगों मदन सिंह और अनिल सिंह को हिरासत में लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक के छोटे भाई मंजय कुमार ने बताया कि सुरेंद्र सिंह बथान पर सो रहे थे, तभी गांव के ही मदन सिंह और अनिल सिंह ने सोते समय उन्हें गोली मार दी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है और पूरे गांव में शोक का माहौल है।मंजय ने बताया कि उनके दादा संतोखी सिंह ने साल 1960 में मदन सिंह के दादा टूना महतो से चार कट्ठा जमीन की रजिस्ट्री कराई थी। लेकिन कई सालों से उस जमीन पर मदन सिंह और उनके परिवार वालों ने कब्जा कर रखा था। साल 2017 में जब जमीन के कागजात सामने आए, तो मंजय और उनके परिवार ने अपनी जमीन पर कब्जा लेने की कोशिश की। तभी से सुरेंद्र सिंह और मदन सिंह के बीच विवाद शुरू हो गया। इस मामले को लेकर कोर्ट में केस भी दर्ज कराया गया था। इसके बाद से ही मदन सिंह और अनिल सिंह लगातार परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे थे। इस संबंध में कई बार थाने में शिकायत भी की गई और गांव में पंचायत भी हुई, लेकिन वे लोग बात मानने को तैयार नहीं हुए।

तेज रफ्तार वाहन ने युवक को कुचला, ममेरे भाई की मौत पर मां को ननिहाल पहुंचा कर लौट रहा था

बेगूसराय। एक युवक को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। इससे युवक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। दुर्घटना साहेबपुरकमाल थाना क्षेत्र के जीरोमाइल के समीप की है। मृतक की पहचान मुंगेर जिला निवासी युवक के रूप में की गई है। सड़क दुर्घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के हीराटोल गांव के समीप स्थित जीरो माइल एनएच 333बी पर हुई। काफी समय तक युवक का पहचान नहीं हो सका था। पुलिस और स्थानीय लोगों के प्रयास से रात करीब 12 बजे युवक की शिनाख्त की गई। उक्त युवक के ममेरे भाई की मौत हो गई थी, वह अपने ननिहाल से लौट रहा था। बताया जा रहा है कि युवक मुंगेर के मुफसिल थाना अंतर्गत टिका रामपुर निवासी अर्जुन साह का पुत्र रौशन कुमार (19) था। वह साहेबपुरकमाल थाना के मल्हीपुर में अपनी बाइक से ननिहाल गया था। ममेरा भाई के डेथ होने पर मां को छोड़ने ननिहाल गया था। बताया जा रहा है कि छोड़कर वापस लौट रहा था, तभी हादसा हो गया। घटना को अंजाम देकर अज्ञात गाड़ी घटनास्थल से फरार हो गया।

पप्पू यादव ने जनसुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष को बताया बहरूपिया

पूर्णिया। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने जन सुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह पर निशाना साधा है। बिना नाम लिए ब्लैकमेलर, अहंकारी और बहरूपिया तक कह डाला। वहीं, सांसद के बयान पर उदय सिंह ने पलटवार करते हुए कड़े शब्दों में चेतावनी दी है। शनिवार को 20 सूत्रीय समिति की बैठक खत्म होने के बाद जन सुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष से जुड़े सवाल पर पप्पू यादव ने कहा कि पूर्णिया में उनका किसी से कोई मुकाबला नहीं है। जनता बेईमान लोगों को खत्म कर देगी। यहां कोई वैकेंसी नहीं है। वहीं, पप्पू यादव के बयान पर उदय सिंह ने अल्टीमेटम देते हुए कहा, 'आज दिन भर में तीन लोगों के मुंह से उन्हें अपने बारे में ये बातें सुनने को मिली।

पूर्णिया के सांसद ने कुछ दिन पहले ही मुझे मैसेज करके कहा था कि अब अनर्गल बयान से परहेज करेंगे। इस पर मैंने कहा था कि अगर वो बयानबाजी नहीं करेंगे तो मैं भी नहीं बोलूंगा। बता दें, इससे पहले पप्पू यादव ने पटना में बीपीएससी अभ्यर्थियों के प्रोटेस्ट के दौरान जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को भी बहरूपिया बताया था। इस पर पलटवार करते हुए पीके ने पूर्णिया में पप्पू यादव को बरसाती मेंढक तक कह डाला था।

अब देशभर में होगी राजगीर की चर्चा

पटना। राजगीर में खेल परिसर सह खेल विश्वविद्यालय में इनडोर व आउटडोर खेलों की सुविधाएं भवन निर्माण विभाग ने चरणबद्ध तरीके से विकसित की है। यहां बिहार का पहला और देश का छठा खेल विश्वविद्यालय है। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानको को ध्यान में रखते हुए मैदान का निर्माण सचिव कुमार रवि ने बताया कि राजगीर खेल परिसर विभाग की महत्वकांक्षी परियोजना है। एक ही परिसर में खेलों के मैदान के साथ-साथ प्रशिक्षण एवं अभ्यास की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए खेल मैदानों का निर्माण किया गया है। कोविड-19 महामारी और अन्य चुनौतियों के बावजूद विभाग के अधिकारियों और अभियंताओं ने समयबद्ध तरीके से

इस शानदार खेल परिसर को तैयार किया है। निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। इसमें मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। 40 हजार दर्शकों की क्षमता वाले इस स्टेडियम का निर्माण जल्द पूरा कर लिया जाएगा। सचिव ने कहा कि, खेल परिसर में कुश्ती, भारोत्तोलन, वालीबाल, बैडमिंटन, तीरंदाजी, शूटिंग, कबड्डी, जूडो, तायक्वांडो, बाक्सिंग, क्रिकेट, फुटबाल, हाकी, बास्केटबाल, हैंडबाल, वालीबाल, साइकिलिंग, एथलेटिक्स ट्रैक, शाटपुट, लंबी कूद, ट्रिपल जंप, पोल वाल्ट, सेपक टाकरा एवं तैराकी समेत 33 तरह के इनडोर और आउटडोर खेल शामिल हॉकी प्रैक्टिस टर्फ का भी निर्माण किया गया है। परिसर में एक आधुनिक शैक्षणिक भवन बनाया गया है, जिसमें बिहार खेल विश्वविद्यालय का कार्यालय, पदाधिकारियों के लिए कार्यालय और 242 की क्षमता वाला एक ऑडिटोरियम शामिल है। खिलाड़ियों के लिए 149 कमरों वाला बालक छात्रावास, 78 कमरों वाला बालिका छात्रावास, 100 क्षमता वाला ट्रांजिट हास्टल, प्रशिक्षकों के लिए आवास और 324 क्षमता वाला मेस भी निर्मित किया गया है। निदेशक, उप निदेशक और स्टाफ के लिए आवासीय सुविधाएं उपलब्ध हैं। खिलाड़ियों के लिए खेल के दौरान लगी चोट के साथ साथ अन्य प्रकार के इलाज की भी व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि अधिकतर खेल सुविधाओं का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। कई तरह के मल्टीपर्पस इनडोर हाल का निर्माण किया गया है, जिसमें विभिन्न तरह के खेल आयोजित हो रहे हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स के दौरान राजगीर खेल परिसर में पांच खेल आयोजित किए गए थे। खेल परिसर में निर्मित विश्वस्तरीय हॉकी टर्फ, ऑस्ट्रेलिया से आयातित एस्ट्रो-टर्फ और जर्मनी के ऑटोमेटेड स्प्रिंकलर सिस्टम से सुसज्जित है। सचिव ने कहा कि यह परिसर किसी भी वैश्विक खेल आयोजन के लिए आदर्श स्थल है। हमारा लक्ष्य बिहार के युवाओं को विश्वस्तरीय मंच प्रदान करना है। इस साल हाकी टर्फ पर पुरुष एशिया कप 2025 खेला जाना है।

स्वप्नसिटी में चोरों का कहर

4 सूने मकानों के ताले टूटे, लाखों का माल ले उड़े चोर, पुलिस बेखबर

सीहोर। भैरूंदा नगर की स्वप्न सिटी कॉलोनी में चोरों ने एक साथ चार घरों के ताले तोड़ दिए और लाखों रुपए का सामान चोरी कर लिया। पिछले कुछ समय से इस कॉलोनी में चोरियां बढ़ गई हैं। यहां लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं, जिससे नगर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, चोरों ने देवीलाल, संतोष, अशोक यादव और प्रशांत राजपूत के खाली पड़े घरों को निशाना बनाया। अशोक यादव अपने परिवार के साथ इंदौर गए हुए थे, जबकि प्रशांत राजपूत का परिवार शादी में व्यस्त था। बाकी दो घरों पर भी ताला लगा हुआ था। प्रशांत राजपूत की पत्नी अर्चना राजपूत ने बताया कि वे शादी में गई थीं, उसी दौरान उनके घर से चोरी हुई। चोरों ने वहां से 7-8 तोला सोना और चांदी के सामान समेत कई चीजें चुरा लीं। एक अन्य पीड़ित महिला ने भी

बताया कि उनके घर से सोना-चांदी और नकदी चोरी हो गई। वे अपने गांव गई हुई थीं, तब चोर उनके घर में घुसे। पुलिस के मुताबिक, चार घरों में चोरी हुई है, जिनमें से दो घरों से लाखों रुपए का कीमती सामान चोरी गया है। बाकी दो घर किराए के थे और उनमें कोई खास कीमती सामान नहीं था। बताया जा रहा है कि चोरों ने पांच घरों के ताले तोड़े हैं, लेकिन पुलिस ने केवल चार घरों में चोरी की पुष्टि की है।भैरूंदा नगर की स्वप्नसिटी कॉलोनी चोरों के लिए हमेशा से ही आसान जगह रही है। यहां अक्सर चोरी की घटनाएं होती रहती हैं। चोरों को यहां आसानी से घूमने-फिरने और भागने के लिए जगह मिल जाती है। चोरी करके वे आसानी से फरार हो जाते हैं। इससे पहले भी इस कॉलोनी में एक ठेकेदार के घर से लाखों रुपए चोरी हो चुके हैं। स्वप्नसिटी में हाल ही हुई चोरी का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें पांच चोर दिख रहे हैं। सभी ने मुंह ढके हुए हैं और हाथ में डंडा लिए हुए हैं। यह फुटेज सितंबर-अक्टूबर 2024 में हुई चोरी का भी है, जिसमें भी पांच ही चोर नजर आए थे। दोनों फुटेज में चोरों की हाइट और कद लगभग एक जैसा है। पुलिस को शक है कि पिछले साल और इस बार की चोरी के पीछे वही चोर हो सकते हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस रात 12 बजे से सुबह 5 बजे तक कॉम्बिंग गश्त अभियान चला रही है। इस दौरान पुलिस वारंटियों को पकड़कर अदालत में पेश कर रही है। पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला ने हाल ही में भैरूंदा थाने जाकर इस गश्त अभियान की जानकारी दी थी। इसके बावजूद चोरों ने स्वप्नसिटी के चार घरों से चोरी कर लाखों रुपए का माल चोरी कर लिया। पुलिस अभी दो दिन पहले छिदगांव मौजी में हुई 8 लाख रुपए से ज्यादा की चोरी की भी जांच कर रही है। थाना प्रभारी घनश्याम दांगी ने बताया कि स्वप्नसिटी कॉलोनी के चार घरों से चोरी हुई है। चोरों को सीसीटीवी में कैद कर लिया गया है।

मिड डे मील को लेकर शिक्षा विभाग ने कर दिया बड़ा एलान

पटना। राज्य के तकरीबन 71567 प्रारंभिक विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना (मिड डे मील) के संचालन की नियमित निगरानी होगी। हर विद्यालय में कितने बच्चों ने मिड डे मील खाया और कितने बच्चे गैरहाजिर रहे, इसकी रिपोर्ट प्रत्येक दिन पोर्टल पर अपलोड होगी। मिड डे मील में किसी प्रकार की अनियमितता, छात्रों की उपस्थिति में फर्जीवाड़ा एवं निर्धारित मेन्यू का पालन नहीं होने की शिकायत पर संबंधित जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ), जिला कार्यक्रम प्रबंधक तथा जिला एवं प्रखंड साधनसेवी पर कार्रवाई होगी। इससे संबंधित निर्देश शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने सभी जिलों के जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों (मध्याह्न भोजन योजना) को दिया है। उन्होंने मिड डे मील के संचालन में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ), जिला कार्यक्रम प्रबंधक तथा जिला एवं प्रखंड

साधनसेवी पर अहम जिम्मेदारी दी है। निर्देश में अपर मुख्य सचिव ने नाराजगी जताते हुए कहा है कि योजना के संचालन एवं क्रियान्वयन के संबंध में बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त होती है कि जिलों में मध्याह्न भोजन निधारित मेन्यू के अनुसार नहीं दिया जाता है। छात्रों की उपस्थिति में फर्जीवाड़ा किया जाता है और मध्याह्न भोजन का संचालन बाधित रहता है। निर्देश में हिदायत भरे शब्दों में अपर मुख्य सचिव ने कहा है कि सामान्यतः देखा जाता है कि मध्याह्न भोजन की अनियमितता की शिकायत प्राप्त होने पर केवल प्रधानाध्यापक या प्रधान शिक्षक पर ही कार्रवाई की जाती है तथा केंद्रीयकृत रसोईघर के विपत्र की राशि से कटौती की जाती है।

गर्मी से राहत के लिए दही-चावल खा रहे चिम्पांजी: बर्फ की सिल्ली से खेल रहे भालू

पटना। बिहार में भीषण गर्मी को देखते हुए पटना जू में जानवरों और पक्षियों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। जू प्रशासन की ओर से जानवरों को हीट स्ट्रोक से बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। बाघ और शेर की गुफाओं में ठंडी हवा के लिए कूलर लगाया गया है।

वहीं, गर्मी से राहत के लिए भालू बर्फ की सिल्ली से खेल रहे हैं। इसके साथ ही चिम्पांजी के केज में एसी लगाया गया है। जलीय पक्षियों और चीतल, हिरन, सांभर जैसे जानवरों के बाड़े में फॉगर लगाया गया है। जू प्रशासन के अनुसार मांसाहारी और शाकाहारी जानवरों के लिए अलग अलग इंतजाम किए गए हैं। गर्मी बढ़ते ही बाघ का भोजन कम हो गया है। 11 किलो के स्थान पर अब यह 9 किलो मीट खा रहा है। चिम्पांजी दही-चावल

के साथ डाभ पीने लगा है। उसे अंगूर, सेब, केला और अनार सहित अन्य मौसमी फल दिए जा रहे हैं, ताकि बॉडी में पानी की कमी न हो।

वहीं, हाथी को ईख के स्थान पर केले का थम मिलने लगा है। भालू खीर खा रहा है और झड़ने में नहा रहा है। पक्षियों के बाड़े में तपिश कम करने के लिए वॉटर स्प्रिंकलर के इंतजाम किए गए हैं। पक्षियों के बाड़े में पानी का छिड़काव लगातार किया जा रहा है। कर्मचारियों के द्वारा जानवरों की 24 घंटे निगरानी की जा रही है। डॉक्टर भी रूटीन चेक-अप से मॉनिटरिंग करते रहते हैं। इसके साथ ही जलीय पक्षियों के बाड़े में फॉगर लगाया गया है। पक्षियों को पीने के लिए दिए जाने वाले पानी को दिन में दो बार बदला जा रहा है। वहीं, बर्ड फ्लू को देखते हुए हर सोमवार पक्षियों के बाड़े में हल्दी ट्रीटमेंट किया जाता है, ताकि बीमारी न फैले। जानवरों को धूप से बचाने के लिए शेड की भी व्यवस्था की गई है। लू और गर्म हवा से बचने के लिए बाड़े को पुआल से ढंका गया है। इसके साथ ही जानवरों को पानी में ग्लूकोज और मल्टीविटामिन की गोली मिलाकर दी जा रही है, ताकि उनकी ऊर्जा कायम रहे और लू से बचाया जा सके। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की गाइड लाइन के अनुसार वन्य प्राणियों के कैलेंडर बना है।

सुहागिन महिलाएं आज करेंगी वट सावित्री का व्रत

कृतिका नक्षत्र और शोभन योग का बन रहा संयोग, जानें पूजा का शुभ मुहूर्त

पटना। अखंड सौभाग्य की कामना से सुहागिन महिलाएं आज यानि सोमवार को वट सावित्री का व्रत करेंगी। ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या में भरणी और कृत्तिका नक्षत्र का युग्म संयोग के साथ शोभन योग रहेगा। वट वृक्ष को देव वृक्ष माना गया हैं। इस दिन बरगद के वृक्ष की पूजा कर महिलाएं देवी सावित्री के त्याग, पति प्रेम एवं पति व्रत धर्म का स्मरण करती हैं। महिलाएं वट वृक्ष को अक्षत, पुष्प, चंदन, ऋतुफल, पान, सुपारी, वस्त्र, धुप-दीप आदि से पूजा कर पंखा भी झलेंगी। पंडित राकेश झा ने स्कन्द पुराण के हवाले से बताया कि वट सावित्री का व्रत एवं इसकी पूजा व परिक्रमा करने से सुहागिनों को अखंड सुहाग, पति की दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य वंश वृद्धि, दांपत्य जीवन में सुख-शांति तथा वैवाहिक जीवन में

आने वाले कष्ट दूर होते हैं। पूजा के बाद भक्तिपूर्वक सत्यवान-सावित्री की कथा सुनना और वाचन करना चाहिए। इससे परिवार पर आने वाली अदृश्य बाधाएं दूर होती हैं तथा घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। महिलाएं पूरे दिन उपवास करेंगी और सोलह श्रृंगार कर आंगन को अरिपन से लेप कर पति-पत्नी संग में वट की पूजा नियम-निष्ठा से करने के बाद चौदह बांस से निर्मित लाल-पीला रंग में रंगा हुआ हाथ पंखा से वट वृक्ष को हवा देंगी। इस पूजा में आम और लीची की प्रधानता रहती है। गुड्डा-गुड़िया को सिंदूर दान भी होगा। रंगा हुआ घड़ा में पूजन की दीपक प्रज्ज्वलित रहेगी। पूजा के बाद नव दंपति को बड़े-बुजर्ग महिलाएं धार्मिक व लोकाचार की कई कथाएं सुनाएगी। उसके बाद पांच सुहागिन महिलाएं नवविवाहिता के साथ खीर, पूरी व ऋतुफल का प्रसाद ग्रहण करेंगी। वैदिक गंथों और पौराणिक ग्रंथों में मृत्यु को भी चुनौती देने वाले वट प्रजाति के वृक्षों में बरगद को अमूल्य बताया गया है। इसकी जड़, छल, पत्ता, दूध, छाया तथा हवा न सिर्फ मनुष्यों बल्कि पृथ्वी, प्रकृति और समस्त जीव-जंतुओं के लिए जीवन रक्षक माना गया है। मनुष्य के शरीर में बिमारियों के रूप में यदि यमदूत प्रवेश कर गया हो और वह इस वृक्ष की शरण में चला जाए, तो जैसे सावित्री ने अपने पति सत्यवान को यमराज के हाथ से जीवित लौटने में सफलता हासिल की थी। उसी प्रकार सामान्य व्यक्ति भी यमदूतों से मुक्ति पा सकता है। भविष्य पुराण के अनुसार यमराज ने चने के रूप में ही सत्यवान के प्राण सावित्री को वापस दिए थे। सावित्री चने को लेकर सत्यवान के शव के पास आई और चने को सत्यवान के मुख में रख दिया, इससे सत्यवान फिर जीवित हो गए थे। चना के प्राणदायक महत्व होने के कारण इसे वट सावित्री की पूजा में अंकुरित चना अर्पण किया जाता है।

वट सावित्री पूजा का शुभ मुहूर्त

अमावस्या तिथिः दोपहर 11:02 बजे से पूरे दिन

अभिजित मुहूर्तः दोपहर 11:20 बजे से 12:14 बजे तक

गुली काल मुहूर्तः दोपहर 01:28 बजे से शाम 03:10 बजे तक

चर-लाभ-अमृत मुहूर्तः दोपहर 01:28 बजे से शाम 06:32 बजे तक

घर ले आएं लक्ष्मी चरण पादुका

न-संपदा की प्राप्ति हेतु लक्ष्मी के पूजन का विधान है। ऐसा माना जाता है कि दीपावली की रात लक्ष्मी जी घर में आती हैं। इसीलिए लोग दहलीज से लेकर घर के अंदर जाते हुए लक्ष्मी जी के पांव बनाते हैं। इसी मान्यता के चलते हम लक्ष्मी जी को स्थाई करने हेतु घर में लक्ष्मी जी के चरणों का प्रतीक लक्ष्मी चरण पादुका स्थापित करते हैं।

लक्ष्मी जी के चरणों का रहस्य : शास्त्रों के अनुसार महालक्ष्मी के चरणों में सोलह शुभ चिन्ह होते हैं। यह चिन्ह अष्ट लक्ष्मी के दोनों पावों से उपस्थित 16 (षोडश) चिन्ह है जो के 16 कलाओं का प्रतीक हैं। शास्त्रों में मां लक्ष्मी को षोडशी भी कहकर पुकारा जाता है। ये सोलह कलाएं हैं 1.अन्नमया, 2. प्राणमया, 3.मनोमया, 4.विज्ञानमया, 5. आनंदमया, 6. अतिशयिनी, 7. विपरिनाभिमी, 8.संक्रमिनी, 9.प्रभवि, 10. कुंथिनी, 11 विकासिनी, 12.मर्यदिनी, 13. सन्हालादिनी, 14.आह्लादिनी, 15.परिपूर्ण, 16.स्वरुपवस्थित।

शास्त्रों में चंद्रमा की सोलह कलाओं का भी वर्णन आता है। चंद्रमा की सोलह कलाएं हैं अमृत, मनदा, पुष्प, पुष्टि, तुष्टि, ध्रुति, शाशनी, चंद्रिका, कांति, ज्योत्सना, श्री, प्रीति, अंगदा, पूर्ण और पूर्णामृत का उल्लेख है। वास्तवकिता में ये सोलह कलाएं सोलह तिथियां हैं जिसके क्रम में अमावस्या एकम से लेकर चतुर्दशी तथा पूर्णिमा। लक्ष्मी चरण पादुका के लक्ष्मी के षोडशी रूप के 16 चिन्ह इस प्रकार हैं 1 प्राण, 2.श्री, 3.भू, 4.कीर्ति, 5.इला, 5 लीला, 6.कांति, 7.विद्या, 8 विमला, 8.उत्कर्शिनी, 9.ज्ञान, 10 क्रिया, 11.योग, 12.प्रहवि, 13. सत्य, 14. इसना 15. अनुग्रह, 16. नाम। अष्ट लक्ष्मी के दोनों चरणों में इस सोलह कलाओं के प्रतीक चिन्ह स्थापित होते है। सोलह कलाओं वाली श्री लक्ष्मी षोडशी का रहस्य : जो श्री विद्या सोलह कलाएं प्रदान करे वही षोडशी है। लक्ष्मी का यह स्वरुप ऐश्वर्य, धन, पद जो भी चाहिए सभी कुछ प्रदान करता है। इनके श्री चक्र को श्रीयंत्र कहा जाता है। इनका एक नाम श्री महा त्रिपुरा सुंदरी यां ललिता भी है। त्रिपुरा समस्त भुवन मे सर्वाधिक सुन्दर है। महालक्ष्मी का यह स्वरुप जीव को शिव बना देता है। यह श्री कुल की विद्या है। इनकी पूजा से साधक को पूर्ण समर्थ प्राप्त होता है। लक्ष्मी चरण पादुका इन्हीं ललिता श्री देवी के चरणों का प्रतीक है जिसमें सोलह चिन्ह बने होते हैं। लक्ष्मी चरण पादुका जहां भी स्थापित कि जाती है वहां से समस्याओं का नाश होता है। इसकी स्थापना से धनाभाव खत्म होकर स्थाई धन संपत्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। इसे मकान, दुकान, आफिस या कहीं भी दरवाजे पर चिपकाना भी शुभ होता है। अष्ठ धातु से निर्मित यह चरण पादुका सुख-समृद्धि हेतु निश्चित ही उपयोगी सामग्री है।

घर-कार्यस्थल पर न रखें श्रीगणेश की ये मूर्तियां

भगवान श्रीगणेश मंगलकारी देवता हैं। जहां श्रीगणेश का नित पूजन-अर्चन होता है, वहां रिद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ का वास होता है। वास्तु शास्त्र में भगवान श्रीगणेश को महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया गया है। धन से संबंधित जो भी बाधाएं आती हैं उसका दोष घर अथवा दुकान में ही मौजूद होता है। बहुत कुछ ऐसा होता है जिनकी अनजाने में अनदेखी हो जाती है। वास्तु दोष-विघ्न दूर करते हैं विनायक। जिस घर के मुख्य द्वार पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर होती है, वहां रहने वालों की दिनों-दिन उन्नति होती है। आम, पीपल और नीम से बनी श्रीगणेश की मूर्ति घर के मुख्य दरवाजे पर लगाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। घर के मुख्य द्वार पर चौखट के ऊपर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर लगानी चाहिए। उनके आस-पास सिंदूर से उनकी दोनों पत्नियों के नाम रिद्धि-सिद्धि लिखने की परम्परा है। घर में पूजा के लिए भगवान श्रीगणेश की शयन या बैठी हुई मुद्रा में मूर्ति शुभ मानी जाती है। कार्यस्थल पर खड़ी हुई मुद्रा में भगवान श्रीगणेश की मूर्ति लगाएं। इससे स्फूर्ति और उमंग बनी रहती है। ध्यान रहे कि खड़े हुए श्रीगणेश जी के दोनों पैर जमीन को स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आती है। घर में भगवान श्रीगणेश का चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। घर में भगवान श्रीगणेश की ज्यादा मूर्तियां या तस्वीरें नहीं होनी चाहिए।

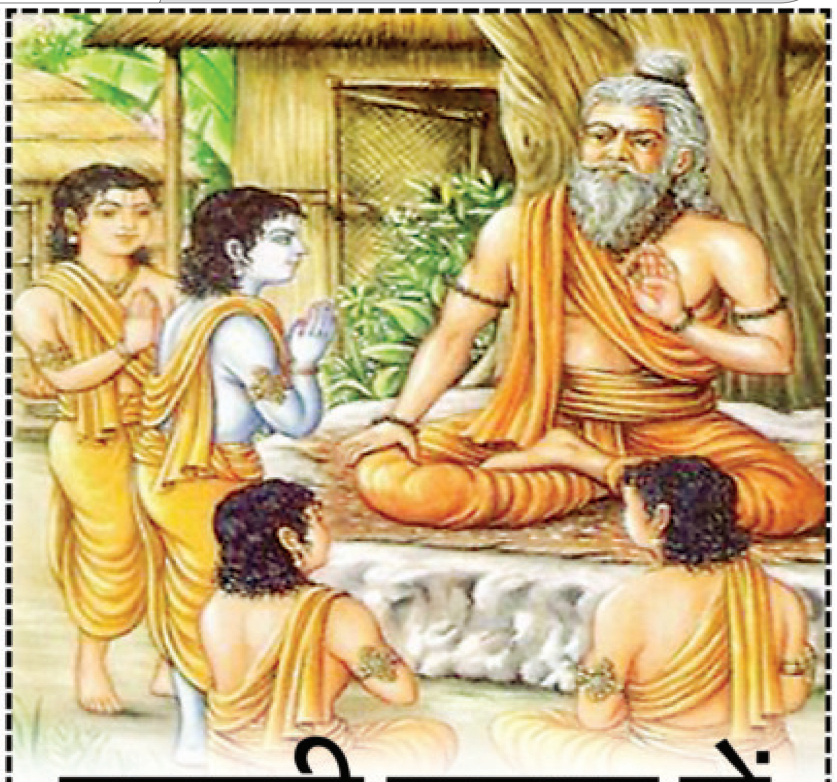

इनकी शरण में गए थे भगवान के ये अवतार

भगवद् गीता जी में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, विगतेच्छा भय क्रोधो य : सदा मुक्त एव स : जो इच्छा, भय और क्रोध से रहित है वह सदा मुक्त ही है। इस उपरोक्त ज्ञान रूप तप से पवित्र होकर बहुत से भक्त भगवान के स्वरूप को प्राप्त कर चुके हैं। जो मनुष्य सदैव कामनाओं के अधीन रहता है उसमें सदैव भय व्याप्त रहता है। कामनाओं में विघ्न पड़ने से क्रोध उत्पन्न होता है और क्रोध से विवेक रूपी ज्ञान शक्ति का नाश होता है।

इसलिए हे अर्जुन। न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला नि :संदेह कुछ भी नहीं है। भगवान के नाम का आश्रय लेने वाला सदैव भय मुक्त रहता है। असुरराज रावण, जिसे ब्रह्मा जी से वर प्राप्त था, भगवान शिव की जिस पर विशेष कृपा थी, समस्त देवतागण, नवग्रह जिसके अधीन थे। केवल भगवान श्री राम नाम का आश्रय लेकर ज्ञानियों में अग्रगण्य श्री हनुमान जी ने उसकी लंका को भस्मीभूत कर दिया। बाली पुत्र अंगद ने अपने प्रभु के नाम के बल पर ही रावण की सभा में बड़े-बड़े योद्धाओं को अपने पृथ्वी पर जमाए हुए पैर को हिलाने के लिए आमंत्रित किया। भय मुक्त अंगद के मुख पर जो आत्मविश्वास था, वह केवल भगवद् नाम की ही कृपा थी जिस कारण रावण सहित सभी योद्धाओं को अपमानित होना पड़ा था। जब तक मनुष्य के मन में भय समाया रहता है तब तक उसमें निश्चयात्मिका बुद्धि का अभाव रहता है। जब तक अर्जुन के मन में युद्ध के प्रति भय था, कि कहीं उसके हाथों अपने गुरुजनों का वध हो जाने से, अधर्म न हो जाए, वह इस निर्णय को लेने में अक्षम थे कि युद्ध करने, अथवा न करने में सही विकल्प कौन-सा है। भगवान की शरण प्राप्त करने से ही वह श्रेष्ठ निर्णय लेने में सफल रहे, जब उन्होंने स्वयं को भगवान का शिष्य मान लिया। शिष्यस्तेहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम। इस प्रकार अर्जुन ने सभी प्रकार से भगवान की शरण प्राप्त कर ली।

मनुष्य जीवन में निर्णय-अनिर्णय की स्थिति सदैव बनी रहती है। विवेक शक्ति से युक्त होकर ही मनुष्य सही निर्णय का चुनाव करता है। भय से युक्त मन में विवेक शक्ति का अभाव होता है। मार्कण्डेय ऋषि मां भगवती से अभय प्रदान करने के लिए स्तुति करते हैं :

सर्व स्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति समन्विते।
भयभयस्राहि नो देवि दुर्गे देवि नमोस्तुते।

हे मां! आप सर्वस्वरूपा, सर्वेश्वरी, सभी शक्तियों से सम्पन्न हैं। आप मुझे भय से मुक्त करें। हे देवि! आपको नमस्कार है। मां आदि शक्ति सभी प्रकार के भय का नाश करने वाली है।

षोड वर्ष के बालक मार्कण्डेय ने मृत्यु को समीप जान, जब मृत्युंजय भगवान शिव जी की चंद्रशेखरमाश्रय मम किं करिष्यति वै यम : से स्तुति कर भगवान शिव को प्रसन्न कर न केवल आश्रय प्राप्त किया अपितु भगवान शिव से अमरत्व भी प्राप्त किया। भय नाम अंधकार का है। यह अंधकार अज्ञानता, अश्रद्धा और संशययुक्त बुद्धि से उत्पन्न होता है। इसी से जीव का नाश होता है।

योगी और भोगी दोनों को अंतिम समय का भय होता है परन्तु दोनों के भय में अंतर है। भोगी जीवन भर सांसारिक पदार्थों का संग्रह करता है ताकि बुढ़ापे के समय उसका जीवन कष्टमय न हो। योगी जीवन पर्यन्त यह अभ्यास करता है कि प्रयाण काल (शरीर छोड़ते समय) में उसकी चित्त वृत्ति परमात्मा में स्थिर रहे क्योंकि यह नियम है कि परमेश्वर के ध्यान के अभ्यास रूप योग से युक्त, दूसरी ओर न जाने वाले चित्त से निरंतर चिंतन करता हुआ मनुष्य परम प्रकाश रूप दिव्य पुरुष को अर्थात परमेश्वर को ही प्राप्त होता है। जटायु, बाली, भीष्म पितामह ने अंतिम समय में अपनी चित्त वृत्तियों को भगवान के श्रीमुख पर स्थिर कर परमधाम प्राप्त किया।

श्री राम चंद्र कृपालु भज मन।

हरण भव भय दारूणम

भगवान श्री राम अत्यंत कृपालु हैं तथा सांसारिक बंधनों के भय से मुक्त करने वाले हैं इसलिए हे मन। तू केवल उनका नाम ही भज।

वंदे विष्णुं

सभी लोकों के एकमात्र स्वामी भव भय हरने वाले भगवान विष्णु की हम वंदना करते हैं। उपरोक्त स्तुतियों में भय से मुक्ति हेतु ही भगवान की वंदना भक्तों द्वारा की जाती है। काक भुशुण्डि जी श्रीराम की कृपा से, भागवत प्रवक्ताओं में अग्रगण्य शुकदेव मुनि जी भगवान श्री कृष्ण जी की कृपा से ही निर्भय होकर इस संसार में विचरण करते हैं। माया के बंधन में बंधा जीव सदैव भय से युक्त रहता है। केवल भगवद् नाम का आश्रय ही जीव की बुद्धि को निर्भय बनाता है। उसके लिए आवश्यक है कि मनुष्य भगवान की दिव्य लीलाओं का स्वाध्याय करे अथवा श्रवण परायण होकर रसास्वादन करे। कलिकाल में केवल गोविंद नाम ही सब प्रकार के भय का नाश करने वाला है।

पीपल की पूजा का रहस्य

दधीचि पुत्र पिप्पलाद ने जब माता से अपने पिता की देवताओं द्वारा अस्थियां मांगे जाने और उनसे बने वज्र से अपने प्राण बचाने का पौराणिक विवरण सुना तो उनके मन में देवताओं के प्रति घृणा उपजी। मैं इनसे पिता को 'सताने' का बदला लूंगा। ऐसा संकल्प करके पिप्पलाद तप करने लगे। कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और बोले, वर मांगो।

पिप्पलाद ने नमन किया और बोले, प्रभु! अगर आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो कृपा करके अपना रौद्र रूप प्रकट कीजिए और इन देवताओं को जलाकर भस्म कर दीजिए। शिव यह अनुरोध सुन कर स्तब्ध रह गए, परंतु वचन तो पूरा करना ही था। देवताओं को जलाने के लिए तीसरा नेत्र खोलने का उपक्रम करने लगे। इस आरंभ की प्रथम परिणति यह हुई कि पिप्पलाद का रोम-रोम जलने लगा। वह चिल्लाए और बोले, प्रभु! यह क्या हो रहा है? देवता नहीं, उल्टा मैं ही जला जा रहा हूं। शिव ने कहा, देवता तुम्हारी देह में ही समाए हुए हैं। अवयवों की शक्ति उन्हीं की सामर्थ्य है। देव जलें और तुम अछूते बचे रहो यह तो संभव नहीं है। पिप्पलाद ने अपनी याचना वापस ले ली तो शिव ने कहा, देवताओं ने त्याग का अवसर देकर तुम्हारे पिता को कृत-कृत्य और तुम्हें गौरवान्वित किया है। मरण तो होता ही है, न तुम्हारे पिता बचते और न काल के ग्रास से वृत्रासुर बचा रहता। यश, गौरव प्राप्त करने का लाभ प्रदान करने के लिए देवताओं के प्रति कृतज्ञ होना ही उचित है। पिप्पलाद का भ्रम दूर हो गया। उनकी तपस्या आत्म-कल्याण की दिशा में मुड़ गई। पिप्पलाद को ही पीपल कहते हैं। उनके त्याग, साधना और परोपकार की भावना के कारण उन्हें पूजा जाने लगा। पीपल समस्त वृक्षों में सबसे पवित्र इसलिए माना गया है क्योंकि स्वयं भगवान श्रीहरि विष्णु पीपल में निवास करते हैं। श्रीमद् भागवत गीता में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपने श्रीमुख से उच्चारित किया है कि, वृक्षों में मैं 'पीपल' हूं।

स्कंद पुराण के अनुसार पीपल के मूल (जड़) में विष्णु, तने में केशव, शाखाओं में नारायण, पत्तों में भगवान हरि और फलों में समस्त देवताओं से युक्त भगवान सदैव निवास करते हैं।

ऑक्सीजन 'प्राण-वायु' कही जाती है। प्रत्येक जीवधारी ऑक्सीजन लेता है व कार्बन डाईआक्साइड छोड़ता है। ऑक्सीजन देने के अतिरिक्त पीपल में अनेक विशेषताएं हैं जैसे इसकी छाया सर्दी में गर्मी देती है और गर्मी में शीतलता देती है। इसके अतिरिक्त पीपल के पत्तों से स्पर्श करने से वायु में मिले संक्रामक वायरस नष्ट हो जाते हैं। इसकी छाल, पत्तों और फल आदि से अनेक प्रकार की रोगनाशक दवाएं बनती हैं। इस दृष्टि से भी पीपल पूजनीय है।

भगवान शिव ने कब, कहां और किसे दिया अमरत्व का वरदान

भारत विभिन्न संस्कृति और धर्मों का घर है। हमारे देश में भिन्न-भिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। भारत के प्रसिद्ध धार्मिक पूजा स्थलों में से एक अमरनाथ धाम है। अमरनाथ हिंदुओं का प्रमुख तीर्थस्थल है। कश्मीर राज्य के उत्तर पूर्व से 135 हजार मीटर की दूरी पर अमरनाथ की गुफा स्थित है। अमरनाथ गुफा भगवान शिव के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। कहा जाता है कि इसी गुफा में भगवान शिव ने मां पार्वती को अमर कथा का रहस्य बताया था। एक बार पार्वती द्वारा अमर होने की कथा सुनने की जिद्द करने पर भगवान शिव पार्वती को अमर कथा सुनाने के लिए समुद्रतल से 13,600 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस स्थान पर लाए। गुफा में प्रवेश करने से पहले भगवान शिव ने अपने गले में सुशोभित नाग और सिर पर सजे चांद को उतार दिया। ताकि माता पार्वती के अलावा कोई और कथा न सुन सके। यहां आकर उन्होंने माता पार्वती को कथा सुनानी आंरभ की लेकिन माता को कथा के मध्य में ही नींद आ गई। इस दौरान इस गुफा में कबूतरों के दो बच्चों ने जन्म लिया, जिन्होंने अमर कथा सुन अमरता प्राप्त की। जब शिव जी को यह ज्ञात हुआ तो वह क्रोधित हो गए और उन्हें मारने के लिए आगे बढ़े। तभी कबूतरों ने भगवान शिव को कहा कि अगर वे उन्हें मारेंगे तो अमर कथा झूठी साबित हो जाएगी। तब शिव जी ने अपने क्रोध को शांत कर उन्हें वरदान दिया कि युगों-युगों तक तुम दो कबूतरों का जोड़ा शिव-पार्वती का प्रतीक बन कर इस गुफा में निवास करेगा। उसी समय से यह स्थान अमरनाथ गुफा के नाम से प्रचलित हुआ। मान्यता है कि इन कबूतरों के दर्शन करने से शिव-पार्वती के दर्शनों जितना पुण्य मिलता है। इनके दर्शनों से वंचित रहने वाले हर व्यक्ति की यात्रा असफल मानी जाती है।

गुजरात की करारी हार, चेन्नई ने 83 रन से जीता सीजन का आखिरी मैच

अहमदाबाद (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अपने आखिरी आईपीएल 2025 मुकाबले में गुजरात टाइटन्स को 83 रनों से रौंद दिया जिसमें उनके ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत जीत मिली। यह गुजरात की आईपीएल में अब तक की सबसे बड़ी हार थी।

पंजाब किंग्स बनाम मुंबई इंडियंस के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता को क्वालीफायर 1 (Q1) में सीधे प्रवेश मिलेगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत हासिल की है, अगर वे अपना फॉर्म जारी रखते हैं तो वे उनके साथ शामिल हो सकते हैं; अन्यथा, गुजरात टाइटन्स Q1 में आगे बढ़ पाएगा। पंजाब किंग्स और मुंबई के बीच कोई नतीजा नहीं निकलने की स्थिति में गुजरात Q1 में क्वालीफाई करेगा जिसकी संभावना नजर नहीं आती।

सीएसके के गेंदबाजों में अनुभवी स्पिनर रवींद्र जडेजा ने 17/2 के आंकड़े के साथ बढ़त बनाई। डेब्यूटेंट अंशुल कंबोज ने 2.3 ओवर में सिर्फ 13 रन देकर तीन महत्वपूर्ण विकेट हासिल करके प्रभावित किया। गुजरात की पारी खराब रही क्योंकि कप्तान शुभमन गिल (13) और जोस बटलर (5) पावरप्ले के अंदर आउट हो गए।

साई सुदर्शन ने 28 गेंदों पर 41 रनों की पारी खेली, लेकिन मध्य क्रम ढह गया, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया और राशिद खान सस्ते में आउट हो गए और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। नूर अहमद (4-0-21-3) ने भी महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। उन्होंने तेवतिया और अरशद खान सहित मध्य क्रम के प्रमुख विकेट लिए। मथेशा पथिराना और खलील अहमद ने एक-एक विकेट लेकर शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया।

इससे पहले सीएसके ने अपने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 230 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स ने आक्रामक शुरुआत की। युवा आयुष म्हात्रे ने 17 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 34 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 200 का रहा। डेवोन कॉनवे ने 35 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 52 रन बनाकर पारी को संभाला। उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी के बीच स्थिरता प्रदान करते हुए पारी को संभाला।

उर्विल पटेल ने 19 गेंदों पर 37 रन बनाकर अपनी लय जारी रखी। वह रविश्रीनिवासन साई किशोर की गेंद पर शुभमन गिल के हाथों कैच आउट हुए। शिवम दुबे एक रन बनाकर शाहरुख खान के हाथों आउट हो गए, लेकिन डेवाल्ड ब्रेविस ने 23 गेंदों पर चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से 57 रन बनाकर चेन्नई सुपर किंग्स को 200 रन के पार पहुंचाया। रवींद्र जडेजा 18 गेंदों पर 21 रन बनाकर नाबाद रहे।

गुजरात के गेंदबाजों में प्रसिद्ध कृष्णा ने चार ओवर में 22 रन देकर 2 विकेट चटकाए। राशिद खान (4-0-42-1), साई किशोर (2-0-23-1), और शाहरुख खान (1-0-13-1) ने भी विकेट चटकाए, लेकिन सीएसके के बल्लेबाजों को रोकने में संघर्ष करते रहे। सीएसके की पारी में तेज पॉवरप्ले में 68 रन बने जिससे मजबूत लक्ष्य की नींव रखी और यह आगे चलकर जीत का मुख्य कारण भी बना।

जोकोविच ने 100 वां एटीपी खिताब जीतकर फेडरर और कोनर्स की बराबरी की

जिनेवा (एजेंसी)। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने जिनेवा ओपन के फाइनल में पोलैंड के ह्यूबर्ट हर्काज को हराकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। जोकोविच ने इसी के साथ ही अपना 100वां एटीपी खिताब जीता है। जोकोविच ने खिताबी मुकाबले में ह्यूबर्ट को 5-7, 7-6, 7-6 से हराया। सर्बियाई खिलाड़ी ने पहला सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए दूसरे और तीसरे सेट में जीत दर्ज कर मुकाबला अपने नाम किया। 100 एटीपी खिताब जीतने के बाद जोकोविच बेहद उत्साहित दिखे। उन्होंने कहा कि इसके लिए मैंने काफी प्रयास किये थे। इसी के साथ ही अब जोकोविच ने स्विटजरलैंड के दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर और अमेरिका के जिमी कोनर्स के 100 खिताब जीतने के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। कोनर्स ने सबसे अधिक 109 खिताब जीते हैं जबकि फेडरर के नाम 103 खिताब हैं। इसी जीत के बाद अब जोकोविच का लक्ष्य फ्रैंच ओपन जीतना रहेगा।

बहुत समय से टेस्ट टीम में वापसी का इंतजार था : करुण नायर

जयपुर (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल के इस सत्र के आखिरी मैच में छह विकेट से मिली जीत में अहम भूमिका निभाने वाले दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज करुण नायर ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में वापसी पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि उन्हें इसका लंबे समय से इंतजार था। आठ साल बाद टेस्ट टीम में लौटे नायर ने 27 गेंद में 44 रन बनाये। दिल्ली ने जीत के लिये 207 रन का लक्ष्य 19.3 ओवर में हासिल कर लिया। 33 वर्षीय नायर को 2024-25 सत्र में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद 20 जून से शुरू होने वाले इंग्लैंड के पांच मैचों के टेस्ट दौरे के लिए शनिवार को 18 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया। उन्होंने

भारत के लिए पिछली बार 2017 में खेला था। नायर ने मैच के बाद कहा, ''शानदार लग रहा है और हम इसके हकदार थे। हम इस सत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके लेकिन इस मैच में हमने दिखा दिया कि हमारी टीम अच्छी थी लेकिन कुछ मैच खराब गए।' अपने प्रदर्शन के बारे में उन्होंने कहा, ''मैं काफी रन बनाकर आईपीएल में आया था। आत्मविश्वास की कमी नहीं थी। पारी में बहुत जल्दी बड़े शॉट खेल रहा था जिस पर कोच ने अपना समय लेकर फिर आक्रामक खेलने की सलाह दी।'

भारत के बाद आईपीएल में खेलना सबसे अच्छी चीज है : महेंद्र सिंह धोनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के बाद इंडियन प्रीमियर लीग में खेलना उनके लिए सबसे अच्छी चीज है। धोनी 2008 में टूर्नामेंट की शुरुआत से ही सीएसके का हिस्सा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज ने पूरे सीजन में बड़ी संख्या में प्रशंसकों का आनंद लिया है। अपने करियर के अंतिम चरण में धोनी को प्रशंसकों और कई लोगों द्वारा खेल के जीवित किंवदंती के रूप में सराहा जाता है और उनके समर्थक उन्हें और फ्रैंचाइजी को अपना समर्थन देने के लिए पीली जर्सी में बड़ी संख्या में आते हैं। धोनी ने कहा, 'यह बहुत अच्छा अहसास है और मैंने हमेशा कहा है कि प्रशंसकों की ओर से बहुत-बहुत धन्यवाद है। मेरा यही मानना है, जैसे कि पिछले कुछ सालों में मैं खेल रहा हूं, आप जानते हैं, यह एक तरह से वे कह रहे हैं कि आपने जो कुछ भी किया है, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। यह आश्चर्यजनक है, खासकर जब आप कोई खेल खेलते हैं, तो आप प्रशंसकों की सराहना चाहते हैं। जब क्रिकेट की बात आती है, तो भारत खेलने के

लिए सबसे अच्छी जगह है।' उन्होंने कहा, 'भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा होना सबसे बड़ी चीजों में से एक है। मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेल रहा हूं। इसलिए आईपीएल अगली सबसे अच्छी चीज है जो हो सकती है। इसलिए रोंगटे नहीं खड़े होते, लेकिन यह एक तरह की भावना है, आप जानते हैं, जब भी आप अंदर जाते हैं, तो हर कोई बहुत उत्साहित होता है। वे आपका इंतजार कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि आप अच्छा प्रदर्शन करें। यहां तक कि जब आप उस टीम के खिलाफ खेल रहे होते हैं जिसे वे जीतना चाहते हैं, तब भी वे चाहते हैं कि आप अच्छा प्रदर्शन करें, थोड़ा योगदान दें, चाहे वह कुछ भी हो। तो हां, यह एक अद्भुत एहसास है।' लगातार दूसरे साल प्लेऑफ में जगह बनाने से चूकने के बाद सीएसके अब तक सीजन में तीन जीत के साथ तालिका में सबसे नीचे है।

क्रिकेट ढ़ांचे को बेहतर बनाने टी20 क्रिकेट लीग शुरु कर रहा कीनिया

नैरोबी । अफ्रीकी देश कीनिया अब अपने क्रिकेट ढ़ांचे को बेहतर बनाने के लिए एक टी20 क्रिकेट लीग शुरु करने जा रही है । ये लीग सितंबर में शुरु होगी । लीग का पहला सत्र 25 दिन का होगा जिसमें छह फेंचाइजी हिस्सा लेंगी । इसमें दुनिया भर के कम से कम पांच अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया जा सकता है । क्रिकेट कीनिया और और कंपनी एओएस स्पोर्ट के बीच इस लीग के आयोजन को लेकर एक समझौता हुआ है। कीनिया के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर कैनेडी ओबुया ने कहा, 'यह बहुत बड़ा आयोजन होगा। यह रोमांचक होगा। यह रोमांचकारी होगा। इससे कीनिया में क्रिकेट को नई दिशा मिलेगी और वह तेजी से आये बढ़ेगा । कीनिया की तरफ से 90 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, 'किसी भी मैच के

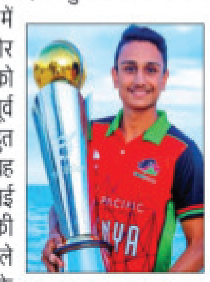

लिए एक टीम को चार विदेशी खिलाड़ियों को ही अंतिम एकादश में शामिल करने की अनुमति दी जाएगी। वहीं अन्य सभी खिलाड़ी स्थानीय होंगे। कीनिया की टीम का वर्तमान समय में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है पर एक समय वह अपने अच्छे प्रदर्शन के लिए जानी जाती थी । वह साल 2003 में एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल में भी पहुंची थी । अब ओबुया की तरह ही कई अन्य क्रिकेटरों को भी भरोसा है कि इस लीग से कीनियाई क्रिकेट आगे बढ़ेगा । भारत में आईपीएल शुरु होने के बाद से ही दक्षिण अफ्रीका पाकिस्तान सहित कई देशों में क्रिकेट लीग शुरु हुई है ।

राहुल को टी20 में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए रखे भारतीय टीम : पीटरसन

नई दिल्ली । इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और दिल्ली कैपिटल्स के मेंटॉर केविन पीटरसन ने केएल राहुल की जमकर प्रशंसा की है । पीटरसन के अनुसार राहुल को 2026 टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर रखे। इसके साथ ही उन्हें चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जाना चाहिये। भारतीय टीम में अभी विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं। चयनकर्ताओं के पास राहुल के अलावा ऋषभ पंत, संजू सैमसन, ध्रुव जुरेल और ईशान

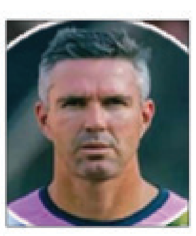

किशन जैसे अच्छे विकल्प हैं । राहुल 2022 विश्व कप के बाद से ही भारतीय टी20 टीम में शामिल नहीं हैं पर पीटरसन का मानना है कि उन्होंने इस सत्र में शानदार बल्लेबाजी कर अपनी वापसी के लिए मजबूत दावेदारी की है। ऐसे में वह विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका के लिए सबसे बेहतर हैं। पीटरसन ने कहा, ''मैं टी20 क्रिकेट में भारत के लिए राहुल को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजना चाहूंगा । मुझे लगता है कि आपके पास बहुत सारे सलामी बल्लेबाज हैं ।'' इंग्लैंड के इस पूर्व कप्तान ने कहा, ''राहुल जिस तरह से अब क्रिकेट खेल रहे हैं, वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने और भारत के लिए विकेटकीपिंग करने के लिए मेरी पहली पसंद बन गये हैं।'' उन्होंने हाल में एकदिवसीय में भी शानदार प्रदर्शन किया था। राहुल ने पिछले साल के मध्य से लेकर आखिर तक बहुत सकारात्मक तरीके से खेला है । इसमें वह मैच विजेता बल्लेबाज के तौर पर भी उभरे हैं । इसके अलावा मैंने बल्लेबाजी के बारे में उसके साथ बहुत सारी शानदार बातचीत की है ।

शीर्ष दो में अपनी जगह बनाने मुम्बई और पंजाब के बीच मुकाबला आज

जयपुर (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच अंतिम लीग मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में दोनो का लक्ष्य जीत के साथ ही शीर्ष दो में जगह बनाने का प्रयास करना रहेगा। प्लेऑफ में शीर्ष शीर्ष दो में जगह बनाने वाली टीम को फाइनल के लिए एक अतिरिक्त अवसर मिलता है। अभी अंक तालिका में पंजाब किंग्स 17 अंकों के साथ ही दूसरे स्थान पर है पर अगर वह मुंबई से हारी तो उसके 30 मई को एलिमिनेटर मुकाबला खेलना पड़ेगा। पंजाब को शीर्ष दो में तभी जगह मिलेगी जब वह मुम्बई से जीत जाये और अन्य अन्य दोनो टीमें गुजरात टाइटंस और रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु अपने -अपने अंतिम लीग मुकाबले हार जाये।

पंजाब किंग्स को पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हार का सामना करना पड़ा था जिससे उसके शीर्ष दो में बने रहने की संभावनाएं कम हुईं। अब उसे मुंबई इंडियंस पर किसी भी हाल में जीत हासिल करनी होगी। मुंबई इंडियंस का नेट रन रेट प्लेऑफ

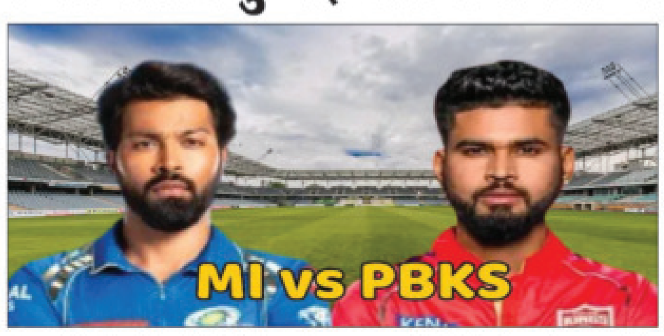

में क्वालीफाई करने वाली टीमों में सबसे अच्छा है।ऐसे में अगर वह पंजाब किंग्स से जीत जाती है तो उसे शीर्ष दो में जगह मिल सकती है पर इसके लिए उसे गुजरात टाइटंस और आरसीबी की हार की उम्मीद करनी होगी।

पंजाब किंग्स को मुम्बई के खिलाफ मैचे में अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी करनी होगी। वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में 200 से अधिक रन का बचाव नहीं कर पायी थी। इस मैच में पंजाब के बल्लेबाजों जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी से सतर्क रहना होगा। बुमराह ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार गेंदबाजी कर 16 विकेट लिए हैं। इसके अलावा ट्रेंट बोल्ट और दीपक चाहर जैसे गेंदबाज भी पंजाब के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने का प्रयासा करेंगे। बल्लेबाजी में मुम्बई के पास रोहत शर्मा और सूर्यकुमार यादव , तिलक वर्मा जैसे बल्लेबाज हैं।

वहीं पंजाब की बल्लेबाजी कप्तान श्रेयस अय्यर, प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य पर निर्भर करेगी। पंजाब के पासा अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल जैसे गेंदबाज है जो मुम्बई के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं देंगे। दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है, ऐसे में दोनो ही जीत की प्रबल दावेदार हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पांड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), श्रीजीत कृष्णन (विकेटकीपर), बेवोन जैकब्स, तिलक वर्मा, नमन धीर, विल जैक्स, मिचेल सेंटनर, राज अंगद बावा, रघु शर्मा, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, कर्ण शर्मा, दीपक चाहर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, वीएस पेनमेत्सा, अर्जुन तेंदुलकर, मुजीब उर रहमान, जसप्रीत बुमराह।

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), नेहल वढेरा, विष्णु विनोद (विकेटकीपर), जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), हरनूर पन्नू, पी. अविनाश, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बराड़, मार्को यानसेन, अजमतुल्लाह उमरजई, प्रियांश आर्य, आरोन हार्डी, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, मिच ओवेन, अर्शदीप सिंह, वी. विजयकुमार, यश ठाकुर, कुलदीप सेन जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे, काइल जैमीसन।

पटना में बनेगा अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल परिसर

पटना । यहां के उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए अब एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल परिसर बनने जा रहा है । ये खेल परिसर राजधानी पटना के गर्दनीबाग में बन रहा है । 28.66 करोड़ की इस परियोजना को के लिए राज्य सरकार की सहमति मिल गयी हे । यह खेल परिससर करीब 10 एकड़ भूमि में बनाया जाएगा, जिसका कुल क्षेत्रफल 1200 वर्गमीटर होगा । इसमें 40,000 दर्शक बैठकर मैच का आनंद ले सकेंगे । खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों के लिए बनाये जा रहे इस परिसर में 10 क्रिकेट पिच बनायी जाएंगी । इसके इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए इसमें हॉकी मैचों के लिए दो ऐस्ट्रो टर्फ भी लगाए जाएंगे । खेल आयोजनों और व्यवस्थाओं के संचालन के लिए एक प्रशासनिक ब्लॉक भी तैयार किया जाएगा । इसमें जिम, कैफेटेरिया सहित सभी आधुनिक सुविधाएं भी मिलेंगी । इससे राज्य के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक मंच मिलेगा ।

आर्सेनल ने बार्सिलोना को 1-0 से हराकर महिला चैंपियंस लीग जीती

लिस्बन । स्टिना ब्लैकस्टेनियस के गोल की बदौलत आर्सेनल की महिलाओं ने लिस्बन में बार्सिलोना को 1-0 से हराकर 2024/25 यूईएफए महिला चैंपियंस लीग जीत ली है । 2007 की सफलता के कारण यूरोपीय चैंपियन बनने वाली एकमात्र अंग्रेजी टीम होने के बाद, आर्सेनल की महिलाओं ने अब अपने शानदार इतिहास में एक और महाद्वीपीय खिताब जोड़ लिया है, जिसमें उन्होंने रिकॉर्ड 15 लीग खिताब, 14 एफए कप और सात लीग कप जीते हैं । पुर्तगाल में जीत टीम के लिए एक उल्लेखनीय अभियान का समापन करती है, जिसने सितंबर में पहले क्वालीफाइंग दौर में टूर्नामेंट में प्रवेश किया था । ग्रुप चरणों में पहुंचने के लिए हैकेन और रेंजर्स को हराने के बाद, आर्सेनल ने नॉकआउट चरणों में पहुंचने के लिए बायर्न म्यूनिख, जुवेंटस और वेलारेन्गा से आगे रहकर काम किया, भले ही अक्टूबर में जोनास ईडेवाल की जगह रेनी स्लेगर्स ने मैनेजर के रूप में काम किया हो । इसके बाद उन्होंने फाइनल में पहुंचने के लिए नाटकीय रास्ता अपनाया, पहले चरण में 2-0 की हार को पलटते हुए क्वार्टर फाइनल में एमिरेट्स स्टेडियम में रियल मैड्रिड को 3-0 से हराया और फिर ल्योन को उनके ही मैदान पर 4-1 से हराकर कुल मिलाकर 5-3 से आगे बढ़कर लिस्बन शोपीस में अपनी जगह पक्की की । आर्सेनल की महिलाओं ने तीन बार की विजेता और पिछले धारकों को हराया, जिसमें ब्लैकस्टेनियस ने 74वें मिनट में विजयी गोल करके ट्रॉफी हासिल की, जिससे प्रतियोगिता के एक ही संस्करण में आठ मैच जीतने वाली पहली अंग्रेजी टीम बन गई । स्लेगर्स, जो एक पूर्व अकादमी उत्पाद है और उसने अपने पहले पांच ग्रुप गेम जीतकर सुनिश्चित किया कि वे नॉकआउट में पहुंच जाएं, महिला चैंपियंस लीग जीतने वाली पहली डच मैनेजर बन गई हैं, और लुइस वैन गाल और फ्रैंक रिजकार्ड के बाद पुरुष या महिला प्रतियोगिता जीतने वाली तीसरी ओवरऑल मैनेजर बन गई हैं ।

कुश मैनी ने रचा इतिहास, फॉर्मूला 2 रेस जीतने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोंटे कार्लो -कुश मैनी ने सर्किट डी मोनाको में पोल पोजीशन हासिल करते हुए डैम्स लुकास ऑयल के लिए मोंटे कार्लो स्प्रिंट रेस में जीतकर इतिहास रच दिया। भारतीय ड्राइवर ने अल्पाइन अकादमी के प्रतिभाशाली साथी गैब्रिएल मिनी को पीछे छोड़ा, जो प्रेमा रेसिंग के लिए दूसरे स्थान पर रहे और इस प्रतिष्ठित स्थल पर रेस जीतने वाले पहले भारतीय ड्राइवर बने।

पी1 और मोनाको में जीतने वाले पहले भारतीय बनने पर मैनी ने, 'यह बहुत बड़ा सम्मान और सपना सच होने जैसा है। मैं डैम्स और मेरा समर्थन करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद कहना चाहता हूं। हम विश्वास करते रहेंगे!'

मैनी ने सही शुरुआत की, लेकिन ल्यूक ब्राउनिंग टर्न 1 तक पहले स्थान से पांचवें स्थान पर गिर पड़े। उनके खराब गेटवेट के कारण गैब्रिएल मिनी उपर पी2 स्थान पर आ गए। मिराब्यू में, लिंडब्लैड ने तीसरे स्थान के लिए जैक क्रॉफोर्ड को पास देने का प्रयास किया, लेकिन दोनों के बीच संपर्क ने ब्राउनिंग को चौथे स्थान पर वापस जाने और अमेरिकी से आगे निकलने की अनुमति दी। कैम्पोस ड्राइवर तीसरे स्थान पर उलझन से बाहर आया, लेकिन टक्कर के कारण उसे 10 सेकंड की समय पनेल्टी दी गई।

डीआरएस के कारण, मिनी रेस लीडर के पीछे थी, शुरुआती 10 लैप में अंतर 0.3 सेकंड का था, जबकि यह जोड़ी तीसरे स्थान पर मौजूद लिंडब्लैड से 8 सेकंड आगे थी। लैप 12 पर अंतर को बेअसर कर दिया गया जब जोशुआ डुएरकेन की AIX रेसिंग कार को ठीक करने के लिए सेफ्टी कार को तैनात किया गया। पराग्वे के ड्राइवर को मिराब्यू से बाहर MP मोटरस्पोर्ट के ओलिवर गोएथे के संपर्क के बाद पोर्टियर से आगे की बाधाओं में छोड़ दिया गया था, जिससे AIX को रेस-एंडिंग क्षति हुई थी।

लैप 15 में प्रवेश करते हुए रेसिंग की स्थिति में वापस मैनी मिनी के पीछे भागे, जबकि लिंडब्लैड ने सड़क पर तीसरे स्थान की लड़ाई में ब्राउनिंग को अपनी नजर पर रखा था। गोएथे फिर से आगे बढ़ रहे थे, अपनी MP कार को ला रास्कैस में विक्टर मार्टिंस के अंदर से चुपके से सड़क पर पी9 लेने के लिए ले गए। दोनों के बीच संपर्क के कारण गोएथे को 10 सेकंड की समय पनेल्टी मिली।

10 लैप शेष रहते मिनी रेस लीडर से 0.2 सेकंड के अंतर से वापसी करते नजर आए, जबकि लिंडब्लैड अपने समय दंड को कम

करने के लिए लेट-रेस चार्ज सेट करने के लिए 10 सेकंड से अधिक पीछे हो गए थे। रेड बुल जूनियर टीम के ड्राइवर को लैप 22 पर आगे बढ़ने के लिए कहा गया और उसने तुरंत अपनी गति बढ़ा दी ताकि खुद और ब्राउनिंग के बीच एक बफर बना सके।

अंतिम लैप तक वह मिनी के पीछे दूसरे स्थान पर थे और मैनी कुछ सेकंड आगे थे। लिंडब्लैड के समय दंड के लागू होने के साथ इसने ब्राउनिंग को पी3 दिया गया और कैंपोस ड्राइवर को आठवें स्थान पर गिरा दिया। क्रॉफोर्ड रिचर्ड वर्शूर, सेबेस्टियन मोंटोया, लियोनार्डो फोर्नारोली से आगे चौथे स्थान पर रहा क्योंकि लिंडब्लैड ने पी8 में अंक पूरे किए।

बांग्लादेश-पाक सीरीज में सुरक्षा के लिए तैनात रहेगी सेना

ढ़ाका । बांग्लादेश की टीम क्रिकेट सीरीज पहुंचने पाकिस्तान तो पहुंच गयी है पर उसे वहां आतंकवाद का खतरा सता रहा है । वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भी टीम की सुरक्षा को लेकर परेशान है । जिसके बाद से ही उसने क्रिकेट सीरीज के दौरान सेना की सुरक्षा मांगी है । ऐसे में माना जा रहा है कि अब पाक और बांग्लादेश के बीच सीरीज के दौरान सेना तैनात रहेगी । शुरुआत में, बांग्लादेश को पाकिस्तान में पांच टी20 मैच खेलने थे पर सुरक्षा कारणों से अब को देखते हुए अब तीन टी20 मैच ही होंगे । पीसीबी के अनुसार सभी मैच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में रखे गये हैं । पीसीबी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के साथ सलाह के बाद ही कार्यक्रम में बदलाव किया है । बांग्लादेश की टीम को 28, 30 मई और 1 जून को तीन टी20 मैच खेलने हैं । ये मैच रात 8:00 बजे से खेले जाएंगे । इस दौरान सिविल फोर्स के साथ साथ सेना भी तैनात रहेगी । सेना की जिम्मेदारी पुलिस और अर्धसैनिक बलों के साथ ही भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक मैनेजमेंट के साथ-साथ खेल स्थल सुरक्षा करना रहेगा जिससे किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटा जा सके । सुरक्षाबलों को बिना किसी बाधा के सीरीज के आयोजन का जिम्मा सौंपा गया है ।

कर्नाटक में कोविड संक्रमित बुजुर्ग की हुई मौत, बेंगलुरु में 32 नए केस

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में कोविड-19 संक्रमित एक 84 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, वह कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित थे और 13 मई को व्हाइटफील्ड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराए गए थे। इलाज के दौरान 17 मई को उनकी मृत्यु हो गई। शनिवार को आई रिपोर्ट में उन्हें कोरोना पॉजिटिव पाया गया। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि राज्य में कुल 38 नए कोविड केस सामने आए हैं, जिनमें से 32 मामले बेंगलुरु से हैं। बढ़ते मामलों के बीच राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने जनता से संयम बनाए रखने और अपनी सामान्य दिनचर्या को जारी रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और घबराने की जरूरत नहीं है।

सड़क दुर्घटना में जन प्रगति पार्टी के अध्यक्ष और उम्मीदवार की मौत

-गैस कटर से कार को काटकर नीरज कुमार का शव निकाला बाहर

मोतिहारी (एजेंसी)। बिहार के मोतिहारी जिले में शनिवार रात एक सड़क हादसे में जन प्रगति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नीरज कुमार और केसरिया विधानसभा क्षेत्र से पार्टी की उम्मीदवार ज्ञानती देवी की मौत हो गई। यह हादसा एनएच-27 पर हुआ। इस दुर्घटना में चार अन्य लोग भी घायल हुए हैं। उनमें से दो की हालत गंभीर है। सभी घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक यह दुर्घटना एनएच-27 पर डुमरिया घाट थाना क्षेत्र के जलवा टोला के पास हुई। जन प्रगति पार्टी के कुछ सदस्य लखनऊ में एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। वह शनिवार रात मोतिहारी से निकले। रास्ते में उन्होंने केसरिया के नया गांव की रहने वाली ज्ञानती देवी को भी अपने साथ ले लिया। उनकी कार जलवा टोला के पास पहुंची, तभी वह सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। बताया जा रहा है कि कार बहुत तेज रफ्तार में थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त गई। आसपास के लोगों ने हादसे की आवाज सुनी तो तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने डुमरिया घाट थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गैस कटर से कार को काटकर नीरज कुमार का शव बाहर निकाला। ज्ञानती देवी को गंभीर हालत में पास के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इस घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर है। नीरज कुमार और ज्ञानती देवी दोनों ही अपने क्षेत्र में लोकप्रिय थे। लोगों को उनके निधन से गहरा दुख हुआ है।

पटना में हवा में गोलीबारी से हड़कंप, छह पुलिसकर्मी निलंबित

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में शनिवार शाम बोरिंग कैनाल रोड पर उस समय दहशत फैल गई, जब अज्ञात बदमाशों ने हवा में कई राउंड फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। फायरिंग की यह घटना पार्किंग को लेकर हुए विवाद के बाद हुई। पटना एसएसपी अवकाश कुमार ने बताया कि घटना के दौरान लापरवाही बरतने पर छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। फिलहाल किसी के घायल होने की खबर नहीं है। इस घटना की गंभीरता तब और बढ़ गई जब यह सामने आया कि कानून एवं व्यवस्था के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) पंकज दराद उसी समय बैठक से लौट रहे थे और घटनास्थल के पास मौजूद थे। एसडीपीओ साकेत कुमार के अनुसार, बदमाश काले रंग की एसयूवी में सवार थे। उन्होंने पार्किंग विवाद के बाद हवा में कई गोलियां चलाईं। एडीजी के सुरक्षा गार्ड ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए जीपीओ गोलंबर के पास एक राउंड फायर किया, लेकिन बदमाश तेजी से भाग निकले। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस जांच में जुटी है और सीसीटीवी फुटेज की मदद से बदमाशों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। एसएसपी ने बताया कि बदमाशों की गाड़ी पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी, जिससे उनकी पहचान में दिक्कत आ रही है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है, और पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है। यह घटना पटना जैसे संवेदनशील और वीआईपी क्षेत्र में हुई, जिससे कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

महिला से गैंगरेप, सरिया डालकर बच्चेदानी निकाली, पीड़ता की तड़प तड़प कर मौत

- निर्भया जैसी वारदात खंडवा जिले के एक गांव में

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के आदिवासी अंचल खालवा में एक महिला के साथ दो दरिंदों ने सामूहिक रूप से दुष्कर्म किया। उसके बाद उसके निजी अंग में सरिया डालकर उसकी बच्चेदानी बाहर निकाल ली। बलात्कार की शिकार महिला की तड़प तड़प कर मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। जिस तरह से पीड़ता के साथ क्रूर व्यवहार किया गया है। उससे मानवता शर्मसार हो गई है। स्थानीय पुलिस के अनुसार शनिवार को पीड़िता की 16 साल की बेटी ने घटना की सूचना दी। बेटी ने सूचना में बताया, हरि पालवी उम्र 35 वर्ष के घर उसकी मां लहुलहान हालत में पड़ी है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। वहां पर महिला अर्धनग्न अवस्था में अचेत पड़ी हुई थी। पुलिस ने ग्रामीणों से जब इस बारे में जानकारी ली। उन्होंने पुलिस को बताया घटना के समय महिला के साथ सुनील धुर्वे उम्र 26 वर्ष तथा हरी पालवी उम्र 35 वर्ष मौजूद थे। दोनों पुरुष महिला के पूर्व परिचित थे। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताक्ष शुरू की। पुलिस अधीक्षक खंडवा राजेश रघुवंशी के अनुसार महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की बात सामने आई है। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस जब मौके पर पहुंची थी। महिला की मौत हो चुकी थी। शरीर में जगह-जगह चोट के निशान थे। निजी अंगों से खून बह रहा था। महिला की बच्चेदानी बाहर निकली पड़ी थी। पुलिस को संदेह है, बच्चेदानी को सरिए की सहायता से बाहर निकाला गया है। महिला के दो बच्चे हैं। दोनों आरोपी, महिला के परिचित थे। शुक्रवार को सभी शादी के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

उत्तराखंड में विकसित होगी टिकाऊ ड्रेनेज प्रणाली, सीएम धामी ने मांगी केंद्र से मदद

देहरादून (एजेंसी)। बाढ़, बारिश और आंधी तूफान के चलते उत्तराखंड के कई हिस्सों में पानी की निकासी होना कठिन हो जाता है। इसके लिए एक मजबूत ड्रेनेज सिस्टम की जरुरत होती है। इसे विकसित करने के लिए राज्य सरकार ने केंद्र से सहायता मांगी है। पर्वतीय क्षेत्रों में एप्पल मिशन, कीवी मिशन, मिलेट मिशन समेत कई हाई वैल्यू एग्रीकल्चर को प्रोत्साहित किया जा रहा है।ऐसे में इन क्षेत्रों में सिंचाई व्यवस्था मजबूत करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को नीति आयोग की शासी परिषद की 10वीं बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्र का मात्र 10 प्रतिशत भू-भाग ही सिंचित हो पा रहा है। उन्होंने पीएम कृषि सिंचाई योजना में लिफ्ट इरिगेशन को सम्मिलित करने का अनुरोध किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य में तेजी से हो रहे शहरीकरण के चलते शहरों में ड्रेनेज की समस्या एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। उन्होंने अनुरोध किया कि इस समस्या के समाधान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर टिकाऊ ड्रेनेज प्रणाली विकसित करने के लिए विशेष योजना बनाई जाए।उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में हिमनद आधारित नदियों को वर्षा आधारित नदियों से जोड़ने को नदी जोड़ो परियोजना के साथ चेक डैम और लघु जलाशयों का निर्माण किया जा रहा है। इससे वर्षा जल को संरक्षित किया जा सकेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जीडीपी में प्राथमिक सेक्टर का योगदान जहां मात्र 9.3 प्रतिशत है। वहीं, इस कार्य में लगभग 45 प्रतिशत आबादी लगी है। इस समस्या को देखते हुए लो वैल्यू एग्रीकल्चर के स्थान पर हाई वैल्यू एग्रीकल्चर अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। राज्य में एप्पल मिशन, कीवी मिशन, ड्रैगन फ्रूट मिशन, मिलेट मिशन तथा सगंध कृषि की परियोजनाएं प्रारंभ की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 में उत्तराखंड में पर्वतीय महाकुंभ के रूप में प्रसिद्ध मां नंदा राजजात यात्रा और वर्ष 2027 में हरिद्वार में कुंभ का आयोजन होना है। इन दोनों आयोजनों को भव्य एवं दिव्य बनाने के लिए उन्होंने केंद्र से सहयोग मांगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में डेमोग्राफिक डिविडेंड की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस लाभ को प्राप्त करने के लिए एक निश्चित समय सीमा में इसका दोहन करना आवश्यक है। इस दृष्टि से आने वाले दस वर्ष हमारे प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इन्हीं वर्षों में हम डेमोग्राफिक डिविडेंड का सर्वाधिक लाभ उठा सकते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए राज्य में विशेषरूप से स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्य किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि सतत एवं समावेशी विकास पर विशेष ध्यान देते हुए जीडीपी की तर्ज पर जीईपी अर्थात ग्रोस एनवायरमेंट प्रोडक्ट इंडेक्स जारी करने की शुरुआत की है। इस आकलन से अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के मध्य बेहतर सामंजस्य स्थापित हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में जियोथर्मल ऊर्जा नीति शीघ्र लागू की जाएगी।

सीएम मान ने नीति आयोग की बैठक में पीएम मोदी से की मांग

-पंजाब को दिए जाएं 50 जैमर ड्रोन, पाक से लगी सीमा पर करेंगे तैनात

चंडीगढ़। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने केंद्र सरकार के सामने कुछ मांगे रखीं थी। ये मांगे पंजाब के सीमावर्ती इलाकों के लिए थीं। उन्होंने नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में ये बात कही। इस बैठक की अध्यक्षता पीएम नरेंद्र मोदी ने की। सीएम मान ने कहा कि पंजाब को पाकिस्तान से लगने वाली 553 किलोमीटर लंबी सीमा पर 50 और ड्रोन जैमर चाहिए। उन्होंने कहा कि ये जैमर सीमा पार से होने वाले ड्रोन हमलों को रोकने के लिए जरूरी हैं। हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। उस दौरान पाकिस्तान ने भारत के सीमावर्ती राज्यों पर ड्रोन से हमले किए थे। भारत ने उन ड्रोन को मार गिराया था। सीएम मान ने केंद्र सरकार से अमृतसर, गुरदासपुर, तरनतारन, फिरोजपुर, फाजिल्का और पठानकोट जैसे छह सीमावर्ती जिलों के विकास के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रांट की भी मांग की है। इसके अलावा उन्होंने पंजाब में ड्रग्स की तस्करी रोकने और सीमा सुरक्षा बढ़ाने के लिए 2,829 करोड़ की ग्रांट की मांग की। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 53,000 गिरफ्तारियां हुई हैं और 3,579 किलो हेरोइन जब्त की गई है। उन्होंने कहा कि इन पैसों का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिए किया जाएगा। जेलों को और सुरक्षित बनाया जाएगा और नशा छुड़ाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। ड्रोन जैमर एक ऐसा उपकरण है जो ड्रोन को सिग्नल भेजने और प्राप्त करने से रोकता है। इससे ड्रोन को कंट्रोल करना मुश्किल होता है और उसे मार गिराना आसान।

आतंकवाद एक वैश्विक कैंसर है और इसका केंद्र पाकिस्तान है

-प्रतिनिधिमंडल रवाना होने से पहले रविशंकर ने कहा- दुनिया को बताएंगे सच्चाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले पर पाकिस्तान की सच्चाई बताने बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल विदेश रवाना हो गया है। ये प्रतिनिधिमंडल 25 मई से 7 जून तक यूरोप के छह देशों- फ्रांस, इटली, डेनमार्क, इंग्लैंड, बेल्जियम और जर्मनी जाएगा।

विदेश जाने से पहले रविशंकर ने कहा कि हम दुनिया को बताएंगे कि भारत शांति और सद्भाव में विश्वास रखता है, लेकिन अगर निर्दोष भारतीयों पर हमला होता है तो उसका जवाब जरूर दिया जाएगा। अगर हमारी बहनों-बेटियों का सिंदूर कोई उजाड़ेगा तो उसे ऑपरेशन सिंदूर के जरिए जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि हम दुनिया को बताएंगे कि आतंकवाद एक वैश्विक कैंसर है और इसका केंद्र पाकिस्तान है। इस आतंकवाद के खिलाफ दुनिया को एकजुट होकर एक ही आवाज में बोलने की जरूरत है।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि हमारा संदेश स्पष्ट है। पाकिस्तान आज आतंकिस्तान बन गया है। सभी आतंकवादियों की जड़ें पाकिस्तान में पाई जाती हैं। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस का हमारा संकल्प पाकिस्तान को कमजोर करेगा और उसके आतंकवाद को खत्म करेगा। ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए भारत से सभी 7 प्रतिनिधिमंडल रवाना हो चुके हैं। इनमें से 6 प्रतिनिधिमंडल अपने-अपने तय देश पहुंच चुके हैं। दो प्रतिनिधिमंडल 21 मई को, एक 22 मई को, तीन 24 मई को और एक 25 मई को विदेश रवाना हो चुके हैं।

गौरव गोगोई ने सीएम पर साधा निशाना, कहा- सबूत न दे पाना उनकी कमजोरी

-पाकिस्तान से संबंधों के आरोपों को बताया बेबुनियाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में उपनेता गौरव गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के उन आरोपों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिनमें कहा गया था कि उनके और उनकी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध हैं। गोगोई ने आरोपों को बेबुनियाद और सबूतविहीन बताया है और कहा है कि मुख्यमंत्री का बार-बार सबूत देने में असफल रहना उनकी कमजोरी को दर्शाता है।

गोगोई ने अपने लोकसभा क्षेत्र जोरहाट के माजुली इलाके में मीडिया से बात करते हुए कहा, जब कोई मुख्यमंत्री कुछ कहता है, तो हम उम्मीद करते हैं कि वह साक्ष्यों के साथ कहे। भाजपा आईटी सेल की पोस्ट और मुख्यमंत्री की टिप्पणी में फर्क होना चाहिए। सबूत न देना उनकी कमजोरी है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा ने पहले भी इस तरह के झूठे आरोप लगाए हैं, लेकिन जब बात एक राज्य के मुख्यमंत्री की होती है, तो जवाबदेही जरूरी है।

गोगोई की 'नॉकआउट पंच' रणनीति

गोगोई ने अपने जवाब में मुक्केबाज़ी की भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा, नॉकआउट पंच अंत में दिया जाता है। सबको धैर्य रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी वह रणनीतिक चुप्पी साधे हुए हैं, लेकिन समय आने पर पूरा जवाब दिया जाएगा। इसी के साथ ही मुख्यमंत्री हिमंत के उस बयान पर, जिसमें उन्होंने 10 सितंबर तक सबूत सामने लाने की बात कही थी, गोगोई ने चुटकी लेते हुए कहा, क्या यह कोई फिल्म है जिसकी रिलीज डेट पहले से तय है? क्या हम सिंघम 1 या सिंघम 2 देख रहे हैं?

मुख्यमंत्री हिमंत ने गोगोई पर आरोप लगाया था कि उन्होंने पाकिस्तान जाकर आईएसआई के आमंत्रण पर प्रशिक्षण लिया, और खुफिया नेटवर्क खड़ा करने में सक्रिय भूमिका निभाई। गोगोई ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि भाजपा के कई वरिष्ठ नेता भी पहले पाकिस्तान जा चुके हैं, तो क्या उन पर भी यही आरोप लगेंगे?

4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर 19 को मतदान, 23 जून को आएंगे परिणामे

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। जहां चुनाव होना है उसमें गुजारात की 2, पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल की एक-एक सीट शामिल है। यहां 19 जून को मतदान होगा और 23 जून को नतीजे आ जाएंगे। ये उपचुनाव विधायकों के इस्तीफे या मौत की वजह से ये खाली हुई सीटों पर हो रहे हैं। गुजरात में कादी और विसावदर सीट पर चुनाव होगा। केरल में नीलांबुर, पंजाब में लुधियाना और पश्चिम बंगाल में कालीगंज सीट पर भी उपचुनाव होगा। चुनाव आयोग ने कहा है कि सभी इलाकों में चुनाव की तैयारी पूरी हो चुकी है। आयोग ने यह भी कहा कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सारे जरूरी कदम उठाए जाएंगे।चुनाव आयोग के अनुसार, इन सभी क्षेत्रों में चुनाव की तैयारी पूरी कर ली गई है। मतलब वोटिंग की सारी व्यवस्था हो चुकी है। आयोग ने यह भी कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। यानी, किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे। इन उपचुनावों के नतीजे इन राज्यों की राजनीति में कुछ बदलाव ला सकते हैं। देखना होगा कि कौन सी पार्टी इन सीटों पर जीत हासिल करती है।

दिल्ली-एनसीआर में महज 2 घंटे की बारिश से मचा हाहाकार, उड़ानों पर हुआ असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में हुई चंद घंटों की बारिश ने हाहाकार जैसी स्थिति निर्मित कर दी है। यह बारिश रात को हुई जिससे दिल्ली का हाल बुरा हो गया है। एक तरफ सड़कों में जलभराव देखा गया तो वहीं दूसरी तरफ तेज आंधी के साथ बारिश के चलते विमानों की उड़ानों पर भी असर पड़ा है।

दिल्ली-एनसीआर में रविवार तड़के जमकर झमाझम बारिश हुई है। मौसम विभाग की मानें तो करीब 60 किमी प्रतिअवर की रफ्तार से हवाएं चलीं। मौसम में ठंडक घुलने के साथ ही जहां राहत लोगों ने महसूस की तो वहीं जलभराव से परेशानी भी खड़ी हो गई। इससे पहले दिल्ली-एनसीआर में रात भर बारिश का माहौल बनता रहा। तेज बारिश में दिल्ली की अनेक सड़कें लबालब भर गईं, लोगों का पैदल चलना भी दूभर हो गया। दरअसल दिल्ली-एनसीआर से लेकर हरियाणा और पश्चिमी यूपी में आधी रात से आंधी के साथ बारिश का मौसम बन गया। दिल्ली, नोएडा से लेकर गाजियाबाद तक तेज हवाएं चलीं और बारिश हुई। दिल्ली में भारी बारिश के चलते मोती बाग, मिंटो रोड, दिल्ली छावनी और दीन दयाल उपाध्याय मार्ग समेत राष्ट्रीय राजधानी की अनेक सड़कों पर जलभराव देखने को मिला है। इसके अलावा, तेज हवाओं के चलते कई इलाकों में पेड़ गिरे और बिजली के खंभे उखड़ गए। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से मौसम में ठंडक तो आ गई, मगर लोगों के लिए परेशानी भी बढ़ गई। दिल्ली में जगह-जगह सड़कों पर जलभराव की स्थिति बनी है। जैसे-तैसे वाहन सड़कों पर रेंगते नजर आए हैं। आंधी और बारिश से दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स भी प्रभावित हुई हैं।

यूपी-बिहार में शनिवार को भी तेज बारिश हुई। महाराष्ट्र और तमिलनाडु में भी मौसम मेहरबान दिखा है। खास बात यह है कि केरल में मानसून ने दस्तक दे दी है।

उड़ानें हुईं प्रभावित

दिल्ली में बदले मौसम के मिजाज के बीच देश के सबसे बड़े इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर 17 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों समेत 49 विमानों के मार्ग परिवर्तित किए गए। विमानन कंपनी 'इंडिगो' ने रविवार तड़के करीब 04 बजे सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए बताया कि दिल्ली में प्रतिकूल मौसम की वजह से विमान संचालन में अस्थायी बाधाएं पैदा हुई हैं। इसके साथ ही कहा गया कि मौसम धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है लेकिन हवाई क्षेत्र में कुछ अवरोध बना हुआ है। इंडिगो ने आगे कहा, कि 'आपको हम आश्वस्त करते हैं कि परिस्थितियां अनुकूल होने के साथ ही उड़ानों की आवाजाही फिर से शुरू की जाएगी।'

आरएसएस प्रमुख भागवत ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर विचार व्यक्त किए

सुरक्षा केवल सरकार या सेना की जिम्मदारी नहीं

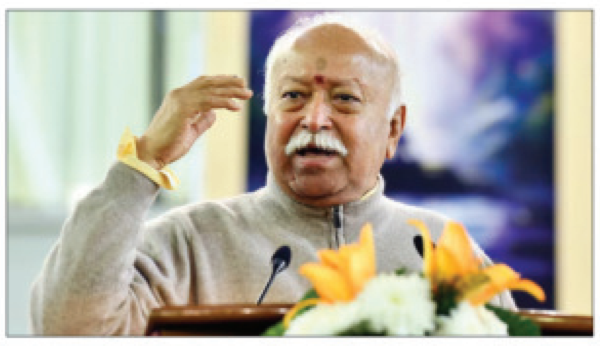

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक एकता को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान देते हुए कहा कि भारत को अब शक्ति संपन्न राष्ट्र बनने की दिशा में सतत प्रयास करने होंगे। उन्होंने यह बात ऐसे समय कही है जब संघ अपने शताब्दी वर्ष की तैयारी कर रहा है और हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया है।

एक साक्षात्कार के दौरान भागवत ने स्पष्ट किया, कि हम ताकतवर इसलिए नहीं बनना चाहते कि हम विश्व पर प्रभुत्व जमाएं, बल्कि इसलिए कि हम सभी को एक शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सशक्त जीवन दे सकें। हमारी सीमाओं पर बुरी ताकतें सक्रिय हैं, ऐसे में शक्ति अर्जित करना आवश्यक है। भागवत ने कहा कि सुरक्षा केवल सरकार या सेना की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसकी शुरुआत समाज से होती है। उन्होंने कहा, हिंदू समाज को आत्मरक्षा के लिए तैयार रहना चाहिए। जब हिंदू मजबूती से खड़े होते हैं, तभी दुनिया उन्हें गंभीरता से लेती है। उन्होंने सांस्कृतिक, मानसिक और सामाजिक एकता को भी राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम पहलू बताया। उनका कहना था कि समाज में जातीय समरसता, पारिवारिक मूल्य और पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना जितनी मजबूत होगी, राष्ट्र उतना ही सुरक्षित होगा। उन्होंने कहा कि एक बंटा हुआ समाज कभी खुद की रक्षा नहीं कर सकता।

युद्ध न हो, इसकी तैयारी ज़रूरी

आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा, कि हम युद्ध नहीं चाहते, लेकिन युद्ध न हो इसकी तैयारी आवश्यक है। ऐसी शक्ति हमारे पास हो कि दुनिया की कोई भी ताकत हमें चुनौती न दे सके। हमें आत्मनिर्भर बनना होगा, किसी अन्य देश पर निर्भर रहकर सुरक्षा संभव नहीं है।

कोरोना का कहर शुरु: महाराष्ट्र-कर्नाटक समेत कई राज्यों में मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक बार फिर कोरोना का कहर शुरु होता दिखाई दे रहा है। यूपी, एमपी, दिल्ली, महाराष्ट्र और कर्नाटक सहित कई राज्य हैं जहां कोरोना पांस पसारना शुरु कर दिया है। कहीं कहीं मौत की भी खबरें आई हैं। कई राज्यों में कोरोना के नए वेरिएंट के केस लगातार बढ़ रहे हैं। इसे देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने शनिवार को कोविड-19 के केसों को लेकर समीक्षा बैठक बुलाई थी। इतनी राहत की बात है कि ज्यादातर नए मामले हल्के हैं और घर पर ही लोगों को आइसोलेशन में रखा गया है। कुछ राज्यों ने कोरोना को लेकर तैयारी शुरू कर दी है।

कोरोना के 23 मामले सामने आए थे। केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली में कोरोना के मरीज पाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक नए वेरिएंट एनबी.1.8.1 का एक और एलएफ.7 के चार केस भारत में पाए गए हैं। डब्ल्यूएचओ ने इन दोनों वेरिएंट की पहचान बताई थी। हालांकि यह नहीं कहा था कि ये वेरिएंट बहुत खतरनाक हैं। इन वेरिएंट की वजह से चीन और एशिया के अन्य हिस्सों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं।

उत्तराखंड में दो केस, दिल्ली में अलर्ट

उत्तराखंड में कोरोना के दो मामले सामने आए हैं। मरीजों को ऋषिकेश एम्स में भर्ती करवाया गया है। हालांकि प्रदेश सरकार का कहना है कि कोरोना के मामले बेहद हल्के हैं और किसी तरह के डर की कोई बात नहीं है। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि ये मरीज राज्य के बाहर से ही संक्रिमित होकर आए थे। कोरोना के 23 मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है। संक्रमण रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अडवाइरी जारी की है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने कहा कि कोरोना से किसी तरह की घबराने की बात नहीं है। सरकार स्थिति पर पूरा ध्यान दे रही है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार है।

कर्नाटक सरकार ने जारी की एडवाइजरी

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा है कि कोविड के नए मामलों को लेकर डर वाली कोई बात नहीं है। इस साल कर्नाटक में कोरोना के कुल 35 मामले सामने आ चुके हैं। वहीं बीते 15 दिनों में केस तेजी से पाए गए हैं। शनिवार को बेंगलुरु में कोरोना से संक्रमित एक 84 साल के शख्स की मौत हो गई थी। वहीं बेंगलुरु में एक 9 महीने का बच्चा भी कोरोना संक्रमित पाया गया है। जानकारी के मुताबिक बच्चे की हालत स्थिर है।

हरियाणा भी अलर्ट

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने शनिवार को कहा कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए अस्पतालों को तैयार रहने का आदेश दिया गाय है। लेकिन लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। 23 मई की रिलीज के मुताबिक हरियाणआ में चार केस पाए गए थे। दो गुरुग्राम और दो फरीदाबाद में। किसी भी मरीज की कोई इंटरनेशनल ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है।

कई राज्यों में मिले केस

उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक 55 साल की महिला को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। उसे घर पर ही क्वारंटाइन में रखा गया है। इसके अलावा शुक्रवार को चार लोग गाजियाबाद में कोविड पॉजिटिव पाए गए थे। महाराष्ट्र के ठाणे में कोरोना के आठ नए मरीज शनिवार को पाए गए। वहीं एक मरीज की मौत हो गई। ठाणे में कोविड के कुल 18 ऐक्टिव केस हैं। इनमें से केवल एक अस्पताल में है बाकी का इलाज घर पर ही चल रहा है। शुक्रवार की रिपोर्ट के मुताबिक हैदराबाद में कोविड का एक केस पाया गया था। इसके अलावा आंध्र प्रदेश में कोरोना के चार मरीज पाए गए।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**